LBSNAA

Lal Bahadur Shastri National Academy of Administration

वार्षिक रिपोर्ट

Annual Report

2014-2015

वार्षिक रिपोर्ट

2014 - 2015

LBSNAA

Lal Bahadur Shastri National Academy of Administration

प्रकाशकः

प्रशिक्षण अनुसंधान एवं प्रकाशन प्रकोष्ठ
लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी, मसूरी
अकादमी की वार्षिक रिपोर्ट अकादमी वेबसाइट http://www.lbsnaa.gov.in/ पर देखी जा सकती है।

मुद्रकः

प्रिंट विजन
41–सी राजपुर रोड, देहरादून – 248001, उत्तराखंड
फोन नं0 – 0135–2741702 / 26532172
ई–मेल : printvisionddn@gmail.com

विषय सूची

अध्याय 1:

परिचय 01

अध्याय 2:

2014–15 के दौरान आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम 05

अध्याय 3:

पाठ्यक्रमों एवं गतिविधियां –विशेषताएं 06

अध्याय 4:

एन.आई.सी. यूनिट तथा अनुसंधान केंद 36

अध्याय 5:

क्लब एवं सोसाइटियां 46

अध्याय 6:

वित्तीय विवरण 56

अध्याय 7:

पुस्तकालय सुविधाए 58

अध्याय 8:

राजभाषा 59

परिशिष्ट

परिशिष्ट–1 : भौतिक अवसंरचना 60

परिशिष्ट–2 : ला.ब.शा.रा.प्र.अ. के निदेशकों तथा संयुक्त निदेशकों की सूची 61

परिशिष्ट–3 : अकादमी के संकाय सदस्य 62

परिशिष्ट–4 : 89वें आधारिक पाठ्यक्रम के प्रतिभागी 64

परिशिष्ट–5 : भा0प्र0 सेवा चरण–I (2013–15 बैच) के प्रतिभागी 65

परिशिष्ट–6 : भा0प्र0 सेवा चरण–II (2012–14 बैच) के प्रतिभागी 66

परिशिष्ट–7 : भा0प्र0 सेवा के लिए मिड कैरियर प्रशिक्षण कार्यक्रम चरण–III (8वां दौर) 67

परिशिष्ट–8 : भा0प्र0 सेवा के लिए मिड कैरियर प्रशिक्षण कार्यक्रम चरण–IV (9वां दौर) 68

परिशिष्ट–9 : भा0प्र0 सेवा के लिए मिड कैरियर प्रशिक्षण कार्यक्रम चरण–V (8वां दौर) 69

परिशिष्ट–10 : 115वें प्रवेशकालीन प्रशिक्षण कार्यक्रम के प्रतिभागी 70

परिशिष्ट–11 : 116वें प्रवेशकालीन प्रशिक्षण कार्यक्रम के प्रतिभागी 71

परिशिष्ट–12 : राष्ट्रीय सुरक्षा पर 21वें संयुक्त सिविल सैन्य कार्यक्रम के प्रतिभागी 72

अध्याय 1

परिचय

अकादमी के बारे में

लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी, (ला.ब.शा.रा.प्र.अ.) मसूरी भारत में सर्वोच्च सिविल सेवाओं के सदस्यों के लिए एक मुख्य प्रशिक्षण संस्थान है। यहां अखिल भारतीय सेवाओं और केन्द्रीय सेवा समूह 'क' प्रवेशकों के लिए सामान्य आधारिक पाठ्यक्रम संचालित किए जाते हैं। यह अकादमी आधारिक पाठ्यक्रम के बाद भारतीय प्रशासनिक सेवा के नियमित सदस्यों तथा रॉयल भूटान सेवा के सदस्यों को व्यावसायिक प्रशिक्षण देती है। अकादमी भा0 प्र0 सेवा के सदस्यों के लिए सेवाकालीन तथा मिड कैरियर प्रशिक्षण कार्यक्रम (एमसीटीपी) और राज्य सिविल सेवाओं से भा0 प्र0 सेवा में पदोन्नत अधिकारियों के लिए प्रवेशकालीन प्रशिक्षण कार्यक्रमों के साथ–साथ नीतिगत मामलों पर कार्यशालाओं तथा सेमिनारों का भी आयोजन करती है।

अकादमी का इतिहास

तत्कालीन गृहमंत्री ने 15 अप्रैल, 1958 को लोकसभा में एक ऐसी राष्ट्रीय प्रशिक्षण अकादमी स्थापित करने संबंधी प्रस्ताव की घोषणा की थी जहां वरिष्ठ सिविल सेवाओं में भर्ती सभी सदस्यों को आधारिक और मूलभूत विषयों का प्रशिक्षण दिया जाए। गृह मंत्रालय ने आई.ए.एस. ट्रेनिंग स्कूल, दिल्ली और आई.ए.एस. स्टाफ कालेज, शिमला को मिलाकर मसूरी में राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी स्थापित करने का निर्णय लिया। 1959 में अकादमी की स्थापना की गई तथा इसका नाम 'राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी' रखा गया। इसे भारत सरकार गृह मंत्रालय के अंतर्गत 'संबद्ध कार्यालय' का दर्जा प्राप्त था। अक्तूबर, 1972 में इसका नाम बदलकर 'लाल बहादुर शास्त्री प्रशासन अकादमी' कर दिया गया। जुलाई 1973 में, इसके नाम में 'राष्ट्रीय' शब्द भी जोड़ा गया और अब यह अकादमी 'लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी' के नाम से जानी जाती है। यह अकादमी 1870 में बने प्रतिष्ठित "बार्लिंविल होटल" में शुरू की गई थी। यहां अकादमी की शुरुआत के लिए आधारिक संरचना मौजूद थी। इसके बाद इसमें काफी विस्तार किया गया। पिछले कई वर्षों में कई नए भवन बनाए और खरीदे भी गए।

उत्पत्ति एवं विकास क्रम

15 अप्रैल, 1958	लोकसभा में तत्कालीन गृह मंत्री द्वारा अकादमी स्थापित करने की घोषणा
13 अप्रैल, 1959	मेटकॉफ हाउस, नई दिल्ली में 115 अधिकारियों के प्रथम बैच ने प्रशिक्षण आरंभ किया
1 सितम्बर, 1959	मसूरी में अकादमी की शुरुआत
1969	अकादमी में चरण–I का सैंडविच पैटर्न की शुरुआत। जिला प्रशिक्षण (संबंधित राज्य संवर्गों के संबंध में)के बाद कैंपस प्रशिक्षण पर चरण–II प्रशिक्षण आरंभ किया गया। इससे पूर्व आधारिक पाठ्यक्रम का प्रशिक्षण दिया जा रहा था, बाद में 8 माह का व्यावसायिक प्रशिक्षण आरंभ किया गया।
आरंभ से 31.8.1970 तक	अकादमी गृह मंत्रालय के अधीन कार्य कर रही थी।
1.9.1970 से अप्रैल 77 तक	अकादमी ने मंत्रिमंडल सचिवालय मामले विभाग के अधीन कार्य–किया
अक्टूबर, 1972	अकादमी के पूर्व नाम "प्रशासन अकादमी" में "लाल बहादुर शास्त्री" जोड़ा गया।
जुलाई, 1973	"राष्ट्रीय" शब्द जोड़ा गया और अब अकादमी को "लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी" के नाम से जाना जाता है।
अप्रैल, 1977 से मार्च, 1985	अकादमी ने गृह मंत्रालय के अधीन कार्य किया
अप्रैल, 85 से अब तक	अकादमी ने कार्मिक, लोक शिकायत तथा पेंशन मंत्रालय के अधीन कार्य करना आरंभ किया।
1988	राष्ट्रीय सूचना–विज्ञान केंद्र एवं प्रशिक्षण यूनिट (निक्ट) की स्थापना की गई।

3 नवंबर, 1992	कर्मशिला भवन का उद्घाटन
1995	प्रकाशन प्रकोष्ठ को टीआरपीसी के साथ मिला दिया गया।
9 अगस्त,1996	ध्रुवशिला तथा कालिंदी अतिथि–गृह का उद्घाटन किया गया।
2007	मिड कैरिअर प्रशिक्षण कार्यक्रम का आरंभ।
2011	मिडकैरिअर प्रशिक्षण कार्यक्रम के लिए ज्ञानशिला भवन का निर्माण किया गया, सिल्वरवुड एवं वैली व्यू छात्रावासभी बनाए गए।
21.06.2.13	ब्रह्मपुत्र भवन का उद्घाटन।

अकादमी की अवसंरचना का विस्तृत विवरण परिशिष्ट–1 में संलग्न है।

अकादमी मिशन तथा आधारभूत मूल्य

मिशन

"हम उचित देखभाल, नैतिक और पारदर्शी ढांचे में एक व्यावसायिक एवं जिम्मेदार सिविल सेवा के निर्माण की दिशा में गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण प्रदान कर के सुशासन को बढ़ाना चाहते हैं।"

आधारभूत मूल्य

वंचितों की सेवा

"लोगों के साथ कार्य करते हुए अपने दृष्टिकोण में मानवता रखना, वंचितों की ताकत बनना तथा उनके खिलाफ किसी भी अन्याय के समाधान में सक्रिय होना। आप इस प्रयास में सफलता प्राप्त कर सकते हैं यदि आप सत्यनिष्ठा, सम्मान, व्यावसायिकता और सहयोग के साथ कार्य करें।"

सत्यनिष्ठा

"अपने विचारों, शब्दों तथा कार्यों में एकरूप होना जो आप को विश्वसनीय बनाती है। दोषारोपण में साहस रखना तथा सदैव बिना किसी भय के, यहां तक कि सबसे शक्तिशाली व्यक्ति से भी सत्य बोलना। किसी भी भ्रष्टाचार को कदापि सहन न करें, इसका विनम्रता या बौद्धिकता से सामना करें।"

सम्मान

जाति, धर्म, रंग, लिंग, आयु, भाषा, क्षेत्र, विचारधारा तथा सामाजिक – आर्थिक स्थिति की भिन्नता को अपनाना। सभी के साथ विनम्रता तथा सहानुभूति के साथ पेश आएं। भावात्मक रूप से स्थिर रहें, विश्वास के साथ तथा अहंकार के बिना आगे बढ़ें।

व्यावसायिकता

अपने दृष्टिकोण में न्यायसंगत तथा अराजनैतिक रहना, कार्य तथा परिणाम के लिए पूर्वाग्रह के साथ अपने कार्य के प्रति व्यावसायिक तथा पूरी तरह से प्रतिबद्ध रहना और नियमित रूप से सुधार एवं उत्कृष्टता का लक्ष्य रखना।

सहयोग

मतैक्य के लिए सभी के साथ गंभीरता से कार्य कर के विचारों तथा कार्यों में सहयोग करना। दूसरों को प्रोत्साहित करना, टीम भावना हो बढ़ावा देना तथा दूसरों से सीखने के लिए खुलकर चर्चा करना। पहल करना तथा जिम्मेदारी लेना।

परिसर

यह अकादमी चार्लिविल, ग्लेनमाइर और इंदिरा भवन नामक तीन सुरम्य परिसरों में फैली है। तीनों परिसरों में अलग–अलग विशिष्ट कार्य होते हैं। चार्लिविल में प्रारंभिक स्तर के प्रशिक्षण के साथ–साथ, व्यावसायिक पाठ्यक्रम संचालित किए जाते हैं। ग्लेनमाइर परिसर में पूर्वकालिक राष्ट्रीय प्रशासनिक अनुसंधान संस्थान (एन.आई.ए.आर.), स्थापित है। इंदिरा भवन परिसर में सेवाकालीन प्रशिक्षण, अन्य विशिष्ट पाठ्यक्रम/कार्यक्रम, कार्यशालाएं और संगोष्ठियां आयोजित की जाती हैं।

प्रशिक्षण –पद्धति

इस अकादमी का यह प्रयास रहता है कि देश के लिए ऐसा अधिकारी–तंत्र तैयार करने में मदद की जाए जो अपने पद की अपेक्षा, अपने कार्यों से सम्मान पा सकें। पाठ्य–विवरण को प्रासंगिक बनाए रखने के लिए उनकी निरंतर समीक्षा कर अद्यतन किया जाता है। ऐसा करने के लिए राज्य काउंसलरों के माध्यम से राज्य सरकारों से और अर्धवार्षिक सम्मलेनों में राज्य सरकारों की सलाह, प्रतिभागियों के फीडबैक और इस उद्देश्य के लिए गठित सरकारी समितियों की सिफारिशों के आधार पर किया जाता है। केंद्र सरकार के विभागों के प्रतिनिधियों से भी समय–समय पर विचार–विमर्श किया जाता है। यह स्पष्ट है कि प्रवृत्तियों और मूल्यों की महत्ता को उजागर करने के लिए कक्षा–व्याख्यान की विधि बहुत उपयुक्त नहीं है। अतः कई अन्य नई विधियां भी अपनाई जाती हैं। अधिकांश पाठ्यक्रम मॉड्यूल के अनुसार चलते है, इसके अनुसार उपयुक्त विषय चुने जाते हैं और उसके सभी पहलुओं पर विचार करते हुए, सुव्यस्थित तरीके से उसका व्यापक अध्ययन किया जाता है।

मॉड्यूल में निम्नलिखित सभी या कुछ विधियां प्रयुक्त की जाती हैं

- अकादमी के संकाय तथा अतिथि संकाय, दोनों द्वारा व्याख्यान
- विविध विचारों को जानने के लिए पैनल परिचर्चा
- प्रकरण अध्ययन (केस स्टडी)
- फिल्में
- समूह परिचर्चा
- अनुकरण अभ्यास
- संगोष्ठियां
- मूट कोर्ट और मॉक ट्रायल
- आदेश और निर्णय लेखन अभ्यास
- प्रयोगात्मक निदर्शन
- समस्या समाधान अभ्यास
- रिपोर्ट लेखन (सत्र आलेख)
- समूह कार्य

फील्ड भ्रमण

- हिमालय ट्रैक– विषमता, खराब मौसम, अपर्याप्त आवास और खाद्य पदार्थों की दुर्लभता में अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों की हिम्मत की परीक्षा होती है। इस यात्रा के दौरान उनके वास्तविक गुणावगुण सामने आ जाते हैं।
- ग्रामीण जीवन की समस्याओं और वास्तविकताओं को समझने के लिए पिछड़े जिलों के गांवों का दौरा किया जाता है।
- समाज पर सरकारी कार्यक्रमों के प्रभाव, फील्ड भ्रमणों तथा लाभार्थियों के साथ विचार–विनिमय के जरिए कार्य अनुसंधान भी किया जाता है।

संघभाव को बढ़ावा

अखिल भारतीय सेवाओं तथा केंद्रीय सेवा समूह 'क' के सभी अधिकारी प्रशिक्षणार्थी लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी से ही अपने व्यावसायिक जीवन की शुरुआत करते हैं। यह सरकारी क्षेत्र में कार्य करने का उनका पहला अनुभव होता है। परिणामस्वरूप, यह संस्था विभिन्न सिविल सेवाओं के युवा अधिकारियों के बीच एक घनिष्टता कायम करती है। इस प्रकार यह अकादमी अधिकारियों के बीच ऐसा भाईचारा स्थापित करती है कि वे अपने पुराने दिनों को याद करते हैं। अकादमी की यह अनोखी विशिष्टता, इसकी आधुनिक अवसंरचना के अतिरिक्त, नवीन एवं पुरातन का अनोखा मिश्रण है।

प्रतिभागी

वित्त वर्ष 2014–15 के दौरान ला.ब.शा.रा.प्र. अकादमी के विभिन्न शोध यूनिटों द्वारा सम्मेलन/कार्यशालाओं के आयोजन के अतिरिक्त, कुल 09 व्यावसायिक प्रशिक्षण कार्यक्रमआयोजित किए गए। व्यावसायिक पाठ्यक्रम में कुल 1022 प्रतिभागियों ने भाग लिया। आगे सारणी में वर्ष 2014–15 में विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रतिभागियों/प्रशिक्षणार्थियों का विस्तृत ब्योरा दिखाया गया है।

वर्ष 2014–15 के दौरान विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रतिभागियों/प्रशिक्षणार्थियों का विस्तृत ब्योरा

पाठ्यक्रम का नाम	2014–15 के प्रतिभागियों की संख्या
आधारिक पाठ्यक्रम (89वां)	282
भा. प्र. सेवा चरण–I (2013 बैच)	181
भा. प्र. सेवा चरण–II (2012 बैच)	170
भा. प्र. सेवा चरण–III (आठवां दौर)	101
भा. प्र. सेवा चरण–IV (नौवांदौर)	57
भा. प्र. सेवा चरण–V (आठवांदौर)	96
प्रवेशकालीन प्रशिक्षण पाठ्यक्रम (115वां)	46
प्रवेशकालीन प्रशिक्षण पाठ्यक्रम (116वां)	44
संयुक्त सिविल–सैन्य प्रशिक्षण कार्यक्रम (21वां)	43
योग	1022

निदेशक, संयुक्त निदेशक, अकादमिक परिषद के सदस्यों तथा अन्य अधिकारियों का ब्योरा क्रमशः परिशिष्ट 2 तथा 3 में संलग्न है।

अध्याय **2**

वर्ष 2014-2015 के दौरान आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम

क्र.सं.	पाठ्यक्रम का नाम	अवधि	पाठ्यक्रम समन्वयक	प्रतिभागियों की संख्या		
				पु.	म.	योग
1.	अखिल भारतीय सेवाओं तथा केन्द्रीय सेवाओं (समूह 'क') के पात्र सदस्योंके लिए 89वां आधारिक पाठ्यक्रम	1 सितंबर, 2014 से 12 दिसंबर, 2014	श्री सौरभ जैन	200	82	282
2.	भा.प्र.सेवा व्यावसायिक पाठ्यक्रम चरण–I (2013 बैच)	16 दिसंबर,, 2013 से 13 जून, 2014	श्रीमती जसप्रीत तलवार	128	53	181
3.	भा.प्र.सेवा व्यावसायिक पाठ्यक्रम चरण–II (2012 बैच)	30 जून, 2014 से 22 अगस्त, 2014	डॉ0 प्रेम सिंह	138	32	170
4.	राज्य सिविल सेवा से पदोन्नत/ भा.प्र. सेवा की चयन सूची में आने वाले अधिकारियों के लिए 115 वां प्रवेशकालीन प्रशिक्षण कार्यक्रम	3 मार्च, 2014 से 25 अप्रैल, 2014	श्री अभिषेक स्वामी	40	6	46
5.	राज्य सिविल सेवा से पदोन्नत/ भा.प्र. सेवा की चयन सूची में आने वाले अधिकारियों के लिए 116वां प्रवेशकालीन प्रशिक्षण कार्यक्रम	27 अक्टूबर, 2014 से 19 दिसंबर, 2014	श्री जयंत सिंह	39	05	44
6.	भा0प्र0 सेवा अधिकारियों के लिए 8वां मिड कैरियर प्रशिक्षण कार्यक्रम, चरण– III	18 अगस्त, 2014 से 10 अक्टूबर, 2014	श्रीमती रंजना चोपड़ा	86	15	101
7.	भा.प्र. सेवा के अधिकारियों के लिए 9वां मिड कैरिअर प्रशिक्षण कार्यक्रम चरण–IV	23 जून, 2014 से 14 अगस्त, 2014	श्री तेजवीर सिंह	46	11	57
8.	"राष्ट्रीय सुरक्षा" पर 21वां संयुक्त सिविल –सैन्य प्रशिक्षण कार्यक्रम	2 जून 2014 से 12 जून, 2014	श्री दुष्यंत नरियाला	39	04	43
9.	भा.प्र. सेवा के अधिकारियों के लिए 8वां मिड कैरियर प्रशिक्षण कार्यक्रम चरण–V	27 अक्टूबर, 2014 से 28 नवंबर, 2014	श्री राजीव कपूर	88	10	98
	योग			804	218	1022

अध्याय 3

पाठ्यक्रम तथा गतिविधियां- विशेशताएं

अखिल भारतीय सेवाओं तथा अन्य केन्द्रीय सेवा (ग्रुप–ए) के नवनियुक्त अधिकारियों का 89वां आधारिक पाठ्यक्रम

(1 सितंबर, 2014 से 12 दिसंबर, 2014)

पाठ्यक्रम समन्वयक	श्री सौरभ जैन उपनिदेशक
सह–पाठ्यक्रम समन्वयक	डॉ0 प्रेम सिंह, उपनिदेशक (वरि0)
	श्रीमती निवि शर्मा, उपनिदेशक (वरि0) श्री अभिषेक स्वामी, उपनिदेशक (वरि0) श्री मनस्वी कुमार, उपनिदेशक
प्रतिभागियों की संख्या	कुल 282 (पुरुष 200, महिला 82)
पाठ्यक्रम का उद्घाटन	श्री हामिद अंसारी, भारत के उपराष्ट्रपति
विदाई समारोह संबोधन	श्री प्रणव मुखर्जी, भारत के राष्ट्रपति

89 वें आधारिक पाठ्यक्रम के प्रतिभागियों का ब्योरा परिशिष्ट–4 में संलग्न है।

लक्ष्य

89वें आधारिक पाठ्यक्रम में भूटान के अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों सहित 12 विभिन्न सेवाओं के 282 युवा अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों में अधिकारी सदृश गुणों तथा प्रवृत्तियों का विकास करने और संघभाव को पैदा करने का प्रयास किया गया। ये अधिकारी प्रशिक्षणार्थी 1 सितंबर, 2014 को 15 सप्ताह की लंबे प्रशिक्षण कार्यक्रम के लिए आये जो दिसंबर, 2014 को संपन्न हुआ। यह प्रशिक्षण शैक्षणिक विषयों और सह–पाठ्यक्रम गतिविधियों का मिश्रण है जिसे अकादमी के संकाय के अलावा सार्वजनिक जीवन के सभी क्षेत्रों से बुलाए गए प्रशिक्षकों तथा वक्ताओं के समुचित मेल के द्वारा पूरा किया गया।

पाठ्यक्रम के उद्देश्य

- अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों को देश के प्रशासनिक, सामाजिक, आर्थिक एवं राजनैतिक परिदृश्य की जानकारी देना।
- अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों को सिविल सेवा में आने वाली चुनौतियों तथा अवसरों से अवगत कराना।
- अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों के व्यक्तित्व की सभी विशेषताओं जैसे बुद्धिमत्ता, नैतिकता तथा शारीरिक विकास करना।
- संघ भाव को विकसित करके विभिन्न सिविल सेवाओं के सदस्यों के मध्य बेहतर समन्वय स्थापित करना।

पाठ्यक्रम की रूपरेखा

आधारिक पाठ्यक्रम में कॉलेज तथा विश्वविद्यालय की शैक्षणिक दुनिया से अलग सरकार की व्यवस्थित प्रणाली में कार्य करने पर ध्यान दिया जाता है। अधिकांश प्रतिभागियों के लिए यह पाठ्यक्रम सरकार और शासन एवं समाज में सरकार की भूमिका के बारे में पहला परिचय था। पाठ्यक्रम की रूपरेखा इस तरह से बनाई गई है ताकि शैक्षणिक, बाह्य क्रियाकलाप, पाठ्येत्तर तथा सह–पाठ्यक्रम गतिविधियों का समिश्रण करके रेखांकित उद्देश्यों की प्राप्ति की जा सके। अकादमी का उद्देश्य प्रत्येक अधिकारी प्रशिक्षणार्थी को उन आधारिक मूल्यों, कौशलताओं तथा ज्ञान से तैयार करना है जो उनके व्यवसाय में सहायक हो। उन्हें सरकार में प्रभावी कार्य–निष्पादन के लिए जरूरी शासन की बुनियादी अवधारणाओं, नियमों तथा विनियमों को समझने में उपयोगी प्रशिक्षण सामग्रियां उपलब्ध कराई जाती है।

प्रशिक्षणर्थियों को सम्बोधित करने के लिए विभिन्न क्षेत्रों से अनेक विशेषज्ञ क्षेत्रों से अनेक विशेषज्ञ एवं ख्याति प्राप्त व्यक्तियों को आमंत्रित किया गया।

प्रख्यात अतिथि वक्ता

डॉ0 किरण सेठ, प्रोफेसर, भारतीय प्रौद्योगिक संस्थान, नई दिल्ली।	श्री गुलशन राय, महानिदेशक, आईसीईआरटी, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी विभाग, नई दिल्ली।	सुश्री सुनीता नारायण, महानिदेशक, विज्ञान एवं पर्यावरण केन्द्र, नई दिल्ली।
सुश्री रवीन्दर कौर, मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान विभाग, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, नई दिल्ली	डॉ0 राजीव भार्गव, विकासशील समाज एवं अध्ययन केन्द्र, नई दिल्ली	डॉ0 जी.ए. भट, महानिदेशक, अग्नि एवं आपातकालीन सेवा, जम्मू एवं काश्मीर।
श्री आर.एस. शर्मा, सचिव भारत सरकार, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी विभाग, नई दिल्ली।	डॉ0 राजेन्द्र कुमार, संयुक्त सचिव एवं वित्तीय सलाकार, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी विभाग, नई दिल्ली।	सुश्री वृन्दा स्वरूप, अपर सचिव, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, विद्यालयी शिक्षा विभाग, शास्त्री भवन, नई दिल्ली।
डॉ0 के.पी. कृष्णन, डीजी एवं ए.एस, आर्थिक कार्य विभाग, वित्त मंत्रालय, नई दिल्ली।	श्री शेखर गुप्ता, इंडिया टूडे ग्रुप, नई दिल्ली	श्री एस.वाई. कुरैशी, भा.प्र. सेवा (सेवानिवृत्त), भारत के पूर्व मुख्य निर्वाचन आयुक्त
श्री अमिताभ कांत, भा.प्र. सेवा, सचिव, भारत सरकार, औद्योगिक नीति एवं संवर्धन विभाग, नई दिल्ली।	सुश्री अरूणा राय, मजदूर किसान शक्ति संगठन राजस्थान।	श्री निखिल डे, मजदूर किसान शक्ति संगठन राजस्थान।
डॉ0 अनिता भटनागर जैन, भा.प्र. सेवा, संयुक्त सचिव, राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, गृह मंत्रालय, नई दिल्ली	डॉ0 निरूपम वाजपयी, कार्यकारी उपाध्यक्ष के विशेष सलाहकार, ग्लोबल सेंटर एंड ग्लोबल डेवलपमेंट, कोलंबिया यूनिवर्सिटी।	श्री किरेन रिजीजू, माननीय गृह राज्य मंत्री, भारत सरकार, नई दिल्ली।
श्री टी.के. विनोद कुमार, भा.प्र. सेवा, संयुक्त निदेशक, राष्ट्रीय पुलिस अकादमी, हैदराबाद।	श्री अजिनाश चंदर, रक्षा मंत्री एवं सचिव के वैज्ञानिक सलाहकार, आर. एवं डी. विभाग, नई दिल्ली।	श्री यू.के. सिन्हा, अध्यक्ष, भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी), मुंबई।
श्री चेरियन थोमस, मुख्य कार्यकारी अधिकारी, आईडीएफसी, नई दिल्ली।	श्री योगेन्द्र यादव, वरिष्ठ अध्येता, विकासशील समाज अध्ययन केन्द्र, नई दिल्ली।	श्री सुब्रोतो रॉय, सलाहकार, राष्ट्रीय सार्वजनिक वित्त एवं नीति संस्थान, नई दिल्ली।
श्री मनीष सभरवाल, अध्यक्ष टीम लीज सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड, बंगलूरू।	श्री गोपालकृष्ण गांधी, पश्चिम बंगाल के पूर्व राज्यपाल तथा अध्यक्ष कलाक्षेत्र फाउंडेशन चेन्नई।	सुश्री सुजाता सिंह, भा. वि. सेवा, विदेश सचिव, विदेश मंत्रालय, नई दिल्ली
श्री विजय महाजन, फाउंडर तथा चेयरमैन, बैसिक्स, भारत, नई दिल्ली।	श्री हर्ष मंदर, भा.प्र. सेवा (सेवानिवृत्त), अमन बिरादरी एंड सेन्टर फॉर इक्विटी स्टडीज, अरविंदो मार्ग, नई दिल्ली	प्रोफेसर विन्नी यिप, प्रोफेसर ऑफ हैल्थ पॉलिसी एंड इकोनोमिक्स, बल्वेतनिक स्कूल ऑफ गवर्नमेंट, यूनिवर्सिटी ऑफ ऑक्सफोर्ड, यूनाईटेड किंग्डम।

सुश्री ईशर जज, अहलूवालिया, अध्यक्ष, बोर्ड ऑफ गवर्नर्स, इंडियन काउंसिल फॉर रिसर्च ऑन इन्टरनेशनल इकोनोमिक रिलेशन्स, नई दिल्ली।	डॉ. नचीकेत मोर, अध्यक्ष, सुगहवजू स्वास्थ्य केन्द्र, चेन्नई।	सुश्री किरण वासुदेव, भा.रा. सेवा (सेवानिवृत्त), पूर्व महानिदेशक, राष्ट्रीय प्रत्यक्ष कर अकादमी, छिन्दवाड़ा रोड, नागपुर।
श्री अजय कुमार, निदेशक (तकनीकी), नॉर्थ इस्ट सेंटर फॉर टेक्नोलोजी एप्लीकेशन एंड रिसर्च (एनईसीटीएआर), नई दिल्ली।	श्री संजीव नायर, महानिदेशक, नॉर्थ इस्ट सेंटर फॉर टेक्नोलोजी एप्लीकेशन एंड रिसर्च (एनईसी टीएआर), नई दिल्ली।	श्री सी.के. मिश्रा, अपर सचिव स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग, भारत सरकार, नई दिल्ली।
डॉ0 राजेन्द्र डोभाल, महानिदेशक, उत्तराखंड राज्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद (यूसीओएसटी), देहरादून।	श्री आनंद शेखर, टीम लीडर ग्लोबल सैनीटेशन फन्ड ऑफ इंडिया, नई दिल्ली।	डॉ0 अजय शाह, प्रोफेसर, राष्ट्रीय सार्वजनिक वित्त एवं नीति संस्थान, नई दिल्ली।
डॉ0 के. सलीम अली, भा.पु. सेवा (सेवानिवृत्त), मानद निदेशक, सेन्टर फॉर कोचिंग एंड कैरियर प्लानिंग, जामिया मिलिया इस्लामिया, जामिया नगर, नई दिल्ली 110025	लेफ्टीनेंट जनरल एस.ए. हसनैन (सेवानिवृत्त), पी.वी.एस.एन., यूवाईएसएम, एवीएसएम, एसएम (बार), वीएसएम (बार), गुड़गांव, हरियाणा।	सुश्री राधिका पांडे, परामर्शदाता, राष्ट्रीय सार्वजनिक वित्त एवं नीति संस्थान, नई दिल्ली
श्री शुभो रॉय, परामर्शदाता, राष्ट्रीय सार्वजनिक वित्त एवं नीति संस्थान, नई दिल्ली	श्री सहाना रॉय चौधरी, परामर्शदाता, राष्ट्रीय सार्वजनिक वित्त एवं नीति संस्थान, नई दिल्ली	श्री के. विजय कुमार, भा.पु. सेवा (सेवानिवृत्त), वरिष्ठ सुरक्षा सलाहकार, गृह मंत्रालय, नई दिल्ली
श्री अशोक चावला, अध्यक्ष, सीसीआई, नई दिल्ली	श्री प्रतीक दत्त, परामर्शदाता, राष्ट्रीय सार्वजनिक वित्त एवं नीति संस्थान, नई दिल्ली	प्रोफेसर अचिन विनायक, एस–314–पंचशिला पार्क, नई दिल्ली 1100017
डॉ0 के.पी. कृष्णन, डीजी एवं ए.एस, आर्थिक कार्य विभाग, वित्त मंत्रालय, नई दिल्ली।	सुश्री अनुराधा डालमिया, निदेशक, नेशनल इन्स्टीट्यूट ऑफ विजूअली हैन्डीकैप्ड (एनआईवीएच), देहरादून।	श्री अनिरुद्ध बर्मन, परामर्शदाता, राष्ट्रीय सार्वजनिक वित्त एवं नीति संस्थान, नई दिल्ली।
डॉ0 बी. सुंदर, अध्येता (पीएचडी अर्थशास्त्र), आईआईएम अहमदाबाद, संयुक्त निदेशक एवं संकाय	श्री शेखर हरी कुमार, परामर्शदाता, राष्ट्रीय सार्वजनिक वित्त एवं नीति संस्थान, नई दिल्ली।	डॉ0 रिंकू लाम्बा, सहायक प्रोफसर, सेंटर फॉर पॉलिटिकल स्टडीज, स्कूल ऑफ सोसल साइंसेज, जवाहर
श्री कुशाग्र प्रियदर्शी, परामर्शदाता, राष्ट्रीय सार्वजनिक वित्त एवं नीति संस्थान, नई दिल्ली	डॉ0 अशोक गुलाटी, चेयर प्रोफेसर, कृषि, इंडियन कांउसिल फॉर रिसर्च एंड इंटरनेशनल इकोनोमिक रिलेशन (आईसीआरईआर), नई दिल्ली	श्री जे.एस. दीपक, भा.प्र. सेवा, अपर सचिव, वाणिज्य विभाग, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली
डॉ0 वलैरियन रॉड्रिग, प्रोफेसर, सेंटर फॉर पॉलिटिकल स्टडीज, स्कूल ऑफ सोसल साइंसेज, जवाहर लाल नेहरू यूनिवर्सिटी, नई दिल्ली।	श्री चंद्रभान प्रसाद, मेंटर, दलित इंडियन चैंबर ऑफ इंडियन इंडस्ट्री, पुणे।	सुश्री वीणा उपाध्याय, भा.प्र. सेवा, (सेवानिवृत्त), विशेषज्ञ, राष्ट्रीय नवोन्मेष परिषद, नई दिल्ली।
श्री गुरचरण दास, प्रबंध सलाहकार एवं लेखक, नई दिल्ली।	डॉ0 रिंकू लाम्बा, सहायक प्रोफसर, सेंटर फॉर पॉलिटिकल स्टडीज, स्कूल ऑफ सोसल साइंसेज, जवाहर लाल नेहरू यूनिवर्सिटी, नई दिल्ली।	डॉ0 कृष्णा मेनन, सहायक प्रोफेसर, राजनीति विज्ञान विभाग, लैडी श्री राम कॉलेज, नई दिल्ली।

श्री अवनीश के. अवस्थी, संयुक्त सचिव, डिपार्टमेंट ऑफ डिसएबिलिटी अफेयर्स, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय, नई दिल्ली	सुश्री रेणुका सेन, आईएसआई, नई दिल्ली	श्री मंसूर खान, ज्वाइंट कंट्रोलर, डिफेंस अकाउंट (एअर फोर्स) एंड फाइनेंसियल एडवाइजर (डीआरडीओ), देहरादून

पाठ्यक्रम समन्वयक की टिप्पणियां

भूटान के प्रशिक्षणार्थियों सहित 12 विभिन्न सेवाओं के 282 अधिकारियों के साथ 89वें आधारिक पाठ्यक्रम की यात्रा का आरंभ किया। प्रशिक्षणार्थियों को अधिकारी सदृश गुणों तथा प्रवृत्तियों को प्राप्त करने में सक्षम बनाने और संघभाव को आत्मसात करने के लिए उन्हें जेंडर सेवा तथा क्षेत्र जैसे परिवर्तनशील परिस्थितियों पर समूहबद्ध, पुनः समूहबद्ध तथा क्रमबद्ध किया गया ताकि वे एक तो अल्प समय एवं दूसरा पाठ्यक्रम टीम की दो प्रतिकूल परिस्थितियों में चुनौतीपूर्ण कार्यों को निष्पादित कर सके।

यद्यपि इन्होंने कक्षा में आचार नीति, शिष्टाचार तथा नेतृत्व की बुनियादी जानकारी प्राप्त की तथापि ये अन्य स्थानों के अलावा रूप कुंड तथा रुपिन पास की कठिन ऊंचाइयों सहित कैम्पटी फॉल, बिनोग हिल तथा लाल टिब्बा के लघु ट्रेकों के दौरान खराब मौसम और घातक जोंक से भी झूजते रहे। यद्यपि इन्होंने विभिन्न अन्य विधाओंके अलावा विधि, लोक प्रशासन तथा अर्थशास्त्र की गहन पढ़ाई की तथापि वे भारत दिवस समारोह के दौरान सूक्ष्म जगत अर्थात भारत की संस्कृति और परंपराओं को इस मंच पर प्रदर्शित करने के लिए देर रात तक कठिन परिश्रम करते रहे।आईसीटी लैब सत्रों में नए युग की सूचना प्रोद्यौगिकी के बारे में उनकी कौशलता को निखारा गया जबकि भारत के गांवों के भ्रमण कार्यक्रम से शुरूआती स्तर पर प्रशासन की वास्तविकताओं को समझने का अवसर मिला।

भारतीय प्रशासनिक सेवा व्यावसायिक पाठ्यक्रम चरण–I (2013 बैच)
(16 दिसंबर, 2013 से 13जून, 2014 तक)

पाठ्यक्रम समन्वयक	श्रीमती जसप्रीत तलवार, उपनिदेशक वरिष्ठ
सह–पाठ्यक्रम समन्वयक	डॉ0 प्रेम सिंह, उपनिदेशक (वरि0) श्रीमती निधि शर्मा, उपनिदेशक (वरि0) श्री सौरभ जैन, उपनिदेशक श्री मनस्वी कुमार, उपनिदेशक
लक्ष्य समूह के लिए कार्यक्रम	भा.प्र. सेवा अधिकारी प्रशिक्षणार्थी
विदाई संबोधन	श्री राजीव कपूर, निदेशक
प्रतिभागियों की कुल संख्या	181(पुरुष–128, महिला – 53)

भा.प्र. सेवा चरण–I (2013–15 बैच) के प्रतिभागियों का ब्योरा परिशिष्ट – 5 में संलग्न है।

लक्ष्य

- एक प्रभावी सिविल सेवक बनने के लिए अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों के ज्ञान, कौशल तथा मनोभावों में वृद्धि करना।
- आचार – नीति एवं विकासात्मक प्रशासन से संबंधित लर्निंग एक्सपियरेंस से अवगत करना।

पाठ्यक्रम के उद्देश्य

भा0प्र0 सेवा व्यावसायिक पाठ्यक्रम चरण– । समाप्त होने पर, अधिकारी प्रशिक्षणार्थी निम्नलिखित कार्य करने में सक्षम होंगे।

- अखिल भारतीय परिप्रेक्ष्य में हमारी उभरती सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक – विधिक प्रवृत्तियों से अवगत होना, भा0प्र0 सेवा की उभरती भूमिका एवं अन्य सेवाओं के साथ अपनी प्रशासनिक जिम्मेदारियों को समझना।
- सेवा (कैरियर) के पहले दशक में निम्न क्षेत्रों में प्रशासनिक उत्तरदायित्वों का निर्वाह करने के लिए आवश्यक ज्ञान तथा कौशल प्राप्त करना :

- विधि एवं विधिक कार्यवाहियां
- प्रशासनिक नियम, प्रक्रियाएं तथा कार्यक्रम दिशानिर्देश
- आधुनिक प्रबंधन साधन तथा
- आर्थिक विश्लेषण
- अपनी प्रशासनिक एवं सांस्कृतिक लोकाचार की बेहतर समझ के लिए आवंटित राज्य की क्षेत्रीय भाषा में कुशलता सिद्ध करना।
- आवंटित राज्य की सांस्कृतिक तथा सामाजिक – आर्थिक पृष्ठभूमि को समझना।
- अंतर्वैयक्तिक तथा संगठनात्मक दोनों संदर्भों में लिखित/मौखिक संप्रेषण कौशल का प्रभावी प्रदर्शन करना।
- उचित मूल्यों एवं मनोभावों का प्रदर्शन करना।
- शारीरिक स्वस्थता को बनाए रखना।
- ''शीलम परम भूषणम्'' की भावना पर दृढ़ रहना।

पाठ्यक्रम की रूपरेखा

चरण–I कार्यक्रम की पाठ्यक्रम रूपरेखा ज्ञान एवं विषय वस्तु के संदर्भ सोच–समझ कर सामान्य बनायी गई है। अध्ययन, शिक्षा, खेल–कूद तथा मनोरंजन को पर्याप्त स्थान देते हुए यहां अधिकारी प्रशिक्षणार्थी में ज्ञान, कौशल तथा मनोभावों का एक ऐसा परिवेश तैयार किया जाता है जिससे वे कार्यक्षेत्र तथा पहल दोनों में भावी उत्तरदायित्वों को उठा पाने में सक्षम होंगे जो कि काफी चौंकाने वाली तथा पेचीदगी भरी होती है।

26 सप्ताह का भा0प्र0 सेवा व्यावसायिक पाठ्यक्रम, चरण–I 2013 बैच 16 दिसंबर, 2013 को प्रारंभ हुआ तथा 13 जून, 2014 को समाप्त हुआ था। इसमें दो मुख्य घटक थे:–

- शीतकालीन अध्ययन भ्रमण एवं ब्यूरो ऑफ पार्लियामेन्टरी स्टडीज एण्ड ट्रेनिग 21 दिसंबर, 2013 से 21 फरवरी, 2014 तक हुआ था)।
- 3 मार्च, 2014 से 13 जून, 2014 तक ऑन कैंपस प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रारंभ हुआ।

शैक्षणिक विषय

ऑन कैंपस शैक्षणिक प्रशिक्षणकार्यक्रम 3 मार्च, 2014 को आरंभ हुआ था। हालांकि ''भारतीय प्रशासकि सेवा (अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों की अंतिम परीक्षा) विनिमय, 1955'' के अंतर्गत निर्धारित पाठ्यक्रम एक आधारिक पाठ्यक्रम है, तथापि भा0प्र0 सेवा के अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों के प्रशिक्षण की आवश्यकताओं में परिवर्तन करने के लिए समुचित संशोधन किए गए है। शैक्षणिक मॉड्यूल विषयवार तैयार किए जाते हैं जिसमें अलग–अलग कार्य के ऐसे विषय शामिल किए जाते हैं जो विभिन्न कार्य–क्षेत्रों में भा0प्र0 सेवा के अधिकारियों को करना होता है। इसमें विधि, अर्थशास्त्र, राजनैतिक सिद्धांत तथा संविधान, भाषा एवं आई.सी.टी. के व्यापक सत्र आयोजित किए गए। अपनाई गई प्रशिक्षण कार्य–प्रणाली में अन्य बातों के साथ–साथ मिश्रित व्याख्यान, प्रकरण अध्ययन परिचर्चा, सेमीनार, पैनल चर्चा, आदेश लेखन अभ्यास, मूट कोर्ट तथा मॉक ट्रायल, मेनेजमेंट गेम तथा रोल प्लेसमूह अभ्यास, फिल्म, क्षेत्रीय तथा आउटडोर भ्रमण कार्यक्रम शामिल है।

भा0प्र0 सेवा के अधिकारियों को संवर्ग भाषा में राज्य दस्तावेज प्रस्तुत करना होता है। जबकि इस कार्य समनुदेशन (असाइनमेंट) की हार्ड कॉपी अंग्रेजी में उपलब्ध करनी होती है। चरण– । के आई.सी.टी. मॉड्यूल को इस तरह से बनाया गया ताकि अधिकारी प्रशिक्षणार्थी विशेष रूप से जिले में कंप्यूटरीकरण प्रणाली के कंप्यूटरीकरण में शामिल अवधारणाओं/विषयों, प्रौद्योगिकी में नवोन्मेष, वेब डिजाइन, क्लाइंट/सर्वर इत्यादि से अवगत हों। इसके पीछे यह उद्देश्य था कि अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों को ''कंप्यूटर प्रोफेशनल बनाना नहीं बल्कि उन्हें वास्तविक जीवन के कार्य परिवेश में तकनीकी क्षमताओं से अवगत कराना है।

प्रशिक्षणर्थियों को सम्बोधित करने के लिए विभिन्न क्षेत्रों से अनेक विशेषज्ञ क्षेत्रों से अनेक विशेषज्ञ एवं ख्याति प्राप्त व्यक्तियों को आमंत्रित किया गया।

प्रख्यात अतिथि वक्ता

प्रो. अनिल के. गुप्ता, आई.आई.एम. अहमदाबाद।	श्री चंद्रकांत बी. कैम्बल, आयुक्त, म्यूनिसिपल एडमिनिस्ट्रेशन, चेन्नई।	श्री आशुतोष एटी पेडनेकर, जिला कलेक्टर, उदयपुर, राजस्थान।

सुश्री श्रुतिप्रिया डालमिया, सेन्ट्रल स्क्वायर फाउंडेशन, नई दिल्ली।	श्री राहुल सिंह, राज्य परियोजना निदेशक, सर्व शिक्षा अभियान बिहार शिक्षा परियोजना परिषद, पटना।	श्री पी. मधुसूदन रेड्डी, सब–कलेक्टर, पेरमबलूर, तमिलनाडु
श्री धुलाज अप्पाओ बलप्पा, उपायुक्त (जीएडी), नागपुर, महाराष्ट्र	श्री आकाश त्रिपाठी, जिला कलेक्टर, इंदौर, मध्य प्रदेश	श्री कार्तिक अडप्पा, अपर सचिव (स्वास्थ्य) पंजाब सरकार, चंडीगढ़
श्री मनोज सिन्हा, सह–संस्थापक, सीएसओ, हस्क पावर सिस्टम	सुश्री सोनल मिश्रा, आयुक्त, रोजगार एवं प्रशिक्षण आयुक्तालय, गांधी नगर, गुजरात	श्री अमित गुप्ता, विशेष सचिव, मुख्य मंत्री, लखनऊ, उत्तर प्रदेश।
श्री प्रत्युष प्रासन, एस.पी.पी. आर्किटेक्ट्स एंड डिजाइनर्स, गुड़गांव।	श्री पंकज कुमार, भा.प्र. सेवा, जिला मजिस्ट्रेट, अलीगढ़, उत्तर प्रदेश।	श्री रोहन ठाकुर, उपायुक्त, हमीरपुर, हिमाचल प्रदेश।
श्री जे.बी. राजन, सहायक प्रोफेसर, प्लानिंग मैनेजमेंट डेवलपमेंट केरल इंस्टीट्यूट ऑफ लोकल एडमिनिस्ट्रेशन त्रिसूर।	श्री भुवनेश कुमार, भा.प्र. सेवा, सचिव, व्यावसयिक शिक्षा एवं कौशल विकास विभाग, लखनऊउत्तर प्रदेश सरकार।	श्री बी. चंद्रशेखर, भा.प्र. सेवा, कलेक्टर एवं डी.एम., जिला झाबुआ, मध्य प्रदेश ।
श्री आशीष गुप्ता, भा.पु. सेवा, पुलिस महानिरीक्षक (एस.टी.एफ.) उत्तर प्रदेश सरकार, लखनऊ।	श्री संदीप राय राठौर, भा.पु. सेवा, महानिरीक्षक, एनडीआरएफ एवं सीडी, नई दिल्ली।	श्री आर्मस्ट्रॉन्ग पाम, भा.प्र. सेवा, संयुक्त सचिव, ट्राईबल डेवलपमेंट एंड हिल्स, मणिपुर सरकार, इम्फाल।
श्री मोहम्मद शयीन, भा.प्र. सेवा, उपायुक्त, चंडीगढ़।	श्री अनिल के. सिन्हा, भा.प्र. सेवा (सेवानिवृत्त), उपाध्यक्ष, बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, पटना, बिहार।	श्री शाह फैजल, भा.प्र. सेवा, जिला मजिस्ट्रेट, जिला–बांदीपोरा, जम्मू एवं कश्मीर।
श्री कशिश मित्तल, भा.प्र. सेवा, ए.डी.सी., चंडीगढ़।	श्री मार्टिन मैकवेन, मानव अधिकार कार्यकर्ता, अहमदाबाद, गुजरात	सुश्री राधिका एम. अलकाजी, सामाजिक कार्यकर्ता/संस्थापक निदेशक अर्थ आस्था।
श्री मिलिंद कैम्बल, अध्यक्ष, दलित इंडियन चैम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री, पुणे।	सुश्री प्रियो लाल, प्रमुख, विशेष शिक्षा, राफेल, देहरादून।	श्री प्रवीन परदेशी, प्रधान सचिव, राजस्व एवं वन विभाग, महाराष्ट्र सरकार, मुंबई।
श्री वजाहत हबिबुल्लाह, भा.प्र. सेवा (सेवानिवृत्त)	श्री राम पुनियानी, पूर्व प्रोफेसर, बायो मेडिकल इंजीनियरिंग एंड बायो टेक्नोलोजी, मुंबई।	श्री चंडी प्रसाद भट्ट, सामाजिक कार्यकर्ता, दसोली ग्राम, स्वरोज्य मंडल, गोपेश्वर–चमोली, उत्तराखंड
श्री प्रसन्ना कुमार पिंचा, मुख्य आयुक्त, निशक्तजन, सामाजिक न्याय एवं सशक्तिकरण मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली	श्री अनीश अंधेरिया, निदेशक, वन्य जीव संरक्षण ट्रस्ट, मुंबई।	श्री प्रवीर पांडेय, सदस्य (वित्त), इनलैंड वाटर वेज ऑथोरिटी ऑफ इंडिया, जहाजरानी मंत्रालय, भारत सरकार, नोएडा।
श्री हरीश कुमार, श्रीवास्तव, निदेशक (बजट), आर्थिक कार्य विभाग, वित्त मंत्रालय, नई दिल्ली।	श्री सुमित बोस, भा.प्र. सेवा (सेवानिवृत्त) सी–1/41, बापा नगर, नई दिल्ली।	सुश्री प्रियंका कोचर, एसोसिएट फेलो एंड एरिया कंवेनर सस्टेनेबल, हैबिटेट डिविजन, टैरी एंड प्रोग्राम मैनेजर आदर्श, नई दिल्ली।

श्री संजय आर. भूसरेड्डी, संयुक्त सचिव (एपीएफ), पशुपालन, दुग्ध एवं मतस्य पालन विभाग, कृषि मंत्रालय, नई दिल्ली।	श्री संजीव चोपड़ा, भा.प्र. सेवा, संयुक्त सचिव, कृषि एवं सहकारिता विभाग, कृषि मंत्रालय, नई दिल्ली।	श्री आशीष शर्मा, भा.प्र. सेवा, प्रबंध निदेशक, महाराष्ट्र स्टेट पावर जेनरेशन कंपनी लिमिटेड, मुंबई।
प्रो. श्रीनिवास चैरी वेदाला एडमिनिस्ट्रेटीव स्टाफ कॉलेज ऑफ इंडिया, हैदराबाद।	श्री जी. श्रीकांत, भा.प्र. सेवा, नगर निगम आयुक्त, नांदेड़ वघाला नगर निगम, नांदेड़ महाराष्ट्र।	श्री रत्नाकर पाणिग्राही, निदेशक, सिद्ध डेवलपमेंट रिसर्च एंड कंसलटैंसी (पी) लिमिटेड, भुवनेश्वर, (ओडिशा)
श्री बी.एस. बासवान, भा.प्र. सेवा (सेवानिवृत्त), ई–12/1, सवंत विहार, नई दिल्ली।	प्रो. जगन शाह, निदेशक राष्ट्रीय शहरी कार्य संस्थान, नई दिल्ली।	डॉ0 मनींदर कौर द्विवेदी, भा.प्र. सेवा, निदेशक माध्यमिक शिक्षा, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली।
श्री कबीर वाजपेयी, प्रिंसिपल आर्किटेक्ट, विन्यास सेंटर फॉर आर्किटेक्चरल रिसर्च एंड डिजाइन, नई दिल्ली।	श्री ए.पी.एम. मोहम्मद हनीश, भा.प्र. सेवा, प्रबंध निदेशक, केरल सड़क एवं पुल निर्माण निगम लिमिटेड कोच्ची।	सुश्री वंदना कृष्णा, भा.प्र. सेवा, महानिदेशक एवं प्रधान सचिव, बाल स्वास्थ्य एवं पोषण मिशन, महाराष्ट्र सरकार, मुंबई।
डॉ0 कणव काहोल, टीम लीडर अफोर्डेबल हेल्थ टैक्नोलोजीज, पब्लिक हैल्थ फाउंडेशन ऑफ इंडिया, नई दिल्ली।	श्री गुरकीरत कृपाल सिंह, भा.प्र. सेवा, मुख्य मंत्री के विशेष प्रधान सचिव, पंजाब सरकार, चंडीगढ़।	डॉ0 प्रियांक शुक्ला, भा.प्र. सेवा, मुख्य कार्यकारी अधिकारी, जिला पंचायत, राजनंद गांव, छत्तीसगढ़।
श्री संजय जाजू, भा.प्र. सेवा, सचिव, सूचना प्रौद्योगिकी एवं संचार, आंध्र प्रदेश सरकार, हैदराबाद।	सुश्री सौजन्या, भा.प्र. सेवा, संयुक्त निर्वाचन अधिकारी, उत्तराखंड सरकार, देहरादून।	सुश्री कविता भाटिया, अपर निदेशक (सुशासन), संचार एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी विभाग, नई दिल्ली।
श्री नीरज खेरवाल, भा.प्र. सेवा, अपर सचिव (स्वास्थ्य), उत्तराखंड सरकार, देहरादून।	श्री जॉन किंग्सले, संयुक्त निदेशक, प्रवर्तन निदेशालय, कोच्ची।	श्री गौरव द्विवेदी, भा.प्र. सेवा, निदेशक, सूचना प्रौद्योगिकी विभाग, नई दिल्ली।
श्री बिराज पटनायक, प्रधान सलाहकार, सुप्रीम कोर्ट कमिश्नरीज कार्यालय, नई दिल्ली।	श्री बिनोद जुत्शी, संयुक्त सचिव, भारतीय निर्वाचन आयोग, नई दिल्ली।	डॉ0 एस.एस. मिनाक्षीसुंदरम, भा.प्र. सेवा (सेवानिवृत्त), कार्यपालक उपाध्यक्ष, एमवाईआरएडीए, बंग्लोर।
श्री मनीक राज, राज्य समन्वयक, एनआरएलएम, ग्राम विकास मंत्रालय, नई दिल्ली।	डॉ0 एम.एन. राय, भा.प्र. सेवा, (सेवानिवृत्त), सदस्य, एक्पर्ट कमिटी ऑन इंप्रूविंग डिलिवरी ऑफ गुड्स सर्विसेज बाई पंचायत, कोलकाता।	सुश्री सुमन रावत, भा.प्र. सेवा, मुख्य कार्यपालक अधिकारी, ओसमानाबाद, महाराष्ट्र।
श्री टी.विजय कुमार, भा.प्र. सेवा संयुक्त सचिव, ग्राम विकास मंत्रालय, ग्राम विकास विभाग, भारत सरकार, नई दिल्ली।	श्री भीम सिंह, मुख्य कार्यपालक अधिकारी, जिला पंचायत, कांकेर, छत्तीसगढ़।	सुश्री योगिता राणा, राज्य समन्वयक, एनआरएलएम, ग्राम विकास मंत्रालय, नई दिल्ली।
श्री मार्क शॉटलैंड, निदेशक, प्रशिक्षण, जे–पाल, एमआईटी।	श्री शैजाद हसन, रिसर्च फैलो, सेंटर फॉर इक्विटी स्टडीज, नई दिल्ली।	श्री नवीन नरायण, एक्शन एड, नई दिल्ली।

डॉ0 सुलतान सिंह, वरिष्ठ वैज्ञानिक, हरियाणा स्पेस एप्लिकेशन सेंटर, हिसार, हरियाणा।	डॉ0 ए. संतोष मैथ्यू, भा.प्र. सेवा, संयुक्त सचिव, ग्राम विकास मंत्रालय, ग्राम विकास विभाग, नई दिल्ली।	श्री गैरी बैंक्स, चेयरमैन, प्रोडक्टिविटी कमिश्नर, आस्ट्रेलिया।
डॉ0 बी. पोनुराज, भा.प्र. सेवा, मुख्य मंत्री के संयुक्त सचिव, संचार, सर्वेक्षण बंदोबस्त एवं भू–अभिलेख, कर्नाटक सरकार, बंग्लोर।	श्री प्रभात कुमार सारंगी, भा.प्र. सेवा, संयुक्त सचिव, भूमि राजस्व विभाग, ग्राम विकास मंत्रालय, नई दिल्ली।	श्री प्रभु दयाल मीणा, भा.प्र. सेवा, विशेष सचिव, भूमि संसाधन विभाग, ग्राम विकास मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली।
श्री बी.बी. श्रीवास्तव, भा.प्र. सेवा (सेवानिवृत्त), पूर्व सचिव, भारत सरकार, नई दिल्ली।	श्री दीपक अग्रवाल, भा.प्र. सेवा, मानव संसाधन विकास राज्य मंत्री के निजी सचिव, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली।	श्री एस.के.दास, भा.प्र. सेवा, (सेवानिवृत्त), ग्रासरूट्स रिसर्च एंड एडवोकेसी मूवमेंट, मैसूर, कर्नाटक।
डॉ0 सी. अशोक वर्धन, भा.प्र. सेवा, (सेवानिवृत्त), चेयरमैन एवं सदस्य राजस्व बोर्ड, मुख्य सचिवालय, पटना।	श्री कृष्ण प्रसाद, मुख्य संपादक आउटलुक, नई दिल्ली।	डॉ0 हर्ष मन्दर, कंवेनर अमन बिरादरी एंड सेंटर फॉर इक्विटी स्टडीज, नई दिल्ली।
श्री पवन गुप्ता, निदेशक, एसआईडीएच, मसूरी।	श्री निखिल डे, सामाजिक कार्यकर्ता, मजदूर किसान शक्ति संगठन राजसमंद, राजस्थान।	डॉ0 ज्ञानेंद्र डी. बडगैंया, रिसर्च फैलो, यू. एन.यू.–वाईडर, हेल्सिंकी, फिनलैंड।
डॉ0 शबाहट अजीम, भा.प्र. सेवा, सीईओ, ग्लोबल हैल्थ केयर सिस्टम्स लिमिटेड, कोलकाता।	श्री जे.डी. शीलम, माननीय राज्य वित्त मंत्री (राजस्व), भारत सरकार, वित्त मंत्रालय, नई दिल्ली।	श्री आशीष गुप्ता, भा.प्र. सेवा, पुलिस महा–निरीक्षक स्पेशल टास्किंग फोर्स, लखनऊ, उत्तर प्रदेश सरकार
श्री भुवनेश कुमार, भा.प्र. सेवा, सचिव, व्यावसायिक शिक्षा एवं कौशल विकास विभाग, लखनऊ, उत्तर प्रदेश सरकार।	श्री पंकज यादव, भा.प्र. सेवा, जिला मजिस्ट्रेट, अलीगढ़, उत्तर प्रदेश।	

पाठ्यक्रम समन्वयक की टिप्पणी

चरण–I पाठ्यक्रम दिनांक 16 दिसंबर, 2013 को 181 अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों के साथ शुरू हुआ जो यकीनन भा.प्र. सेवा के इतिहास में अब तक का सबसे बड़ा बैच है। इनमें से 178 अधिकारी प्रशिक्षणार्थी भा.प्र. सेवा के तथा 3 रॉयल भूटान सिविल सेवा के थे। पाठ्यक्रम की रचना लगभग तीन बृहद, घटकों में की गई है जिसमें 16 सप्ताह का परिसर में कक्षा आधारित प्रशिक्षण तथा मूल्यांकन, 8 सप्ताह का शीतकालीन अध्ययन भ्रमण तथा संसदीय प्रक्रियाओं तथा कार्यवाहियों पर एक सप्ताह का प्रशिक्षण शामिल है।

26 सप्ताह के इस पाठ्यक्रम में कक्षीय विषयों में लगभग 300 घंटे लगे जिसमें हम लोक प्रशासन के 144 सत्र, विधि के 30 सत्र भाषा के 20, प्रबंधन के 45, अर्थशास्त्र के 30 तथा आईसीटी के 10 सत्र कवर करने में सफल रहे।

पाठ्यक्रम में समकालीन भारत के सामाजिक–राजनैतिक वर्णनों में विभिन्न स्टेकहोल्डरों के बीच भा.प्र. सेवा की धारणाओं पर सप्ताह भर का मॉड्यूल बनाया गया : जिसमें विशिष्ट नौकरशाहों, मीडिया के प्रतिनिधि, राजनैतिक कार्यपालिका तथा सिविल सोसाइटी के सदस्य शामिल हुए।

तत्पश्चात अधिकारी प्रशिक्षणार्थी शीतकालीन अध्ययन भ्रमण के जरिए हमारे देश की विशालता तथा विविधता को समझने के लिए दो महीने की लंबी यात्रा पर निकले जिसे भारत दर्शन के नाम से जाना जाता है।

शीतकालीन अध्ययन दौरे में तीनों सशस्त्र बलों, प्रमुख सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रमों, कॉरपोरेट सेक्टर, गैर सरकारी संगठनों, जिला प्रशासन, द्वीप प्रशासन तथा वामपंथी अतिवादीयों और बलवा प्रभावित क्षेत्रों के साथ व्यापक संबद्धताएं की गई। अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों को डायरी–के रूप में तथा यात्रा वृतांत के रूप में अपने अनुभवों तथा विचारों को दर्ज करना होता है।

शीतकालीन अध्ययन भ्रमण की समाप्ति पर, संसदीय अध्ययन तथा प्रशिक्षण ब्यूरों के साथ उनकी संबद्धता के दौरान संवैधानिक गणमान्यों के साथ भेंट कराई जाती है तथा विचार–विनियम कराया जाता है। इस दौरान उनकी भेंट भारत के महामहिम राष्ट्रपति, माननीय उपराष्ट्रपति, सम्माननीय प्रधान मंत्री, कार्मिक राज्य मंत्री तथा कई अन्य विशिष्ट सांसदों से भेंट कराई जाती है। मंत्रिमंडल सचिव तथा भारत सरकार के चयनित सचिवों के साथ विचार–विनिमय कार्यक्रम बीपीएसटी संबद्धता का सबसे महत्वपूर्ण बिंदु है।

मार्च माह में अकादमी वापसी में व्याख्यान के महत्व तथा उसकी पद्धति के मामले में कक्षा से संबंधित विषय दोहराए जाते है ताकि उसे उपयोगी और रोचक बनाया जा सके। अर्थशास्त्र तथा विधि विषयों में सहवर्ती मूल्यांकन शुरू किया गया। प्रयुक्त किए गए शैक्षणिक विषयों में प्रकरण अध्ययन, सेमिनारों में समूह कार्य प्रस्तुति, आदेश लेखन तथा रोल प्ले शामिल किए गए।

पाठ्यक्रम में सीसीएल आधारित लीडरशिप मॉड्यूल के आगे के विकास कार्यक्रम को भी दिखाया गया जिसे जीआईजेड, जर्मनी की सहायता से सह–निर्मित लीडरशिप मॉडयूल के जरिए पिछले वर्ष सितंबर में आधारिक पाठ्यक्रम के दौरान इस समूह को बताया गया। इसमें इस बात पर ध्यान दिया गया कि प्रत्येक प्रशिक्षणार्थियों में आत्म नियंत्रण तथा आत्म–सुधार के लिए अधिकाधिक स्व–जागरूकता तथा गहन सोच का बोध हो।

निर्वाचन के विराट कार्य को संपन्न करने के लिए अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों को तैयार करने हेतु उन्हें अकादमी में ही रोल प्ले के जरिए निर्वाचन प्रबंधन में दो दिवसीय गहन प्रशिक्षण दिया गया, उसके बाद उन्हें संसदीय निर्वाचन के दौरान उत्तर प्रदेश राज्य में माइक्रों आब्जर्वर के रूप में निर्वाचन ड्यूटी में भेजा गया। इससे अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों को जमीनी वास्तविकताओं का अनुभव प्राप्त करने तथा विश्व के सबसे बड़े लोकतांत्रिक कार्य में छोटा ही सही, अपनी भूमिका निभाने का बड़ा अवसर मिला।

पाठ्यक्रम की संरचना में पुस्तक समीक्षा तथा राज्य सत्र आलेख के जरिए स्वाध्याय आधारित शिक्षा के आधारिक तत्व भी शामिल किए गए जिसे परामर्शी समूह बैठक (सीजीएम) में आबंटित संवर्ग की क्षेत्रीय भाषा में प्रस्तुत किया गया।

विभिन्न क्लबों तथा सोसाइटियों की शिक्षणेत्तर गतिविधियां बहुत ओजपूर्ण थी। यद्यपि अधिकारी क्लब ने विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन कर ख्याति प्राप्त की तथापि, राइफल तथा धनुर्विद्या क्लब ने शूटिंग का प्रभावी प्रदर्शन किया। साहसिक खेलकूद क्लब के तत्वावधान में रीवर राफ्टिंग का आयोजन किया गया। सोसाइटी फॉर कंटेम्परेरी अफेयर्स परिचर्चाओं, कैडर कैफे तथा अन्य बहुत सारे कार्यक्रमों के आयोजन में सक्रिय रहा। प्रबंधन मंडल ने अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों के लिए तरह–तरह के माइंड गेम्स का आयोजन किया जबकि ललित कला एसोशिएसन ने सालसा नृत्य तथा नियमित संगीत संध्या का आयोजन किया। गृह पत्रिका सोसाइटी ने सक्रिय रूप से सबसक्राइब्ड ब्लॉग का प्रकाशन किया जबकि कंप्यूटर सोसाइटी ने लैपटॉप मरम्मत में अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों की सहायता की तथा एंटी वायरस साफ्टवेयर लगाया। किसी से पीछे न रहने वाले समाज सेवा सोसाइटी ने समीप के विद्यालयों में नियमित वृहस्पतिवार की चिकित्सा सेवा तथा परामर्शी सेवा का आयोजन करके सराहनीय कार्य किया।अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों ने 4 क्षेत्रीय दिवस का आयोजन करके अपनी विविध प्रतिभाओं का प्रदर्शन किया।

पहली खासियत विकास अर्थशास्त्र पर मूक लर्निंग (Mook learning) तथा एमआईटी के द्वारा फ्लिप्ड क्लास रूम (flipped classroom) के प्रयोग की शुरूआत करना है। प्रतिभागियों को कुछ ऐसे शैक्षणिक विषयों की जानकारी दी गई जिन्हें विश्व के कुछ उत्कृष्ट शैक्षणिक संस्थानों में दी जा रही है।अप्रैल में पहली इंटर सर्विसेज मीट 'संगम' की मेजबानी की गई।संगम में ला.ब.शा.रा.प्र.अ. के अलावा केन्द्रीय प्रशिक्षण संस्थानों के 9 तथा अन्य अकादमियों के 164 अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों ने भाग लिए जिसमें कई प्रतियोगी कार्यक्रम आयोजित किए गए।

भारतीय प्रशासनिक सेवा व्यावसायिक पाठ्यक्रम चरण–II (2012 बैच)

(30 जून, 2014 से 22 अगस्त, 2014 तक)

पाठ्यक्रम समन्वयक	डॉ0 प्रेम सिंह, उपनिदेशक (वरि0)
सह–पाठ्यक्रम समन्वयक	श्री अभिषेक स्वामी, उपनिदेशक (वरि0) श्री मनस्वी कुमार, उपनिदेशक डॉ0 ए.एस. रामचंद्र, प्रोफेसर
कार्यक्रम का लक्ष्य समूह	भा0प्र0 सेवा के अधिकारी प्रशिक्षणार्थी
प्रतिभागियों की कुल सं0	170 (पुरुष 138, महिलाएं 32)
विदाई संबोधन	श्री राजीव कपूर, निदेशक

भा.प्र. सेवा चरण–II (2012–14 बैच) के प्रतिभागियों का ब्योरा परिशिष्ट–6 में संलग्न है।

लक्ष्य

भा0प्र0 सेवा व्यावसायिक पाठ्यक्रम चरण–II में अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों को व्यापक विषयों का गहन प्रशिक्षण दिया जाता है ताकि वे पहले पांच साल की सेवा में विभिन्न तरह के कार्य भार संभालने में सक्षम हो सके।

पाठ्यक्रम के उद्देश्य

- जिला प्रशिक्षण के दौरान प्राप्त व्यक्तिगत तथा सामुहिक अनुभवों के विश्लेषण और उसकी मीमांसा के लिए संरचित दृष्टिकोण अपनाना।
- राजनीतिक अर्थशास्त्र, सार्वजनिक सेवा वितरण प्रणाली, विधि एवं प्रबंध में सैद्धांतिक और व्यावहारिक ज्ञान देना।
- प्रशासनिक, प्रबंधकीय तथा आईसीटी कौशल में निखार लाना।
- संवर्ग की क्षेत्रीय भाषा में दक्षता हासिल करना।
- नेतृत्व भूमिका के लिए प्रगतिशील मूल्यों एवं प्रवृत्तियों को अपनाना तथा उस पर अमल करना।
- श्रेष्ठ अंतर्राष्ट्रीय कार्यों की जानकारी प्रदान करना।
- अधिकारियों को उत्तम स्वास्थ्य एवं उच्च स्तरीय स्वास्थ्य को बनाए रखने के लिए प्रोत्साहित करना।
- सक्रिय परिसरीय जीवन के माध्यम से बैच के अंदर सौहार्द एवं एकता का विकास करना।

पाठ्यक्रम की रूपरेखा

भा0प्र0 सेवा व्यावसायिक पाठ्यक्रम चरण–प्पें पाठ्यक्रम की ऐसी रूपरेखा तैयार करने का प्रयास किया जाता है कि अधिकारी अपनी प्रवृत्ति, ज्ञान तथा कौशल के संदर्भ में अपनी कार्य क्षमता का अनुभव कर सके। इस पाठ्यक्रम की रूपरेखा आधारिक पाठ्यक्रम तथा भा0प्र0 सेवा व्यावसायिक पाठ्यक्रम चरण–I से काफी अलग है, इसमें प्रशासनिक सिद्धांत, प्रारंभिक कौशलता तथा विकास योजनाओं की समीक्षा की बुनियादी जानकारी देने पर ध्यान दिया जाता है। जिलों में 54 सप्ताहों के अनुभव के बाद ये अधिकारी जब अकादमी में वापस आते हैं तो उन्हें विधि प्रकरणों के जिला असाइनमेंट तथा चयनित गांव/शहरी असाइनमेंट की प्रस्तुति देनी होती है।

पाठ्यक्रम में ऐसे विषय शामिल किए गए हैं जो सार्थक, संगत तथा प्रशिक्षण पूरा करने के बाद तत्काल कार्य स्थितियों में लागू हो। इस प्रशिक्षण में लोक प्रशासन, अर्थशास्त्र, प्रबंधन, विधि, आईसीटी तथा भाषा इत्यादि पर सत्र शामिल किए गए। इस पाठ्यक्रम में आंतरिक एवं बाह्य दोनों ही वक्ताओं द्वारा प्रशिक्षण प्रदान किए गए। संकाय सदस्य नोट्स, असाइनमेंट्स, अध्ययन सामग्री, केस अध्ययन इत्यादि साझा करते हैं।

प्रशिक्षणर्थियों को सम्बोधित करने के लिए विभिन्न क्षेत्रों से अनेक विशेषज्ञ क्षेत्रों से अनेक विशेषज्ञ एवं ख्याति प्राप्त व्यक्तियों को आमंत्रित किया गया।

प्रख्यात अतिथि वक्ता

डॉ0 समित शर्मा, भा.प्र. सेवा, चरण–III, के प्रतिभागी।	डॉ0 कृष्ण कुमार, भा.प्र. सेवा, उपाध्यक्ष, भुवनेश्वर विकास प्राधिकारी, ओडिशा।	श्री अमीत कटारिया, भा.प्र. सेवा चरण–III, के प्रतिभागी।
डॉ0 रोशन जैकब, भा.प्र. सेवा, कलेक्टर एवं डीएम, जिला कानपुर, उत्तर प्रदेश	श्री संजय गोयल, भा.प्र. सेवा, चरण–III, के प्रतिभागी।	श्री प्रशांत कुमार, भा.प्र. सेवा, बंदोबस्त अधिकारी, भू–राजस्व प्रबंधन एवं डीए, धनबाद, झारखंड।
डॉ0 संजीव चोपड़ा, भा.प्र. सेवा, संयुक्त सचिव एवं कंट्री डाएरेक्टर, नेशनल हॉर्टीकल्चर मिशन, कृषि भवन, नई दिल्ली।	श्री स्नेहिल कुमार, सीआईआई गुड़गांव	डॉ0 मनीषा परियम, सहायक प्रोफेसर, शिक्षा नीति, शैक्षिक योजना एवं प्रशासन विश्वविद्यालय, नई दिल्ली।
डॉ0 बी. सुंदर भा.व. सेवा, अध्येता, पीएचडी (अर्थशास्त्र), आईआईएम अहमदाबाद, संयुक्त निदेशक एवं संकाय (अर्थशास्त्र), आंध्र वन अकादमी संस्थान, हैदराबाद।	डॉ0 सरिता नागपाल, प्रधान सलाहकार, सीआईआई, गुड़गांव	श्री दिलीप सिमौन, चेयरमैन, अमन ट्रस्ट, नई दिल्ली।

श्री पी.के. शर्मा, भा.प्र. सेवा, अपर आयुक्त, एनडीएमसी, नई दिल्ली।	श्री दानिश अशरफ, भा.प्र. सेवा, एसडीएम, चंडीगढ़	श्री विवेक यादव, भा.प्र. सेवा, ज्वाइंट कलेक्टर एंड एडीएम, जिला – गुंटूर, आंध्र प्रदेश
श्री कशिश मित्तल, भा.प्र. सेवा, सब–डिविजिनल मजिस्ट्रेट (साउथ), चंडीगढ़ केन्द्रशासित प्रदेश, चंडीगढ़	श्री संदीप नंदूरी, भा.प्र. सेवा, कार्यकारी निदेशक, चेन्नई मेट्रो वाटर बोर्ड, तमिलनाडु।	श्री श्रीधर राजगोपाल, प्रबंध निदेशक, एजुकेशनल इनिशिएटिव्ज प्राइवेट लिमिटेड, अहमदाबाद।
सुश्री वंदना यादव, भा.प्र. सेवा, निदेशक, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय, उद्योग भवन, नई दिल्ली।	डॉ0 माधव चव्हान, मुख्य कार्यपालक अधिकारी, प्रथम, मुंबई एजुकेशन इनीशिएटिव, मुंबई।	श्री के.जी. वर्मा, संयुक्त सचिव (सेवानिवृत्त), कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग, नई दिल्ली।
श्री विजय किरण आनंद, भा.प्र. सेवा, जिला मजिस्ट्रेट, जिला फैजाबाद, उत्तर प्रदेश।	श्री एल.एन. पंत, अपर सचिव, (वित्त), उत्तराखंड सरकार, देहरादून।	डॉ0 नीलम सिंह, चर्च रोड इंदिरा नगर, लखनऊ।
डॉ0 नीरज खेरवाल, भा.प्र. सेवा, अपर सचिव, उत्तराखंड सरकार, देहरादून।	श्री मुकेश गौतम, प्रबंध निदेशक, सीड,उत्तर प्रदेश सरकार, लखनऊ।	श्री दिलीप जावलकर, भा.प्र. सेवा, अपर सचिव, लोक निर्माण विभाग एवं वित्त, उत्तराखंड सरकार, देहरादून।
श्री दीपक अग्रवाल, भा.प्र. सेवा विशेष सचिव उत्तर प्रदेश सरकार, लखनऊ।	श्री एन. रविचंद्रन, आईआईएम, अहमदाबाद।	श्री एल.एन. पंत, अपर सचिव, (वित्त), उत्तराखंड सरकार, देहरादून।
श्री जॉन फोरेट्टा, एमआईटी	प्रोफेसर ली ग्रेंड, लंदन स्कूल ऑफ इकोनोमिक्स लंदन।	श्री जासमीन शाह, एमआईटी
श्री जॉन किंग्सले, भा.प्र. सेवा, संयुक्त निदेशक प्रवर्तन, कोचीन क्षेत्र प्रवर्तन निदेशालय, वित्त मंत्रालय, भारत सरकार।	श्री टी.आर. रघुनंदन, भा.प्र. सेवा, (सेवानिवृत्त), बैंग्लोर।	श्री हर्ष मन्दर, भा.प्र. सेवा, (सेवानिवृत्त), विशेष आयुक्त, सर्वोच्च न्यायालय, नई दिल्ली।
श्री ग्यानेन्द्र डी. बड़गैयां, भा.प्र. सेवा, (सेवानिवृत्त), यूएनडीपी, नई दिल्ली।		

पाठ्यक्रम समन्वयक की टिप्पणियां

2012 बैच का चरण–II पाठ्यक्रम 30 जून, 2014 को आरंभ हुआ जब अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों ने एक वर्ष के जिला प्रशिक्षण के बाद अकादमी में पुनः कार्यभार ग्रहण किया। इसमें 170 प्रखर बुद्धि एवं उत्साही अधिकारी प्रशिक्षणार्थी थे जिसमें 167 भारतीय प्रशासनिक सेवा से तथा 3 रॉयल भूटान सिविल सेवा के अधिकारी प्रशिक्षणार्थी थे।

चरण–II कार्यक्रम में विगत के कई कार्यक्रमों में बदलाव किया गया। ये परिवर्तन पिछले चरण–II कार्यक्रमों से प्राप्त फीडबैक तथा विगत के कुछ बैचों से मांगे गए विस्तृत फीडबैक के आधार पर किए गए। इनमें से एक बदलाव विधि का संशोधित प्रारूपतथा डीएपी प्रजेंटेशन था। पुनरावृत्ति से बचने के लिए अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों को विशिष्ट विषयों पर प्रस्तुती देनी थी।विधि प्रस्तुतियों में विशिष्ट धाराओं के बारे में जानकारी दी गई, संकाय सदस्य इनका ग्रेड निर्धारित करते हैं, तत्पश्चात इन प्रस्तुतियों से जानकारी प्राप्त करने पर बल दिया जाता है।

पाठ्यक्रम टीम ने जन वितरण प्रणाली (पीडीएस), स्वास्थ्य, शिक्षा, ग्रामीण विकास तथा संस्थानों के पांच व्यापक विषयों पर ''विकास अर्थशास्त्र की अवधारणाएं'' भी आरंभ की।इन विषयों पर प्रकरणों के माध्यम से चर्चा की गई जिसमें अधि.प्रशि. ने विकास अर्थशास्त्र के सिद्धांतों को लेकर समसामयिक विकास के विषयों की प्रासंगिकता का पता लगाने के लिए 6/7 के समूह में कार्य किया। यह मॉड्यूल वैश्विक गरीबी की चुनौतियों से संबंधित एमआईटी पाठ्यक्रम पर आधारित था।

अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों के लिए लीडरशिप पर दो दीवसीय मॉड्यूल का आयोजन किया गया जो वस्तुतः किसी के वैल्यू बेस को समझने और व्यक्तिगत मूल्यों एवं सिविल सेवाओं की व्यापक मूल्यों को बढ़ावा देने का एक प्रयास है।

तत्कालीन कुछ वरिष्ठ अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों के साथ केन्द्रित विषयों पर पारस्परिक विचार विमर्श करने के लिए प्रभावी एसडीओ, प्रभावी सीईओ/जि.प., प्रभावी एमसी तथा प्रभावी डीएम विषयों पर चार सेमिनार आयोजित किए गए। यह सेमिनार अधिकारियों द्वारा फील्ड में किए गए नवोन्मेषों पर तैयार किया गया था तथा जटिल माहौल में इन कार्यों को निपटाने की चुनौतियों पर भी चर्चा की गई थी।

पाठ्यक्रम टीम ने कक्षाओं से बाहर भी अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों के अनुभवों को बांटने के लिए अधिकाधिक समय देने का पूरा प्रयास किया।

इस कार्यक्रम के भाग के रूप में अधिकारीप्रशिक्षणार्थियों को एक सप्ताह के सिंगापुर अध्ययन दौरे के लिए भेजा गया। इस अध्ययन दौरे का आयोजन सिविल सर्विस कालेज, सिंगापुर ने किया था तथा यह दौरा कार्यक्रम शैक्षणिक विषयों तथा फील्ड भ्रमण का बढ़िया मिश्रण था। शैक्षणिक विषयों में सुशासन की बुनियादी बातों से लेकर विचारों को कार्य रूप में परिणत करने के विषयः– आधुनिकीकरण की दिशा में सिंगाापुर की यात्रा, लैंडयूज प्लानिंग के लिए सिंगापुर के मास्टर प्लान का सिंहावलोकन, सिंगाापुर में जन आवास, आर्थिक विकास और परिवर्तन तथा जन सेवा वितरण शामिल किए गए।

समूह ने कक्षा के विषयों के अलावा बाह्य कार्यकलापों तथा सायंकालीन कार्यक्रमों में अत्यधिक रूचि दिखाई तथा सप्ताहांत में व्यस्त कार्यक्रम होते थे। इसमें मैनेजमेंट गेम, प्रश्नोत्तरी, डी जे नाइट्स, संगीत संध्या, फोटोग्राफी प्रतियोगिता, चलचित्र प्रदर्शन, लाल टिब्बा तथा नागटिब्बा तक ट्रैक, धनौल्टी तक साइकिल चालन, इफ्तार पार्टी, चिर स्थायी कोलाज के सृजन में अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों ने अत्यधिक उत्साह दिखाया। खेल के मैदान में भी इन्होंने कई खेलों में भाग लिया – चरण–प्टकेसाथ गिली क्रिकेट, बैडमिंटन प्रतियोगिता में अत्यधिक भीड़ रही तथा चरण–प्प्ए प्टतथा हैप्पी वैली क्लब के सदस्यों ने बढ़चढ़ कर हिस्सा लिया। 20 अगस्त को हुए अंतिम सास्कृतिक कार्यक्रम में उनकी कलात्मक प्रतिभा की झलक दिखाई दी।

प्रबंध मंडल ने एक दूसरे से जुड़े रहने तथा उपयोगी सूचना का आदान प्रदान करने के लिए बैच के लिए एक पोर्टल बनाया। उन्होंने ''बेस्ट गवनेंश प्रैक्टिसेस'' का लिंक'' जीओवी एलएबी'' नामक पोर्टल भी बनाया। इसमें इस वर्ष के शुरू के सम्मेलन के दौरान प्रस्तुत नवोन्मेष शामिल हैं तथा ये सभी नवोन्मेष आधारिक पाठ्यक्रम, चरण–I तथा II के दौरान प्रस्तुत किए गए।

भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों के लिए मध्यावधि प्रशिक्षण कार्यक्रमः चरण–III (8वां दौर)
(18 अगस्त से 10 अक्टूबर, 2014 तक)

पाठ्यक्रम समन्वयक	श्रीमती रंजना चोपड़ा, संयुक्त निदेशक
सह–पाठ्यक्रम समन्वयक	श्रीमती जसप्रीत तलवार, संयुक्त निदेशक डॉ0 राम कुमार कांकाणी, प्रोफेसर
कार्यक्रम का लक्ष्य समूह	7–9 वर्ष की वरिष्ठता वाले भा.प्र. सेवा अधिकारी (2000, 2001, 2002, 2003, 2004, 2005, 2006 के बैच)
प्रतिभागी पुरुषों/महिलाओं का ब्योरा	कुल 101 (पुरुष 86, महिलाएं 15) पिछले बैच के 4 प्रतिभागियों सहित
विदाई संबोधन	सुश्री निर्मला सीतारमण, राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय तथा वित्त एवं कार्पोरेट कार्य राज्य मंत्री।

भा.प्र. सेवा चरण– III (8वां दौर) के प्रतिभागियों का ब्योरा परिशिष्ट–7 में संलग्न है।

पाठ्यक्रम का परिचय

कार्यक्रम का उद्देश्य अधिकारियों को सार्वजनिक नीति निर्माण के क्षेत्र में आने वाले कार्यों के लिए तैयार करना एवं उसका व्यापक क्रियान्वयन करना था। परियोजना मूल्यांकन एवं पीपीपी के लिए अवधारणाओं, विधियों तथा कौशलताओं का प्रयोग करना।

इसमें शासन के मुख्य क्षेत्रों में उनके ज्ञान का अद्यतन करने का भी प्रयास रहता है।

कार्यक्रम के उद्देश्य :

चरण–III कार्यक्रम का उद्देश्य प्रतिभागियों को निम्नलिखित कार्य के लिए सक्षम बनाना है:–

- कार्यक्रम का प्रतिपादन एवं उसका प्रभावी कार्यान्वयन सुनिश्चित करने के लिए उन्हें तैयार करना।
- वैश्विक एवं राष्ट्रीय स्तर पर राजनीतिक अर्थव्यवस्था में सामयिक विकास का मूल्यांकन करना।
- सार्वजनिक सेवा वितरण तंत्र की रूपरेखा तैयार करना तथा उसमें सुधार लाना।
- कार्यक्रम/परियोजना प्रतिपादन तथा उसकी अवधारणाओं, विधियों और कौशलता का उपयोग करना तथा कार्यक्रम क्रियान्वित करना।
- कार्य क्षेत्र में ज्ञान का विस्तार करना।
- संप्रेषण, अंतः वैयक्तिक क्षमता तथा टीम–निर्माण की कौशलता को बढ़ाना और शासन में मूल्य–प्रधानता को समझना।

पाठ्यक्रम की रूपरेखा

सप्ताह 1 तथा 2	1. परियोजना समीक्षा : • वित्तीय प्रबंधन की मूलभूत बातें • माइक्रो–इकोनोमिक्स, परियोजनाओं की वित्तीय एवं आर्थिक समीक्षा 2. विषय सूची तैयार करना 3. जेंडर एवं बाल अधिकार
सप्ताह 3	सार्वजनिक निजी भागीदारी (पीपीपी)
सप्ताह 4	1. लीडरशिप 2. ग्राम विकास एवं कृषि
सप्ताह 5 एवं 6	कोरिया विकास संस्थान के सहयोग से दक्षिण कोरिया के लिए विदेश अध्ययन भ्रमण।
सप्ताह 7	1. स्वास्थ्य 2. शिक्षा 3. साहित्यिक समारोह
सप्ताह 8	लोक वित्त

विदेश अध्ययन दौरे की रूपरेखा

चरण–III कार्यक्रम में प्रतिभागियों ने दो सप्ताह के विदेश अध्ययन भ्रमण के लिए दक्षिण कोरिया का दौरा किया। दौरे का उद्देश्य देश के विकास की प्रत्यक्ष विवेचना करना था जिसे बीसवीं सदी के मध्य किस तरह से भारत में लागू किया गया था। यह देश की नीतियों तथा विभिन्न क्षेत्रों में विकास की रणनीतियों का विहंगावलोकन करने और भारतीय संदर्भ में उनके उपयोग की व्यवहार्यता की जांच करने का एक अवसर था।

इस दौरे का आयोजन कोरिया विकास संस्था (केडीआई), सिओल के सहयोग से किया गया।

प्रख्यात अतिथि वक्ता

श्री अजय शाह, प्रोफेसर, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ पब्लिक फाइनेंस एंड पॉलिसी, नई दिल्ली।	श्री के.पी. कृष्णन, अपर सचिव, आर्थिक कार्य विभाग, वित्त मंत्रालय, नई दिल्ली।	श्री पदमवीर सिंह, पूर्व निदेशक, ला.ब.शा.रा. प्र.अ. मसूरी
डॉ0 प्रताप भानू मेहता, अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यपालक, सेंटर फॉर पॉलिसी रिसर्च, नई दिल्ली।	श्री शेखर गुप्ता, उपाध्यक्ष एवं मुख्य संपादक, इंडिया टुडे ग्रुप, नई दिल्ली	श्री अंकुर गर्ग, भा.प्र. सेवा, उपायुक्त, साउथ दिल्ली, नई दिल्ली
श्री दीपक सानन, भा.प्र. सेवा, प्रधान सचिव, कृषि एवं पशुपालन, हिमाचल प्रदेश सरकार	श्री के.जी. वर्मा, संयुक्त सचिव (सेवानिवृत्त), कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग, नई दिल्ली	सुश्री वृंदा ग्रोवर, अधिवक्ता, सर्वोच्च न्यायालय, नई दिल्ली
सुश्री फ्लविया एग्नेस, निदेशक, एमएजेएलआईएस (एनजीओ), मुंबई, महाराष्ट्र	सुश्री ऑद्रे डी.मेलो, प्रोग्राम निदेशक, एमएजेएलआईएस (एनजीओ), मुंबई, महाराष्ट्र	श्री हर्ष मन्दर, विशेष आयुक्त, सर्वोच्च न्यायालय, नई दिल्ली
डॉ0 एस.एस. संधु, भा.प्र. सेवा, अध्यक्ष, यूपीसीएल एवं सचिव (ऊर्जा एवं पर्यटन), उत्तराखंड सरकार, देहरादून	श्री अनुज दयाल, कार्यपालक निदेशक (कॉरपोरेट कम्यूनिकेशन्स), दिल्ली मेट्रो रेल कॉरपोरेशन लिमिटेड, नई दिल्ली	श्री के. वेंकटेश, मुख्य कार्यकारी एवं प्रबंध निदेशक, एल. एंड टी. इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट प्रोजेक्ट्स लिमिटेड, चेन्नई
श्री चेरियन थॉमस, मुख्य कार्यकारी अधिकारी, आईडीएफसी फाउंडेशन, नई दिल्ली	श्री शंकर अग्रवाल, भा.प्र. सेवा सचिव, शहरी विकास मंत्रालय, नई दिल्ली	डॉ0 बिमल पटेल, भा.प्र. सेवा निदेशक, एचसीपी डिजाइन, प्लानिंग एंड मैनेजमेंट प्राइवेट लिमिटेड, अहमदाबाद
श्री श्रीकांत विश्वनाथन, समन्वयक एआरसीवी, जनाग्रह सेंटर फॉर सिटिजनशिप एंड डेमोक्रेसी, बैंगलोर	डॉ0 एस.एस. मीनाक्षी, सुंदरम, भा.प्र. सेवा (सेवानिवृत्त), पूर्व सचिव, भारत सरकार, बैंगलौर	श्री एस.एम. विजयआनंद, भा.प्र. सेवा, अपर सचिव, ग्राम विकास विभाग, भारत सरकार, नई दिल्ली
श्री आर. सुब्रह्मणयम, भा.प्र. सेवा, संयुक्त सचिव, ग्राम विकास मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली	श्री चिंगमेककेजॉन्ग, सचिव, एल्यूथ्रस क्रिश्चियन सोसाइटी, तेंसेंग, नागालैंड	डॉ0 अशोक गुलाटी, चेयर प्रोफेसर, कृषि, इंडियन काउंसिल फॉर रिसर्च ऑन इंटरनेशनल इकोनोमिक रिलेसन्स, नई दिल्ली
सुश्री स्वेता सैनी, परामर्शदाता, कृषि नीति एवं व्यापार (आईसीआरआईईआर – जेडईएफ प्रोजेक्ट), नई दिल्ली	श्री संजीव चोपड़ा, भा.प्र. सेवा, ज्वाइंट सेक्रेटरी एंड कंट्री डायरेक्टर, नेशनल हॉर्टीकल्चर मिशन, कृषि मंत्रालय, नई दिल्ली	महामहिम, राजदूत, कोरिया गणतंत्र
डॉ0 सबाहत अजीम, ग्लोबल हैल्थ केयर सिस्टम्स प्राइवेट लिमिटेड, न्यू टाउन, कोलकाता	श्री एस.सी. पांडा, भा.प्र. सेवा, अपर सचिव, एएस एंड एफए, कार्मिक, लोक शिकायत एवं पेंशन मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली	सुश्री वंदना कृष्णा, भा.प्र. सेवा महानिदेशक, राजमाता जिजौ मदर–चाइल्ड, हेल्थ एंड न्यूट्रिशन मिशन, महाराष्ट्र सरकार
श्री राकेश गुप्ता, भा.प्र. सेवा, सचिव, हेल्थ एण्ड मिशन डायरेक्टर, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, हरियाणा, हरियाणा सरकार, हरियाणा	सुश्री वृंदा स्वरूप, भा.प्र. सेवा, अपर सचिव, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली	डॉ0 मनीन्दर कौर द्विवेदी, भा.प्र. सेवा, निदेशक, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, विद्यालयी शिक्षा एवं साक्षरता विभाग, नई दिल्ली

श्री प्रवीन प्रकाश, भा.प्र. सेवा संयुक्त सचिव, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार, शास्त्री भवन, नई दिल्ली	श्री मनीष सभरवाल, अध्यक्ष एवं सह–संस्थापक, टीम लीज सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड, कोरामंगला, बैंगलोर	श्री कबीर वाजपेयी, प्रिंसिपल आर्किटेक्ट, वीआईएनवाईएएस, सेन्टर फॉर आर्किटेक्चरल रिसर्च एंड डिजाइन, नई दिल्ली
प्रोफेसर अनिल के. गुप्ता, संस्थापक हनीबी नेटवर्क, भारतीय प्रबंधन संस्थान, अहमदाबाद	डॉ0 सौरभ गर्ग, भा.प्र. सेवा संयुक्त सचिव, (वित्त योजना–II), वित्त मंत्रालय, व्यय विभाग, भारत सरकार, नई दिल्ली	श्री राजीव कुमार, भा.प्र. सेवा, संयुक्त सचिव (वित्त योजना–I), वित्त मंत्रालय, व्यय विभाग, भारत सरकार, नई दिल्ली
न्यायाधीश विभू बाखरू, कोर्ट नं. 16, दिल्ली उच्च न्यायालय, नई दिल्ली	डॉ0 आर.कविता राव, प्रोफेसर, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ पब्लिक फाइनेंस एंड पॉलिसी, नई दिल्ली	डॉ0 लेखा चक्रवत्ती, सहायक प्रोफेसर, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ पब्लिक फाइनेंस एंड पॉलिसी, नई दिल्ली
डॉ0 रोथिन रॉय, निदेशक, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ पब्लिक फाइनेंस एंड पॉलिसी, नई दिल्ली	डॉ0 अजय शाह, प्रोफेसर, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ पब्लिक फाइनेंस एंड पॉलिसी, नई दिल्ली	डॉ0 एन. आर. भानूमूर्ति, प्रोफेसर, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ पब्लिक फाइनेंस एंड पॉलिसी, नई दिल्ली
श्री संदीप वर्मा, भा.प्र. सेवा, उप महानिदेशक, भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण, नई दिल्ली	श्री राजेश अग्रवाल, भा.प्र. सेवा, प्रधान सचिव (आईटी), सूचना एवं प्रौद्योगिकी निदेशालय, महाराष्ट्र सरकार, मुम्बई	

पाठ्यक्रम फीडबैक–सत्रीय फीडबैक

सप्ताह	ला.ब.भा.रा.प्र.अ. संकाय*	अतिथि संकाय	कुल प्रतिशत
1.	85.62%	85.16%	85.53%
2.	83.59%	79.46%	82.14%
3.	86.10%	85.66%	85.97%
4.	90.20%	87.71%	88.58%
5. एवं 6.	विदेश अध्ययन भ्रमण	विदेश अध्ययन भ्रमण	84.00%
7.	92.54%	81.95%	84.60%
8.	-	83.70%	83.70%
कुल	87.61%	83.94%	84.93%

*पाठ्यक्रम ब्रिफिंग को छोड़कर कक्षा अभ्यास की समीक्षा, फीड बैक सत्र आदि अकादमी संकाय द्वारा लिए जाते हैं।

प्रतिभागियों का मूल्यांकन

- 03 अधिकारियों ने A+ ग्रेड प्राप्त किया।
- 51 अधिकारियों ने A ग्रेड प्राप्त किया।
- 44 अधिकारियों ने B ग्रेड प्राप्त किया।
- 03 अधिकारियों ने C ग्रेड प्राप्त किया।

पाठ्यक्रम समापन फीडबैक

पाठ्यक्रम के विषय में प्रतिभागियों द्वारा पाठ्यक्रम के अंत में दी गई फीडबैक का भारित औसत (पाठ्यक्रम की उपयोगिता, प्रशिक्षण अनुभव आदि के आधार पर) 93.91:था।

पाठ्यक्रम समन्वयक की टिप्पणियां

चरण–III में पहली बार लोक वित्त तथा लीडरशिप मॉड्यूल शुरू किया गया जिसकी प्रतिभागियों ने खूब प्रशंसा की। इसमें अपने–अपने कार्यक्षेत्रों में प्रतिभागियों द्वारा किए गए कुछ अच्छे पहलों को दिखाने के लिए मंच प्रदान करने का भी प्रयास किया गया। प्रतिभागियों ने कक्षा–परिचर्चाओं में अधिक सक्रियता से भाग लिया।

भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों के लिए मध्यावधि प्रशिक्षण कार्यक्रमः चरण–IV (9वां दौर)

(23 जून से 14 अगस्त, 2014 तक)

पाठ्यक्रम समन्वयक	श्री तेजवीर सिंह, संयुक्त निदेशक
सह–पाठ्यक्रम समन्वयक	श्रीमती निधि शर्मा, उपनिदेशक वरिष्ठ डॉ0 अमर के.जे.आर. नायक, प्रोफेसर, प्रबंधन
कार्यक्रम का लक्ष्य समूह	15–18 वर्ष की वरिष्ठता वाले भा.प्र. सेवा अधिकारी (1994,1996,1997,1998 तथा 1999 के बैच)
पुरुषों/महिलाओं का ब्योरा	कुल 57 (पुरुष 46, महिलाएं 11) पिछले बैच के 1 प्रतिभागी सहित
विदाई संबोधन	श्री बी. एस. बासवान, भा.प्र. सेवा (सेवानिवृत्त)

भा.प्र. सेवा चरण– IV (9वां दौर) के प्रतिभागियों का ब्योरा परिशिष्ट–8 में संलग्न है।

पाठ्यक्रम का परिचय

कार्यक्रम का उद्देश्य अधिकारियों को सार्वजनिक नीति निर्माण तथा विश्लेषण के क्षेत्र में आने वाले कार्यों के लिए तैयार करना था। नीति क्रियान्वयन तथा प्रयोग लोक प्रबंधन एवं नेतृत्व इसके मुख्य घटक हैं।

इसमें शासन के मुख्य क्षेत्रों में उनके ज्ञान का अद्यतन करने का भी प्रयास रहता है।

कार्यक्रम के उद्देश्य

प्रशिक्षण कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य प्रभावी तथा उत्तरदायी नीति निर्माता एवं कार्यक्रम प्रवर्तक बनने के लिए कार्यक्रम प्रबंधन में परिवर्तन लाने में अधिकारियों को सहयोग देना था। कार्यक्रम का लक्ष्य प्रतिभागियों में रणनीतिक प्रबंधन एवं नेतृत्व कौशल का निर्माण करना और राजनीतिक अर्थव्यवस्था का हल निकालने में उनकी सक्षमता बढ़ाना भी था।पाठ्यक्रम के अंत तक, प्रतिभागियों को निम्नलिखित कार्यों के माध्यम से सक्षम बनाया गया :–

- वैश्विक एवं राष्ट्रीय स्तर पर राजनीतिक अर्थव्यवस्था में समसामयिक विकास का मूल्यांकन करना।
- लोक नीति निर्माण, विश्लेषण तथा मूल्यांकन की प्रक्रिया को समझना।
- लोक नीति की प्रक्रिया के संदर्भ में ज्ञान को बढ़ानां
- नेतृत्व एवं वार्ता कौशलता को बढ़ाना तथा
- शासन में मूल्य प्रधानता को समझना।

पाठ्यक्रम की रूप रेखा

सप्ताह 1	लोक नीति की समझ
सप्ताह 2	नीति विश्लेषण एवं मूल्यांकन
सप्ताह 3	सार्वजनिक सेवा प्रदायगी
सप्ताह 4 तथा 5	कनाडा तथा फ्रांस में विदेश अध्ययन भ्रमण
सप्ताह 6	आर्थिक नीति, सार्वजनिक निजी सहभागिता तथा विनियमन
सप्ताह 7	सेक्टोरियल अपडेट्स, लीडरशिप तथा बातचीत
सप्ताह 8	परिप्रेक्ष्य निर्माण

अकादमी संकाय

श्री राजीव कपूर, श्री संजीव चोपड़ा, श्री दुष्यंत नरियाला, श्री तेजवीर सिंह, श्रीमती रंजना चोपड़ा, श्रीमती जसप्रीत तलवार, डॉ0 प्रेम सिंह, श्रीमती निधि शर्मा, श्री राम कुमार कांकाणी, डॉ0 अमर के.जे.आर. नायक।

अतिथि वक्ता

श्री पदमवीर सिंह, भा.प्र. सेवा, (सेवानिवृत्त), पूर्व निदेशक ला.ब.शा.रा.प्र. अकादमी, मसूरी।	श्री संजीव चोपड़ा, भा.प्र. सेवा, संयुक्त सचिव एवं कंट्री डाएरेक्टर, इंटीग्रेटेड मिशन ऑन हार्टीकल्चर, कृषि मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली।	डॉ0 सुमन सहाय, जीन कैम्पेन, नई दिल्ली।
श्रीमती अरूणा रोडरीग्स, सिविल सोसाइटी कार्यकर्ता, इंदौर, मध्य प्रदेश।	श्री शेखर गुप्ता, मुख्य संपादक, द इंडियन एक्प्रेस, नई दिल्ली।	माननीय न्यायाधीश श्री मदन बी. लोकुर, न्यायाधीश, सर्वोच्च न्यायालय, नई दिल्ली।
डॉ0 ज्ञानेन्द्र धर बड्गैयां, भा.प्र. सेवा, (सेवानिवृत्त), मुख्य अर्थशास्त्री, यूएनडीपी, नई दिल्ली।	डॉ0 जयप्रकाश नारायण, लोक सत्ता पार्टी, हैदराबाद।	डॉ0 डीन स्पेयर्स, पीएचडी, आरआईसीई इंस्टीट्यूट, नई दिल्ली।
डॉ0 मनीष कुमार, भा.प्र. सेवा, (सेवानिवृत्त), वाटर एंड सेनिटेशन प्रोग्राम, विश्व बैंक, नई दिल्ली।	श्री जोएप वरहेगन, वाटर एंड सेनिटेशन प्रोग्राम, विश्व बैंक, नई दिल्ली।	श्री एस.के. दास, भा.प्र. सेवा, (सेवानिवृत्त), पूर्व सलाहकार, इसरो, बैंग्लोर।
डॉ0 एन.सी. सक्सेना, भा.प्र. सेवा, (सेवानिवृत्त), पूर्व सचिव भारत सरकार।	श्री टी.आर. अघुनंदन, भा.प्र. सेवा, (सेवानिवृत्त), बैंग्लोर।	श्री जिम नीकेल, उप–उच्च आयुक्त कनाडा, नई दिल्ली।
श्री के.एल. शर्मा, संयुक्त सचिव, मंत्रिमंडल सचिवालय, नई दिल्ली।	प्रोफेसर जुलियन लीग्रेन्ड, रिचर्ड टिटमस, प्रोफेसर ऑफ सोशल पॉलिशी, लंदन स्कूल ऑफ इकोनोमिक्स एंड पोलिटिकल साइन्स, लंदन।	श्री अमरजीत सिन्हा, भा.प्र. सेवा, प्रधान सचिव, शिक्षा, बिहार सरकार, पटना।
प्रोफेसर शुभाशीष गंगोपाध्याय, निदेशक, स्कूल ऑफ ह्यूमेनेटिज एंड सोशल साइन्सेज, शिव नादर यूनिवर्सिटी, ग्रेटर नोएडा।	डॉ0 शालीनी रजनीश, प्रधान सचिव, प्रशासनिक सुधार विभाग, कर्नाटक सरकार, बैंग्लूरू।	डॉ0 राजेन्द्र कुमार, संयुक्त सचिव (ई–गवर्नेंश), डीईआईटीवाई, भारत सरकार, नई दिल्ली।
प्रोफेसर रोहिणी पांडे, मोहम्मद कमल प्रोफेसर ऑफ पब्लिक पॉलिशी, हार्वर्ड केनेडी स्कूल, कैमब्रीज (यूएसए)	डॉ0 चैरिटी ट्रोयर मूरे, एविडेंस फॉर पॉलिसी डिजाइन, हारवर्ड यूनिवर्सिटी, कैम्ब्रीज (यूएसए)	श्री हार्दिक शाह, सदस्य सचिव, गुजरात राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, गांधी नगर
श्री थ्योडोर स्वोरोनस, एविडेंस फॉर पॉलिसी डिजाइन, हारवर्ड यूनिवर्सिटी, कैम्ब्रीज (यूएसए)	डॉ0 अजय छिब्बर, महानिदेशक, स्वतंत्र मूल्यांकन कार्यालय, भारत सरकार, नई दिल्ली।	डॉ0 रोली अस्थाना, अंतर्राष्ट्रीय विकास विभाग (उत्तराखंड), भारत, नई दिल्ली।
डॉ0 वी. भास्कर, भा.प्र. सेवा, (सेवानिवृत्त), पूर्व अध्यक्ष, विद्युत नियामक आयोग, आंध्र प्रदेश सरकार, हैदराबाद।	डॉ0 वाई.वी. रेड्डी, अध्यक्ष, 14वें वित्त आयोग, भारत सरकार, दिल्ली।	डॉ0 के.पी. कृष्णन, भा.प्र. सेवा, अपर सचिव, आर्थिक कार्य विभाग, भारत सरकार, नई दिल्ली।

श्री विवेक अग्रवाल, भा.प्र. सेवा, मुख्य मंत्री के सचिव, मध्य प्रदेश सरकार, भोपाल।	डॉ0 रोथीन रॉय, निदेशक, एनआईपीएफपी, नई दिल्ली एवं सदस्य 7वां वेतन आयोग।	श्री चेरियन थॉमस, मुख्य कार्यकारी अधिकारी, आईडीएफसी फाउंडेशन, नई दिल्ली।
श्री ए. बालासुब्रह्मणयन, काउंसेल, ज्योति सागर एसोसिएट्स, चैन्नई।	श्री संदीप वर्मा, भा.प्र. सेवा, संयुक्त सचिव, यूआईडीएआई, नई दिल्ली।	श्री शिवराज सिंह चौहान, माननीय मुख्य मंत्री, मध्य प्रदेश सरकार, भोपाल।
श्री जे.एस. दीपक, भा.प्र. सेवा अपर सचिव, वाणित्य एवं उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली।	डॉ0 नचीकेत मोर, पूर्व अध्यक्ष, आईसीआईसीआई फाउंडेशन एण्ड मेम्बर ऑफ द हाई लेवल एक्सपर्ट ग्रुप ऑन यूनिवर्सल हैल्थ कवरेज।	डॉ0 विनोद पॉल, प्रोफेसर एवं प्रमुख, नौजात, बाल रोग विभाग, एआईआईएमएस, नई दिल्ली।
डॉ0 अभय बंग, सोसाईटी फॉर एजुकेशन, एक्शन एंड रिसर्च इन कम्युनिटी हैल्थ (सर्च), गढ़चिरौली, महाराष्ट्र।	श्री अंशु प्रकाश, भा.प्र. सेवा, संयुक्त सचिव, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग, भारत सरकार, नई दिल्ली।	प्रोफेसर कार्तिक मुरलीधरण, सहायक प्रोफेसर, अर्थशास्त्र, कैलिफॉर्निया यूनिवर्सिटी, सैंडिगो, यूएसए।
श्री जैसमिन शाह, जे–पाल साउथ एशिया, नई दिल्ली।	श्रीमती वृंदा सरूप, भा.प्र. सेवा, अपर सचिव, विद्यालयी शिक्षा विभाग, भारत सरकार, नई दिल्ली।	श्री अशोक ठाकुर, भा.प्र. सेवा, सचिव, उच्च शिक्षा विभाग, भारत सरकार, नई दिल्ली।
प्रोफेसर जेरोन जोसेफ, प्रोफेसर, भारतीय प्रबंधन संस्थान, अहमदाबाद।	श्री जे.एस. दीपक, भा.प्र. सेवा, अपर सचिव, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली।	डॉ0 नवरोज दबास, वरिष्ठ अध्येता, नीति अनुसंधान केन्द्र, नई दिल्ली।
श्री बिनोद राय, भा.प्र. सेवा, (सेवानिवृत्त), पूर्व भारतीय महालेखा परिक्षक।	डॉ0 दिलीप सिमौन, इतिहासकार एवं सामाजिक कार्यकर्ता, नई दिल्ली।	प्रोफेसर अरविंद पनगढ़िया, प्रोफेसर अर्थशास्त्र, कोलंबिया यूनिवर्सिटी, न्यू यार्क, यूएसए।
श्री जी. पार्थसार्थी, भा.वि. सेवा (सेवानिवृत्त), पूर्व सचिव, विदेश मंत्रालय, नई दिल्ली।	श्री गुरचरण दास, लेखक एवं कार्पोरेट रणनीतिकार, नई दिल्ली।	

पाठ्यक्रम फीडबैक–सत्रीय फीडबैक

सप्ताह	ला.ब.भा.रा.प्र.अ. संकाय*	अतिथि संकाय	कुल प्रतिशत
1.	87.63%	82.36%	85.13%
2.	89.90%	83.37%	84.91%
3.	87.37%	80.99%	81.34%
4. एवं 5.	विदेश अध्ययन भ्रमण	विदेश अध्ययन भ्रमण	विदेश अध्ययन भ्रमण
6.	90.49%	90.87%	90.70%
7.	96.21%	87.65%	91.07%
8.	95.41%	85.08%	87.14%
कुल	92.50%	85.29%	87.75%

*पाठ्यक्रम ब्रीफिंग को छोड़कर कक्षा अभ्यास की समीक्षा, फीड बैक सत्र आदि अकादमी संकाय द्वारा लिए जाते हैं।

भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों के लिए मध्यावधि प्रशिक्षण कार्यक्रमः चरण–V (8वां दौर)
(27अक्टूबर से 28 नवंबर, 2014 तक)

पाठ्यक्रम समन्वयक	श्री राजीव कपूर, निदेशक
सह–पाठ्यक्रम समन्वयक	श्री संजीव चोपड़ा, संयुक्त निदेशक श्री तेजवीर सिंह, संयुक्त निदेशक डॉ0 प्रेम सिंह, उपनिदेशक वरिष्ठ
कार्यक्रम का लक्ष्य समूह	27–30 वर्ष की वरिष्ठता वाले भा.प्र. सेवा अधिकारी (1984,1985,1986,1987 के बैच)
प्रतिभागी पुरुषों/महिलाओं का ब्योरा	कुल 98 (पुरुष 88, महिलाएं 10) पिछले बैच के 3 प्रतिभागियों सहित
विदाई संबोधन	श्री एस. के. दास ''पूर्व सचिव (वित्त), भारत सरकार''

भा.प्र. सेवा चरण–V (8वां दौर) के प्रतिभागियों का ब्योरा परिशिष्ट–9 में संलग्न है।

पाठ्यक्रम का परिचय

कार्यक्रम का उद्देश्य अधिकारियों को सार्वजनिक नीति निर्माण तथा विश्लेषण के क्षेत्र में आने वाले कार्यों के लिए तैयार करना था। नीति क्रियान्वयन तथा प्रयोग, लोक प्रबंधन एवं नेतृत्व इसके मुख्य घटक है। इसमें शासन के मुख्य क्षेत्रों में उनके ज्ञान का अद्यतन करने का भी प्रयास रहता है।

लक्ष्य

रणनीति निर्धारण तथा इसके क्रियान्वयन में प्रभावी परिवर्तन लाने के लिए 26 से 28 वर्ष की सेवा पूरी कर चुके अधिकारियों को तैयार करना।

कार्यक्रम के उद्देश्य

- भावी चुनौतियों का सामना करने के लिए नीतियों के निर्धारण के उद्देश्य से वैश्विक तथा राष्ट्रीय योजना तैयार करना।
- अन्तः क्षेत्रीय नीति निर्धारण के महत्व को समझना तथा कार्यान्वित करना।
- अपने कार्य परिवेश में प्रभावी लीडरशिप प्रदान करना।
- नीति निर्धारण के लिए आवश्यक सेवा नेटवर्क को सुदृढ़ बनाना तथा कार्यान्वित करना।

पाठ्यक्रम की रूपरेखा

- पहला तथा दूसरा सप्ताह – शासन संबंधी वैश्विक परिदृश्य – न्यू यॉर्क तथा वाशिंग्टन डी.सी. यू.एस.ए.
- तीसरा, चौथा तथा पांचवां सप्ताह – भारत का उभरता नीति परिवेश तथा वर्तमान नीतिगत चुनौतियां। इसमें विशेषज्ञों द्वारा व्याख्यान दिए गए, प्रतिभागियों द्वारा नीतिगत आलेख तैयार किए गए, उनकी समीक्षा तथा प्रस्तुति की गई।

पाठ्यक्रम की सप्ताहवार योजना

सप्ताह 1 तथा 2	न्यू यॉर्क तथा वाशिंग्टन डी.सी.,अमेरिका में शासन पर वैश्विक योजना
सप्ताह 3,4 तथा 5	अकादमी में भारत की उभरती नीति परिवेश तथा वर्तमान नीतिगत चुनौतियां। यह जानकारी विशेषज्ञों की वार्ताओं तथा प्रतिभागियों द्वारा लिखे जाने वाले नीति विषयक सारों के माध्यम से दिया जाएगा।

विदेश अध्ययन भ्रमण की रूपरेखा

न्यूयॉर्क एवं वाशिंगटन डी.सी. अमेरिका में चरण –V के लिए विदेश अध्ययन भ्रमण का आयोजन अकादमी ने बिना किसी संस्थागत सहयोग के किया। अकादमी ने शैक्षणिक एवं प्रशासनिक क्षेत्र के प्रख्यात वक्ताओं के व्याख्यान की व्यवस्था की जिन्होंने शासन के जटिल मुद्दों पर अलग–अलग दृष्टिकोण रखे। इससे प्रतिभागियों को उभरती हुई वैश्विक वास्तविकताओं और बड़े रुझानों के बृहद् एवं गहन दृष्टिकोण अपनाने के लिए विश्व के कुछ उत्कृष्ट विद्वानों से बात–चीत करने का अवसर प्रदान किया।

प्रख्यात अतिथि वक्ता

विदेश अध्ययन भ्रमण :

श्री ध्यानेश्वर एम. मूले, भा.वि. सेवा, कौंसल जनरल ऑफ इंडिया, कौंसलेट जनरल ऑफ इंडिया, न्यू यार्क ।	प्रोफेसर जैफरी डी. सैश, डायरेक्टर, द अर्थ इंस्टीट्यूट, कोलंबिया यूनिवर्सिटी, न्यू यार्क।	प्रोफेसर पॉल रोमर, प्रोफेसर, इकोनोमिक्स, न्यू यार्क यूनिवर्सिटी, स्टर्न स्कूल ऑफ बिजनेस ।
प्रोफेसर, श्लोमो (सॉली), एडजंक्ट प्रोफेसर एंड सीनियर रिसर्च स्कॉलर, स्टर्न ऑरबेनाइजेशन प्रोजेक्ट, न्यू यार्क	श्री रॉबर्ट बकले, सीनियर फैलो, ग्रेजुएट प्रोग्राम इन इंटरनेशनल अफेयर्स, द न्यू स्कूल।	श्री अजय बंगा, सीईओ, मास्टरकार्ड
श्री हेड्रिक वांग, चीफ इकोनोमिस्ट, मास्टरकार्ड	सुश्री अलेसिया लेफेबुरे, एडजंक्ट असिस्टेंट प्रोफेसर, स्कूल ऑफ इन्टरनेशनल एंड पब्लिक अफेयर्स, कोलंबिया यूनिवर्सिटी, न्यू यार्क।	प्रोफेसर अरविंद पनगरिया, जगदीश एन. भगवती, प्रोफेसर ऑफ इंडियन पोलिटिकल इकोनोमी, डिपार्टमेंट ऑफ इंटरनेशनल एंड पब्लिक अफेयर्स, कोलंबिया यूनिवर्सिटी, न्यू यार्क।
प्रोफेसर माइकल कोहेन, प्रोफेसर इंटरनेशनल अफेयर्स एंड डायरेक्टर, द न्यू स्कूल, यूनिवर्सिटी, न्यू यार्क।	प्रोफेसर रोहिणी पांडे, मोहम्मद कमल, प्रोफेसर ऑफ पब्लिक पॉलिसी, हार्डवर्ड केनेडी स्कूल।	प्रोफेसर आसिम आई, ख्वाजा, सुमीटोमो फाउंडेशन, प्रोफेसर ऑफ पब्लिक पॉलिसी, हार्डवर्ड केनेडी स्कूल।
श्री जिष्णु दास, लीड इकोनोमिस्ट, डेवलपमेंट रिसर्च ग्रुप वर्ल्ड बैंक।	प्रोफेसर लैंट प्रिचेट, प्रोफेसर ऑफ इंटरनेशनल डेवलपमेंट प्रेक्टिस, हार्डवर्ड केनेडी स्कूल।	सुश्री रेमा हन्ना, एसोसिएट प्रोफेसर ऑफ पब्लिक पॉलिसी, हार्डवर्ड केनेडी स्कूल।
श्री माइकल कैलेन, प्रोफेसर ऑफ पब्लिक पॉलिसी, हार्डवर्ड केनेडी स्कूल।	श्री गौतम राव, सहायक प्रोफेसर, अर्थशास्त्र, हार्डवर्ड यूनिवर्सिटी।	श्री निकोलस रेयान, सहायक प्रोफेसर, अर्थशास्त्र, येल यूनिवर्सिटी।
प्रोफेसर एश्ले टेलिस, सीनियर एसोसिएट एट द कार्नेगी इंडोमेंट फॉर इंटरनेशनल पीस, वाशिंगटन।	प्रोफेसर प्रणब बर्धन, प्रोफेसर, यूनिवर्सिटी ऑफ कैलिफोर्निया, बर्कले।	प्रोफेसर आशुतोष वार्ष्णेय, डाएरेक्टर, ब्राउन–इंडिया इनिशिएटिव, ब्राउन यूनिवर्सिटी।
सुश्री निशा बिसवाल, असिस्टेंट सक्रेटरी ऑफ स्टेट फॉर साउथ एंड सेंट्रल एशियन अफेयर्स, यू.एस. डिपार्टमेंट	प्रोफेसर मोहम्मद कमल, प्रोफेसर ऑफ पब्लिक पॉलिसी, हार्वर्ड कनैडी स्कूल।	

अंतर्देशीय अतिथि वक्ता :

श्री पियूष गोयल, माननीय विद्युत राज्य मंत्री, (स्वतंत्र प्रभार), भारत सरकार।	श्री गोपाल कृष्ण गांधी, पश्चिम बंगाल के पूर्व राज्यपाल तथा अध्यक्ष, कला क्षेत्र फाउंडेशन, चेन्नई।	श्री दिपांकर गुप्ता (सेवानिवृत्त), जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली।
डॉ0 अशोक गुलाटी, चेयर प्रोफेसर, कृषि, इंडियन काउंसिल फोर रिसर्च ऑन इकोनोमिक रिलेशन्स (आईसीआर आईएआर), नई दिल्ली।	श्री टी. नंदकुमार, अध्यक्ष, राष्ट्रीय दुग्ध विकास बोर्ड, आनंद, गुजरात।	श्री जोआचिम वॉन ब्राउन, डाएरेक्टर, जेडईएफ, यूनिवर्सिटी ऑफ बॉन।

डॉ0 नचिकेत मोर, चेयरमैन, सुघवाजह्वु हेल्थ केयर, चेन्नई।	श्री विजय महाजन, संस्थापक एवं अध्यक्ष, बैसिक्स इंडिया, नई दिल्ली।	डॉ0 बिमल पटेल, निदेशक, योजना एवं प्रबंधन प्राइवेट लिमिटेड, अहमदाबाद।
श्री एलैन बर्तौड़, 166 फोरेस्ट रोड, यू.एस. ए.।	श्री स्कॉट राइटॉन, सीटी मैनेजर, लवासा कार्पोरेशन लिमिटेड, पुणे।	सुश्री ईशर जज अहलुवालिया, अध्यक्ष, बोर्ड ऑफ गवर्नर्स, इंडियन काउंसिल फॉर रिसर्च ऑन इंटरनेशनल इकोनोमिक रिलेशन्स, नई दिल्ली।
डॉ0 के श्रीनाथ रेड्डी, अध्यक्ष, पब्लिक हेल्थ फाउंडेशन ऑफ इंडिया, नई दिल्ली।	श्री सी.के. मिश्रा, अपर सचिव, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली।	प्रोफेसर विन्नी यीप, प्रोफेसर ऑफ हेल्थ पॉलिसी एंड इकोमिक, ब्लावतनिक स्कूल ऑफ गवर्नमेंट, यूनिवर्सिटी ऑफ ऑक्सफोर्ड, यू.के.।
डॉ0 विनोद के. पौल, हैड, डिपार्टमेंट ऑफ पेडियाट्रिक्स एंड डब्ल्यू. एच. ओ. कोलेबोरेटिंग सेंटर फॉर ट्रेनिंग एंड रिसर्च इंन न्यू बोर्न केयर, एआईआईएमएस, नई दिल्ली।	श्री कणव कहोल, टीम लीडर, अफोर्डेवल हेल्थ टैक्नोलोजीज, पब्लिक हेल्थ फाउंडेशन ऑफ इंडिया, नई दिल्ली।	डॉ0 देवी शेट्टी, अध्यक्ष, नारायण हृदयाल, बैंगलौर
श्री राजीव कुमार, वरिष्ठ अध्येता, नीति अनुशंधान केंद्र, नई दिल्ली।	श्री ओंणो रूहल, कंट्री डाएरेक्टर इंडिया, द वर्ल्ड बैंक, नई दिल्ली।	श्री अरुण नंदा, चेयरमैन, महिंद्रा होलिडेज एंड रेजोर्ट्स (आई) लिमिटेड एंड महिंद्रा लाइफस्पेस डेवलपर्स लिमिटेड।
श्री अमिताभ कांत, सचिव, भारत सरकार, औद्योगिक नीति एवं संवर्धन विभाग, नई दिल्ली।	डॉ0 इला पटनायक, प्रधान आर्थिक सलाहकार, डीईए, वित्त मंत्रालय, भारत सरकार	डॉ0 रतीन रॉय, निदेशक, राष्ट्रीय लोक वित्त एवं नीति संस्थान, नई दिल्ली।
श्री सुमित बोस, सदस्य, व्यय प्रबंधन आयोग, भारत सरकार, नई दिल्ली।	डॉ0 कविता राव, प्रोफेसर, राष्ट्रीय लोक वित्त एवं नीति संस्थान, नई दिल्ली।	श्री डी. सुब्बा राव, पूर्व गवर्नर, भारतीय रिजर्व बैंक।
डॉ0 अजय शाह, प्रोफेसर, राष्ट्रीय लोक वित्त एवं नीति संस्थान, नई दिल्ली।	डॉ0 राजीव लाल, चेयरमैन, आईडीएफसी लिमिटेड, नई दिल्ली।	श्री संतोष नायर, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, इंडिया इंफ्रास्ट्रक्चर फाइनेंस को लिमिटेड।
श्री सुप्रतीम सरकार, एग्जीक्यूटिव वाइस प्रेसिडेंट एवं ग्रुप हेड, एसबीआई कैपिटल मार्केट्स लिमिटेड, मुंबई।	श्री चेरियन थॉमस, मुख्य कार्यपालक अधिकारी, आईडीएफसी, नई दिल्ली।	श्री के. वैंकटेश, मुख्य कार्यपालक अधिकारी एवं प्रबंध निदेशक, एल. एंड टी. आई.डी.पी. लिमिटेड।
डॉ0 पार्थ मुखोपाध्याय, वरिष्ठ शोध अध्येता, नीति अनुसंधान केंद्र, नई दिल्ली।	डॉ. दिनेश शर्मा, अपर सचिव भारत सरकार, आर्थिक कार्य विभाग, नई दिल्ली।	श्री मनीष सभरवाल, चेयरमैन, टीम लीज सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड, बैंगलुरु।
श्री माधव चौव्हान, निदेशक, प्रथम, मुंबई।	श्री आनंद सुदर्शन, फाउंडर एंड डाएरेक्टर, सिलवैंट एडवाइजर्स प्राइवेट लिमिटेड, बैंगलुरु।	श्री गोपाल पिल्लई, पूर्व गृह सचिव, भारत सरकार, नई दिल्ली।

श्री विनोद राय, पूर्व महालेखा नियंत्रक, नई दिल्ली।	श्री योगेन्द्र यादव, वरिष्ठ अध्येता, विकासशील सोसाइटी अध्ययन केंद्र, नई दिल्ली।	श्री यू.के. सिन्हा अध्यक्ष, सेबी, मुंबई।
श्री अजीम प्रेम जी, चेयरमैन अध्यक्ष विप्रो लिमिटेड, बैंगलोर।	सुश्री सुनीता नरायण, महानिदेशक, विज्ञान एवं पर्यावरण केंद्र, नई दिल्ली।	श्री आर. चंद्र शेखर, चेयरमैन, नासकोम (NASSCOM) नई दिल्ली।
श्री आर. एस. शर्मा, सचिव, भारत सरकार इलेक्ट्रानिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी विभाग, नई दिल्ली।	श्री प्रमोद भासीन, संस्थापक एवं उपाध्यक्ष, जेनपैक्ट गुड़गांव।	श्री श्याम शरण, चेयरमैन, रिसर्च एंड इंफोरमेशन सिस्टम फॉर डेवलपिंग कंट्रीज, नई दिल्ली।
श्री शेखर गुप्ता, संपादकीय सलाहकार, इंडिया टूडे ग्रुप।	श्री हरीश एन. सेल्व, वरिष्ठ अधिवक्ता, भारतीय सर्वोच्च न्यायालय, नई दिल्ली।	श्री के.सी. सिंह, पूर्व सचिव, विदेश मंत्रालय, नई दिल्ली।
डॉ0 मधु पूर्णिमा किश्वर, संस्थापक एवं अध्यक्ष, मनुषी संगठन, नई दिल्ली।	श्री एस.के. दास, पूर्व सचिव (वित्त), अंतरिक्ष विभाग, भारत सरकार, नई दिल्ली।	श्री के.पी. कृष्णन, अपर सचिव, भारत सरकार, भूमि संसाधन विभाग, नई दिल्ली।

प्रतिभागियों का मूल्यांकन

नीति समूह	विषय	स्थान	निर्णायक
क	''प्राथमिक विद्यालय में शिक्षा का परिणाम''	प्रथम	सुश्री विभा पुरी दास तथा श्री आर एस टोलिया
क	''खाद्य सुरक्षा''	द्वितीय	सुश्री विभा पुरी दास तथा श्री आर एस टोलिया
ख	''विद्युत वितरण''	प्रथम	श्री सत्यानंद मिश्रा तथा श्री प्रदीप्तो घोष
ख	''प्रत्यक्ष लाभ अन्तरण''	द्वितीय	श्री सत्यानंद मिश्रा तथा श्री प्रदीप्तो घोष

राज्य सिविल सेवा से भारतीय प्रशासनिक सेवा में प्रोन्नत/चयनित अधिकारियों के लिए 115वां प्रवेशकालीन प्रशिक्षण कार्यक्रम
(3 मार्च से 25 अप्रैल, 2014)

पपाठ्यक्रम समन्वयक	श्री अभिषेक स्वामी, उपनिदेशक
सह–पाठ्यक्रम समन्वयक	डॉ0 प्रेम सिंह, उपनिदेशक वरिष्ठ श्री रत्नेश सिंह, सहायक निदेशक डॉ0 वैभव गोयल, प्रोफेसर
प्रतिभागियों की संख्या	कुल : 46 (पुरुष – 40, महिलाएं – 06)
पाठ्यक्रम का उद्घाटन	श्री पदमवीर सिंह, भा.प्र. सेवा (सेवानिवृत्त), पूर्व निदेशक, ला.ब.शा.रा.प्र.अ., मसूरी
समापन समारोह संबोधन	श्री संजीव चोपड़ा, कार्यवाहक निदेशक, ला.ब.शा.रा.प्र.अ., मसूरी

115वां प्रवेशकालीन प्रशिक्षण कार्यक्रम के प्रतिभागियों का ब्योरा अनुबंध –10 में दिया गया है।

लक्ष्य

पाठ्यक्रम का लक्ष्य शासन और प्रशासन के अखिल भारतीय स्वरूप से अवगत कराना तथा निम्नलिखित पाठ्यक्रमों के माध्यम से अगले स्तर पर राज्य तथा केन्द्र सरकार के विभिन्न विभागों के कार्यकरण में जागरूकता लाना तथा उन्हें दायित्वों का बोध कराना है।

- प्रशासक के रूप में प्रभावपूर्ण तरीके से कार्य करने के लिए बहुक्षेत्रीय ज्ञान तथा कौशलता प्रदान करना।
- राष्ट्र–निर्माण के लिए विकासशील संस्थानों में भा.प्र. सेवा की भूमिका जांचने तथा समझने के लिए समुचित मनोवृत्ति तथा दृष्टिकोण स्थापित करना।
- देश के अन्य भागों के सहकर्मियों के साथ भाईचारे का बोध कराना तथा संबंध स्थापित करना।

पाठ्यक्रम के उद्देश्य

पाठ्यक्रम के उद्देश्यों की पूर्ति के लिए अपनाई गई प्रशिक्षण विधियों में व्याख्यान, परिचर्चा, प्रकरण अध्ययन, पैनल चर्चा, कंप्यूटर का व्यावहारिक ज्ञान, अनुभव आदान–प्रदान, फिल्म प्रदर्शन तथा विचार–विमर्श, मैनेजमेंट गेम, समूह कार्य तथा क्षेत्र भ्रमण शामिल किए गए थे।

पाठ्यक्रम की सप्ताहवार योजना

प्रतिभागियों ने मोटे तौर पर राष्ट्रीय किंतु कुछ अंतर्राष्ट्रीय मुद्दों को कवर करते हुए विविध विषयों पर पर्सपेक्टिवबिल्डिंग सत्रों में भाग लिया। इस प्रकार 115वें प्रवेशकालीन प्रशिक्षण पाठ्यक्रम में वैश्वीकरण और जलवायु परिवर्तन की योजनाओं पर सत्र आयोजित किए गए। राष्ट्रीय स्तर पर अधिकारियों ने नक्सल समस्या के समाधान, भारतीय अर्थव्यवस्था की स्थिति के सत्रों में भाग लिया तथा उन्हें यौन उत्पीड़न निरोधक अधिनियम के प्रावधानों की जानकारी दी गई।

इसके अलावा, अधिकारियों को नीति निर्धारण तथा कार्यान्वयन पर विशेष बल देते हुए सेक्टरल जानकारी (ग्रामीण स्वच्छता, शिक्षा, कृषि, शामिल किए गए) दी गई। इस पाठ्यक्रम में अकादमी ने ''प्रशासकों के लिए अर्थशास्त्र'' पर विस्तृत सत्र का आयोजन किया जिसमें नीति निर्धारण तथा कार्यान्वयन के साथ अर्थशास्त्र की मौलिक अवधारणाओं को जोड़ने का प्रयास किया गया। नीति निर्धारण तथा कार्यान्वयन कौशलताओं को और निखारने के लिए प्रकरण अध्ययन कराया गया तथा पाठ्यक्रम के अंत में मूल्यांकन के भाग के रूप में अपना–अपना पॉलिसी मेमोरंडम (नीति संबंधी स्मरण लेख) प्रस्तुत किया गया। अधिकारियों को सार्वजनिक निजी भागीदारी (पीपीपी) जैसे उभरते क्षेत्रों पर भी प्रशिक्षण दिया गया।

सूचना तथा संचार प्रौद्योगिकी पर भी विशेष बल दिया गया ताकि अधिकारियों को ''बेसिक आफिस सुइट से लेकर एडवांस्ड प्रोजेक्ट मैनेजमेंट साफ्टवेयर'' तक की जानकारी मिल सके।

उत्तम स्वास्थ्य तथा फिटनेस बनाए रखने की जरूरत को ध्यान में रखते हुए प्रतिभागियों को हर सुबह अनिवार्य शारीरिक प्रशिक्षण से गुजरना होता है। गतिविधियों में भाग लेने का विकल्प उन पर छोड़ा गया तथापि बहुतों ने योगा को प्राथमिकता दी, उसके बाद बैडमिंटन तथा टेनिस को।

विदेश अध्ययन दौरे की रूपरेखा

कार्यक्रम के हिस्से के रूप में प्रतिभागियों के लिए 15 दिवसीय अध्ययन दौरा कार्यक्रम आरंभ किया गया जिसमें भारत के सरकारी तथा गैर सरकारी संस्थानों और संगठनों का भ्रमण और संबद्धता कार्यक्रम और उसके बाद श्रीलंका का भ्रमण कार्यक्रम शामिल है। आधा समूह बंगलोर तथा कोची गए तथा आधा समूह अहमदाबाद तथा जयपुर। इसका अभिप्राय प्रशासनिक ढांचों तथा प्रक्रियाओं की सैद्धांतिक जानकारी प्राप्त करना ही नहीं बल्कि पूरी तरह से समाज और समुदाय की समीक्षा करना है ताकि इसकी विविधता को समझने में सहायता मिल सके और कुछ अलग करने के तरीकों का पता लगाया जा सके। इससे उन्हें अपने ज्ञान की सीमा का विस्तार करने और जरूरी मानसिक उदारता तथा खुलापन हासिल करने में सहायता मिलेगी जो एक प्रशासक के पास होनी चाहिए।

प्रशिक्षणर्थियों को सम्बोधित करने के लिए विभिन्न क्षेत्रों से अनेक विशेषज्ञ क्षेत्रों से अनेक विशेषज्ञ एवं ख्याति प्राप्त व्यक्तियों को आमंत्रित किया गया।

प्रख्यात अतिथि वक्ता

श्री पदमवीर सिंह, भा.प्र. सेवा (सेवानिवृत्त), पूर्व निदेशक, ला.ब.शा.रा.प्र.अ.,मसूरी	श्री गैरीबैंक, चेयरमैन, प्रोडक्टिविटी कमीशन, ऑस्ट्रेलिया	श्री दीपक सानन, भा.प्र. सेवा, अपर मुख्य सचिव, कृषि एवं पशुपालन विभाग, हिमाचल प्रदेश सरकार, शिमला।
डॉ0 ज्ञानेन्द्र डी. बड़गैंया, मुख्य अर्थशास्त्री, यूएनडीपी, 55 लोधी एस्टेट, नई दिल्ली–110003	डॉ0 प्रसन्न गेट्टू, सीईओ, पीसीवीसी ऑर्गेनाइजेशन, चेन्नई।	डॉ0 सी.वी. आनंद बोस, (सेवानिवृत्त, भा.प्र. सेवा), शोध अध्येता, ला.ब.शा.रा.प्र.अ., मसूरी
श्री आशीष वच्छानी, भा.प्र. सेवा, निदेशक (इन्फ्रास्ट्रक्चर), आर्थिक कार्य विभाग वित्त मंत्रालय, नई दिल्ली।	श्री गौरव द्विवेदी, भा.प्र. सेवा, निदेशक, इलेक्ट्रानिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी विभाग, संचार एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली।	डॉ0 दिलीप सिमोन, इतिहासकार एवं सामाजिक कार्यकर्ता, तथा अध्यक्ष, अमन ट्रस्ट, दिल्ली।
श्रीमती मोना भागबती, अध्येता, एमआईडीएस, चेन्नई।	डॉ0 (श्रीमती) दीपाली पंत जोशी, कार्यकारी निदेशक, भारतीय रिजर्व बैंक, मुंबई।	श्री आलोक कुमार, भा.प्र. सेवा, कमीश्नर एवं सचिव, राजस्व बोर्ड, उत्तर प्रदेश सरकार, लखनऊ।
श्री श्रीनिवासन अय्यर असिस्टेंट कंट्री डाएरेक्टर, हैड, एनर्जी एंड एनवायरनमेंट यूनिट, यूएनडीपी, 55 लोधी रोड, नई दिल्ली।	श्री के.सी. शिवरामकृष्णन, भा.प्र. सेवा (सेवानिवृत्त), रिसर्च प्रोफेसर एंड चेयरमैन, नीति अनुसंधान केन्द्र, धर्मा मार्ग, चाणक्यपुरी नई दिल्ली।	

प्रतिभागियों का मूल्यांकन

क्रम संख्या	ग्रेड	प्रतिभागियों द्वारा प्राप्त ग्रेड
1-	A+	5
2-	A	37
3-	B	4
4-	C	-
	कुल प्रतिभागी	**46**

पाठ्यक्रम समन्वयक की टिप्पणियां

उपरोक्त पाठ्यक्रम आठ सप्ताह की अवधि का होता है। बल्कि इसेअल्प अवधि में उन अधिकारियों को शासन तथा प्रशासन पर अखिल भारतीय परिप्रेक्ष्य की जानकारी देने का प्रयास किया गया जो स्थानीय तथा राज्य स्तर के अब तक के मुद्दों पर अधिक ध्यान केंद्रित कर सकते हैं। इसमें प्रशासक के रूप में प्रभावी तरीके से कार्य करने के लिए बहुक्षेत्रीय ज्ञान तथा कौशलता प्रदान करने तथा राष्ट्र निर्माण के लिए विकासशील संस्थानों में भा.प्र. सेवा की भूमिका जांचने तथा समझने के लिए समुचित मनोवृत्ति तथा दृष्टिकोण अपनाने का प्रयास किया जाता है।

तथापि, कुल मिलाकर, उपरोक्त सभी लक्ष्यों तथा उद्देश्यों के लिए, पाठ्यक्रम में देश के अन्य हिस्सों के साथी अधिकारियों के साथ संबंध रखने, भाईचारे का बोध कराने तथा जुड़े रहने की आवश्यकता है।

इसको ध्यान में रखते हुए पाठ्यक्रम में सामाजिक क्षेत्र, ग्रामीण तथा शहरी विकास, कानून और व्यवस्था तथा अर्थशास्त्र के विषय रखे गए। पॉलिसी मेमो लेखन अभ्यास से उम्मीद है कि दिए गए ज्ञान तथा अपेक्षित कौशलताओं के बीच संबंध जोड़ने में सहायता मिलेगी ताकि उसे प्रशासनिक कार्यकरण में शामिल किया जा सके। तथापि, यह प्रशिक्षण केवल औपचारिक विषयों तक ही सीमित नहीं रखा जाता तथा संवाद/संचार (कम्युनिकेशन) तथा तनाव प्रबंधन (स्ट्रेस मैनेजमेंट) के सत्रों सहित व्यक्तित्व विकास के पहलुओं पर बराबर बल दिया जा रहा है।

अलग–अलग रुचियों को पूरा करने के इरादे से अलग–अलग गतिविधियों के लिए खेल परिसर में सुविधाएं उपलब्ध हैं। जिससे शरीर को तंदुरुस्त रखने में सहायता मिलती है जो आखिरकार सभी बौद्धिक आवश्यकताओं की पूर्ति का आधार है। इसलिए, संयोग से दिन का पहला सत्र हैप्पी वैली खेल परिसर ही था।

आउटबाउंड कार्यक्रम एक सप्ताह का विदेश अध्ययन भ्रमण सहित दो सप्ताह का होता है। आउटबाउंड कार्यक्रम वह कार्यक्रम है जिसमें देखकर सीखना होता है तथा विशिष्ट कार्यक्रमों और नीतियों को पढ़ने के लिए नहीं कहा जाता किंतु हमारी चेतना को खोलकर कुछ अलग करने की संभाव्यता को जगाता है तथा उम्मीद है कि इसे बेहतर तरीके से किया जा रहा है।

राज्य सिविल सेवा से भारतीय प्रशासनिक सेवा में प्रोन्नत/चयनित अधिकारियों के लिए 116वां प्रवेशकालीन प्रशिक्षण कार्यक्रम

(27 अक्टूबर से 19 दिसंबर, 2014)

पाठ्यक्रम समन्वयक	श्री जयंत सिंह, उपनिदेशक वरिष्ठ
सह–पाठ्यक्रम समन्वयक	श्रीमती जसप्रीत तलवार, उपनिदेशक वरिष्ठ डॉ0 अमर के.जे.आर. नायक, प्रोफेसर
प्रतिभागियों की संख्या	कुल :– 44 (पुरुष – 39, महिलाएं – 05)
पाठ्यक्रम का उद्घाटन	श्री सत्यानंद मिश्रा, भा.प्र. सेवा (सेवानिवृत्त), नई दिल्ली।
विदाई संबोधन	श्री हरीश रावत, माननीय मुख्य मंत्री, उत्तराखंड

116वां प्रवेशकालीन प्रशिक्षण कार्यक्रम के प्रतिभागियों का ब्योरा परिशिष्ट–11 में संलग्न है।

कार्यक्रम के उद्देश्य

- शासन और प्रशासन के अखिल भारतीय स्वरूप से अवगत कराना तथा निम्न के माध्यम से अगले स्तर पर राज्य तथा केन्द्र सरकार के विभागों के कार्यकरण में जागरूगता पैदा करना तथा उन्हें दायित्वों का बोध कराना:–
- शासन तथा प्रशासन के अखिल भारतीय परिप्रेक्ष्य की जानकारी देना।
- अर्थशास्त्र, प्रबंधन, लोक प्रशासन के विधाओं में बहुक्षेत्रीय ज्ञान तथा कौशलता प्रदान करना ताकि वे नीतियों तथा कार्यक्रमों की गहन समझ रख सकें।
- प्रतिभागियों को सभी सेक्टरों तथा शासन में उभरते राष्ट्रीय तथा वैश्विक रुझानों की जानकारी देना।
- साथी प्रतिभागियों के समृद्ध अनुभवों से सीख लेना।
- भाईचारे का बोध कराना तथा देश के अन्य भागों के अपने सहकर्मियों के साथ संबंध स्थापित करना।

अध्ययन भ्रमण

इस कार्यक्रम के हिस्से के रूप में प्रतिभागियों के लिए 15 दिवसीय अध्ययन दौरा कार्यक्रम आरंभ किया गया जिसमें भारत के सरकारी तथा गैर सरकारी संस्थाओं तथा संगठनों का भ्रमण और संबद्धता कार्यक्रम और उसके बाद श्रीलंका का भ्रमण कार्यक्रम शामिल है। इसका अभिप्राय प्रशासनिक ढांचों तथा प्रक्रियाओं की सैद्धांतिक जानकारी प्राप्त करना ही नहीं बल्कि संस्थानों के कार्यकरण की समीक्षा करना तथा जिसकी उन्होंने परिकल्पना की थी, उन उद्देश्यों को पूरा करने के तरीके जानना भी है। अध्ययन दौरे से एक तुलनात्मक दृष्टिकोण मिलता है जिससे प्रतिभागी अपने–अपने राज्यों में शासन तथा प्रशासन की प्रणालियों, प्रक्रियों और संस्थागत संरचनाओं को प्रतिबिंबित कर सकते हैं तथा विश्लेषण कर सकते हैं तथा अपने कार्यकरण में सुधार लाने के लिए उन्हें विचार तथा सोचने की शक्ति दे सकते हैं। इसके अलावा, इससे उन्हें अपने ज्ञान की सीमा का विस्तार करने तथा इसके लिए जरूरी मांसिक उदारता तथा खुलापन हासिल करने में सहायता मिलेगी जो एक प्रशासक के पास होनी चाहिए।

प्रख्यात अतिथि वक्ता

श्री सत्यानन्द मिश्रा, भा.प्र. सेवा (सेवानिवृत्त), नई दिल्ली	श्री सुरजीत किशोर दास, भा.प्र. सेवा (सेवानिवृत्त), देहरादून	श्री कृष्ण सिंह रौतेला, उत्तराखंड पीपीपी सेल, देहरादूरन
श्री प्रवीन कुमार सिन्हा, पुलिस महानिरीक्षक पंजाब, पुलिस मुख्यालय, चंडीगढ़	श्री निशांत वारवाड़े, कलेक्ट्रेट एवं डीएम, भोपाल	श्री चेतन जावेरी, वाइस प्रेसिडेंट, आईएल एंड एफएस, एन्वायरनमेंटल इनफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज लिमिटेड, ईस्ट मुंबई
श्री भरत आई. दलाल, अपर नगर अभियंता, सूरत नगर निगम, सूरत	श्री भैरव देसाई, सहायक कार्यपालक अभियंता, सूरत नगर निगम, सूरत	डॉ0 अनुराग पांडेय, वरिष्ठ वैज्ञानिक, डीआरडीओ, नई दिल्ली
श्री अशोक बर्नवाल, भा.प्र. सेवा, प्रधान सचिव, खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण, मध्य प्रदेश सरकार, भोपाल	श्री क्षितिज आदित्य सिंह, प्रबंध निदेशक, नॉलेज एडवाइजरी सर्विसेज एंड कंसल्टेंसी, लखनऊ	डॉ0 सौरव गुप्ता, निदेशक, एनआईसी, लखनऊ
डॉ0 सी.एम. इरफान, विशेष सचिव, समाज कल्याण विभाग, आंध्र प्रदेश सोशल वेलफेयर रेजिडेंशियल स्कूल, हैदराबाद।	डॉ0 मनींदर कौर द्विवेदी, भा.प्र. सेवा, कार्यपालक निदेशक, परिवहन, भारतीय खाद्य निगम, नई दिल्ली।	डॉ0 ओम प्रकाश चौधरी, भा.प्र. सेवा, जिला कलेक्टर, जंजगीर–चंपा, छत्तीसगढ़
डॉ0 एस. श्रीनिवासन, चेयरमैन, लो कॉस्ट स्टेंडर्ड थेरेपेटिक्स, बड़ोदरा, गुजरात	श्री आशीष वच्छानी, भा.प्र. सेवा, निदेशक (इंफ्रास्ट्रक्चर), डी–1/46, भारती नगर, लोधी स्टेट, नई दिल्ली	श्री एस.बी. अग्निहोत्री, भा.प्र. सेवा, सचिव, कैबिनेट सचिवालय, भारत सरकार, नई दिल्ली
सुश्री कल्पना दुबे, कार्यकारी निदेशक (वित्त), आरडीएसओ, रेल मंत्रालय, लखनऊ	डॉ0 देवी प्रसाद, आईईएस (सेवानिवृत्त), शोध अध्येता, ला.ब.शा.रा.प्र.अ., मसूरी	श्री एस.एम. विजयानंद, भा.प्र. सेवा, विशेष सचिव, ग्राम विकास विभाग, नई दिल्ली
सुश्री रजनी शेखरी सिब्बल, भा.प्र. सेवा, संयुक्त सचिव, कृषि मंत्रालय, नई दिल्ली	श्री रवि मित्तल, भा.प्र. सेवा, सलाहकार, योजना आयोग, नई दिल्ली	श्री के. रवि कुमार, भा.प्र. सेवा, उपायुक्त, कोडरमा, झारखंड
श्री आलोक, भा.प्र. सेवा, सचिव (राजस्व), राजस्थान सरकार, जयपुर	श्री शैलेष पाठक, (पूर्व – भा.प्र. सेवा), कार्यकारी निदेशक, भारतीय ग्रुप, नई दिल्ली	श्री के. वेंकटेश, सीओ एवं एमडी, एलएंडटी आईडीपी लिमिटेड
डॉ0 पार्थ मुखोपाध्याय, वरिष्ठ शोध अध्येता, नीति अनुसंधान केंद्र, नई दिल्ली	श्री दिनेश शर्मा, अपर सचिव, भारत सरकार, आर्थिक कार्य विभाग, नई दिल्ली	श्री बी. एन शर्मा, भा.प्र. सेवा, संयुक्त सचिव, विद्युत मंत्रालय, नई दिल्ली
श्री के. जी. वर्मा, संयुक्त सचिव (सेवानिवृत्त), कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग, नई दिल्ली	श्री आशुतोष ए.टी. पेडनेकर, भा.प्र. सेवा, कलेक्टर एवं डीएम, उदयपुर (राजस्थान)	श्री गौरव द्विवेदी, भा.प्र. सेवा, सीओई माईगोव, नई दिल्ली।
डॉ0 प्रजापति त्रिवेदी, पूर्व सचिव, भारत सरकार, परफोरमेंस मैनेजमेंट डिवीजन, कैबिनेट सचिवालय, नई दिल्ली।	डॉ0 तारादत्त, भा.प्र. सेवा, एसीएस, एसडीएमए, ओडिशा।	मेजर जनरल वी.के. दत्त (सेवानिवृत्त), वरिष्ठ परामर्शदाता (सीबी एंड एमई), एनडीएमए, नई दिल्ली।

सुश्री पी. अमुधा, भा.प्र. सेवा, श्रम आयुक्त, तमिलनाडु सरकार, चेन्नई ।	श्री अरविंद कुमार, सीनियर एडवाइजर, पब्लिक अफेयर्स परफेक्ट रिलेशन्स, नई दिल्ली।	श्री अरुण वाखलु, कार्यकारी अध्यक्ष, प्रगति लीडरशिप इंस्टीट्यूट, पुणे ।
श्री अजीत लाल, भा.पु. सेवा, (सेवानिवृत्त), पूर्व विशेष निदेशक, आईबी, नई दिल्ली।		

प्रतिभागियों का पाठ्यक्रम समापन मूल्यांकन (ग्रेड)

क्रम संख्या	ग्रेड	प्रतिभागियों द्वारा प्राप्त ग्रेड
1.	A+	04
2.	A	26
3.	B	14
4.	C	शून्य
	कुल प्रतिभागी	44

पाठ्यक्रम समन्वयक की टिप्पणियां

प्रवेशकालीन प्रशिक्षण कार्यक्रम के 116वें संस्करण में भारत के 11 राज्यों (हिमाचल प्रदेश, पंजाब, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल, त्रिपुरा, मेघालय तथा मिजोरम) के 44 प्रतिभागी थे।

इस कार्यक्रम का उद्देश्य शासन तथा प्रशासन के अगले स्तर के लिए, राज्य सेवाओं के अधिकारियों को प्रशिक्षण और ज्ञान देना था। इस उद्देश्य से इस पाठ्यक्रम के अंतर्गत शासन के अखिल भारतीय परिप्रेक्ष्य की जानकारी देना, प्रतिभागियों को शासन तथा प्रशासन से संबंधित विभिन्न विधाओं में वैचारिक स्पष्टता प्रदान करना, विभिन्न राज्यों के विभिन्न सेक्टरों के श्रेष्ठ कार्यों की जानकारी देना, प्रशासक के रूप में कार्यकरण को सुधारने के लिए प्रबंधन कौशलता तथा विशेषज्ञता प्रदान करना, शामिल किया गया।

इस कार्यक्रम में विकास प्रर्वतक के नाते प्रशासक के व्यापक ढांचे के अंतर्गत जन सेवा वितरण और सुशासन के मुद्दों पर ध्यान केंद्रित करते हुए लोक प्रशासन के विभिन्न विषय रखे गए। अतः ''ईज ऑफ डुइंग बिजनेस'' की अवधारणा के साथ–साथ स्मार्ट सिटी तथा मेक इन इंडिया के विचारों और शासन के सभी मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई जिनकी इसमें जरूरत है। वित्तपोषण, गुणवत्ता तथा साम्यता के दृष्टिकोण से तथा श्रेष्ठ कार्यों के प्रकरण अध्ययनों के रूप में भी सामाजिक क्षेत्रों विशेषकर स्वास्थ्य तथा शिक्षा के क्षेत्र शामिल किए गए। इसी तरह प्रशासकों द्वारा डीसीटी और नवोन्मेषों सहित वे कल्याणकारी कार्यक्रम शामिल किए गए जिन्होंने अपने–अपने राज्यों में इन कार्यक्रमों को सफलतापूर्वक लागू किया है। अवसंरचना तथा विनिर्माण पर जोर देते हुए, विनियामक और इंसपेक्टोरियल मुद्दों सहित औद्योगिक विकास के मुद्दों तथा ऊर्जा, सड़क तथा संचारतंत्र जैसे विशिष्ट सेक्टरों पर ध्यान देने के अलावा ''ईज ऑफ डुइंग बिजनेस'' शीर्ष के अंतर्गत ऐसे कई अन्य विषयों पर चर्चा की गई। संतुलित तथा समग्र रूप में विकास के विषयों को समझने के उद्देश्य से जलवायु परिवर्तन तथा इसका राजनैतिक अर्थव्यवस्था पर प्रभाव के मुद्दे सहित स्थायी विकास एवं हरित विकास, वर्तमान कार्यक्रमों को मुख्य धारा से जोड़ने के मुद्दे शामिल किए गए। केन्द्र–राज्य के राजकोषीय संबंधों तथा बजटिंग पर लोक वित्त मॉड्यूल दिखाया गया, उसके बाद सार्वजनिक प्राप्ति पर सत्र आयोजित किए गए।

इसके अलावा, अंतः विषयी ज्ञान पर जोर देते हुए प्रबंध विकास तथा परिवर्तन के साधनों से अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों को लैस करने के उद्देश्य से कार्यक्रम में विकासोन्मुख विशिष्ट कौशलों पर ध्यान केंद्रित किया गया। इनमें दो दिवसीय लीडरशिप मॉड्यूल, वार्ता तथा ई आई, तनाव प्रबंधन,

अनुवीक्षण और मूल्यांकन पर सत्र शामिल किए गए। इंटरएक्टिव कक्षा सत्रों, आईटी मॉड्यूल, समूह कार्य तथा प्रस्तुतियों के अलावा प्रतिभागियों ने 12 दिवसीय भ्रमण कार्यक्रम पर भी भाग लिया। इस भ्रमण कार्यक्रम में संपूर्ण देश के विभिन्न सेक्टरों के विविध संस्थाओं से संबद्धता की गई तथा 5 दिन के विदेश दौरे पर श्रीलंका गए। इस विदेश दौरे के इन्टरएक्टिव सत्र तथा फील्ड विजिट कार्यक्रम में गांव, नगरपालिका प्रशासन यूनिटों, अस्पतालों तथा विद्यालयों का भ्रमण किया गया। इसमें एच डी आई पैरामीटरों में श्रीलंका के कार्य निष्पादन को समझने और वित्तीय बाध्यताओं तथा कमजोर कर देने वाले गृह युद्ध के वावजूद देश कैसे इसे हासिल कर सका, विषय पर ध्यान दिया गया।

प्रतिभागियों का मूल्यांकन मध्यावधि परीक्षा (निक्टूलैब में संचालित किया गया), पॉलिसी मेमो प्रस्तुति, सहकर्मी समीक्षा (पियर रिव्यू), अनुशासन तथा कार्यक्रम में प्रतिभागिता के समग्र मूल्यांकन के द्वारा किया गया।

21वां संयुक्त सिविल सैन्य प्रशिक्षण कार्यक्रम
(2 जून से 12 जून, 2014)

पाठ्यक्रम समन्वयक	श्री दुष्यंत नरियाला, संयुक्त निदेशक
सह–पाठ्यक्रम समन्वयक	डॉ0 राम कुमार कांकाणी, प्रोफेसर डॉ0 वैभव गोयल, प्रोफेसर
कार्यक्रम का उद्घाटन	श्री राजीव कपूर, भा.प्र. सेवा, निदेशक, ला.ब.शा.रा.प्र. अकादमी, मसूरी
विदाई संबोधन	श्री राणा बनर्जी, भा.प्र. सेवा (सेवनिवृत्त), पूर्व विशेष सचिव, कैबिनेट सचिवालय, नई दिल्ली
समूह–सेवा प्रतिनिधित्व तथा पुरुष/महिला गठन	कुलः– 43 (पुरुष–39, महिलाएं–04)
कार्यक्रम के प्रतिभागी	भा0प्र0 सेवा, भा0पु0 सेवा, भा0 वन सेवा, आईसी एवं सीईएस, भा0रा0 सेवा, भारतीय रक्षा लेखा सेवा, मंत्रिमंडल सचिवालय के अधिकारी (निदेशक/संयुक्त निदेशक/संयुक्त सचिव/सचिव/अपर/सहायक उपायुक्त स्तर के) सशस्त्र बलों के अधिकारी (ब्रिगेडियर/कर्नल, कैप्टन, ग्रुप कैप्टन, कमांडर स्तर के) अधिकारी। अर्धसैनिक बलों के अधिकारी (उप पुलिस महानिरीक्षक/पुलिस महा निरीक्षक स्तर के) राज्य के वरिष्ठ न्यायाधीश (प्रधान/अपर जिला सत्र न्यायाधीश) मेयर/जिला पंचायत अध्यक्ष निजी क्षेत्र

21वें संयुक्त सिविल सैन्य पाठ्यक्रम के प्रतिभागिताओं का ब्योरा परिशिष्ट–12 में दिया गया है।

पाठ्यक्रम का परिचय

राष्ट्रीय सुरक्षा पर संयुक्त सिविल – सैन्य प्रशिक्षण कार्यक्रम, अकादमी का मुख्य पाठ्यक्रम है। इसे राष्ट्रीय सुरक्षा तंत्र के सुधार पर मंत्रियों के समूह की रिपोर्ट पर अनुवर्ती कार्रवाई करते हुए वर्ष 2002 में आरंभ किया गया था।

उद्देश्य, पाठ्यक्रम गतिविधियां तथा विशेषताएं

- राष्ट्रीय सुरक्षा से संबंधित विभिन्न आयामों तथा इसके घटकों तथा भारतीय राज्यों में विभिन्न खतरों से संबंधित जानकारी में वृद्धि करना।
- राष्ट्रीय सुरक्षा के प्रबंध की चुनौतियों से अवगत कराना, उभरते हुए बाह्य सुरक्षा परिवेश तथा आंतरिक सुरक्षा परिवेश का असर, इत्यादि।

- सुरक्षा के खतरों के साथ–साथ सुरक्षा (साइबर, पर्यावरणीय, आर्थिक तथा ऊर्जा) के विभिन्न पहलुओं के प्रति जागरुकता का निर्माण करना।
- सिविल – सैन्य विचार–विनिमय का अवसर प्रदान करनाय तथा
- प्रतिभागियों को इस विषय पर विचार–विमर्श का अवसर प्रदान करना

इन शैक्षणिक विषयों में व्याख्यान, सेमीनार, अनुकरण अभ्यास, समूह चर्चा तथा फिल्म प्रदर्शन शामिल थे। कार्यक्रम में सुरक्षा चुनौतियों को गहराई से समझने के जटिल मुद्दों पर बारी–बारी से अलग–अलग दृष्टिकोणों को समझने का प्रयास किया। इसका उद्देश्य अधिक प्रभावी ज्ञान प्राप्त करने के लिए प्रतिभागियों के समृद्ध एवं विभिन्न अनुभवों का उपयोग करना था। कार्यक्रम का असल उद्देश्य उचित प्रशिक्षण विषयों के माध्यम से व्यापक राष्ट्रीय सुरक्षा के संबंध में ज्ञान, कौशलता तथा दृष्टिकोण में, महसूस की गई कमी को पाटना था।

प्रख्यात अतिथि वक्ता

श्री पदमवीर सिंह, पूर्व निदेशक, ला.ब.शा. रा.प्र. अकादमी, मसूरी।	मेजर जनरल जी.जी. द्विवेदी (सेवानिवृत्त), प्रोफेसर एवं डीन ए.एम.यू., चेयरमैन स्कूल ऑफ लीडरशिप, ए.एम.यू., अलीगढ़ (उ.प्र.)	श्री श्याम शरण, चेयरमैन, रिसर्च एंड इंफोरमेशन सिस्टम फॉर डेवलपिंग कंट्रीज (आरआईएस), इंडिया हैबिटेट सेंटर, नई दिल्ली।
मेजर जनरल एस.के. झा, एडिशनल डाएरेक्टर जनरल पर्सपेक्टिव प्लानिंग डाएरेक्टरेट, आर्मी हैड क्वार्टर्स, नई दिल्ली।	डॉ0 गुलशन राय, महानिदेशक, इंडियन कंप्यूटर इमरजेंसी रेसपौंस टीम (आईसीइआरटी), इलेक्ट्रानिक्स एवं सूचना विभाग, संचार एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली।	डॉ0 राधा कुमार, महानिदेशक, देलही पॉलिसी ग्रुप एंड फॉरमर इंटरलॉक्यूटर्स ऑन जम्मू–कश्मीर, देल्ही पॉलिसी ग्रुप, नई दिल्ली।
एयर वाइस मार्शल सुनील जे. नानोदकर, वीएम, वीएसएम, एसीएएस ओपीएस (ऑफेनसिव), एयर हैड क्वार्टर्स, नई दिल्ली।	रियर एडमिरल आर.बी. पंडित, असिस्टेंट चीफ ऑफ नेवल स्टाफ (फोरेन कारपोरेशन एंड इंटेलिजेंस), आईएचक्यू एमओडी, नई दिल्ली।	लेफ्टिनेंट जनरल एस.ए. हसनेन, (सेवानिवृत्त), पीवीएसएम, यूवाईएसएम, एवीएसएम, एसएम (बार), वीएसएम (बार), पूर्व सैन्य सचिव एवं कमांडर, एसवी कॉर्पस ।
न्यायाधीश (सेवानिवृत्त), श्री एस.एन. ढ़ींगरा, न्यायाधीश गोपाल सिंह, अध्यक्ष, पब्लिक चैरिटेबल ट्रस्ट, नई दिल्ली।	कर्नल संजीव सिंह, सलेरिया, डाएरेक्टिंग स्टाफ कॉलेज ऑफ डिफेंस मैनेजमेंट, सिकंदराबाद (आंध्र प्रदेश)	कर्नल संजय एस., डाएरेक्टिंग स्टाफ, कॉलेज ऑफ डिफेंस मैनेजमेंट, सिकंदराबाद (आंध्र प्रदेश)
श्री आर.पी. सिंह, भा.पु. सेवा, उप महानिदेशक, नॉर्दन रीजन, नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी), नई दिल्ली।	श्री संजीव सिंह, भा.पु. सेवा पुलिस महा निरीक्षक, राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए), गृह मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली।	श्री के. विजय कुमार, भा.पु. सेवा (सेवानिवृत्त), वरिष्ठ सुरक्षा सलाहकार, नक्सल मैनेजमेंट, गृह मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली।
डॉ0 वी.बी. माथुर, निदेशक, भारतीय वन्य जीव संस्थान (डब्ल्यूआईआई), देहरादून (उत्तराखंड)	एम्बेसडर अशोक सज्जनहार, सचिव, नेशनल फाउंडेशन फॉर कम्यूनल हारमनी, भारत सरकार, लोक नायक भवन, नई दिल्ली।	प्रोफेसर रजत मूना, महा निदेशक (सी–डीएसी), सी–डीएसी (हैड क्वार्टर्स), सेंटर फॉर डेवलपमेंट ऑफ एडवांस्ड कंप्यूटिंग, पुणे (महाराष्ट्र)

श्री आनंद झा, अपर निदेशक (पॉलिसी एनालिसिस एंड इंटरनेशनल अफेयर्स), फाइनेंशियल इंटेलिजेंस यूनिट, वित्त मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली।	श्री राणा बनर्जी, पूर्व विशेष सचिव, कैबिनेट सचिवालय, नई दिल्ली।	

भारतीय प्रशासनिक सेवा अधिकारियों का स्वर्ण जयंती पुनर्मिलन

अकादमी प्रतिवर्ष उन अधिकारियों का पुनर्मिलन कार्यक्रम आयोजित करती है जो 50 वर्ष पूर्व सेवा में शामिल हुए थे। पहला पुनर्मिलन, स्वतंत्र भारत के स्वर्णजयंती वर्ष अर्थात, 1997 में आयोजित किया गया था जिसमें स्वतंत्रता के समय सेवारत भारतीय सिविल सेवा तथा भा0प्र0 सेवा के अधिकारियों ने भाग लिया। तब से, सेवानिवृत्त अधिकारियों को प्रतिवर्ष तीन दिनों की अवधि के लिए संकाय एवं अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों से अपने अनुभवों का आदान–प्रदान करने के लिए आमंत्रित किया जाता है। वरिष्ठ अधिकारियों का दृष्टिकोण बेहद सामाजिक होता है तथा प्रशासन के इस बदलते परिवेश में बहुमूल्य जानकारियां देते हैं। देश के बारे में उनके द्वारा रखी गई विभिन्न विषयों की संस्तुतियां कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग तथा प्रशासनिक प्रशिक्षण संस्थानों को भेजी जाती है।

इस वर्ष 1964 बैच का स्वर्णजयंती पुनर्मिलन 28 और 29 मई, 2014 को आयोजित किया गया तथा बैच के 84 अधिकारी इस पुनर्मिलन कार्यक्रम में शामिल हुए।

अध्याय 4

एन.आई.सी. यूनिट तथा अनुसंधान केंद्र

एनआईसी प्रशिक्षण यूनिट

अकादमी में एन.आइ.सी. की यह यूनिट अखिल भारतीय सेवाओं के अधिकारियों को अकादमी में प्रशिक्षण के दौरानए उन्हें सूचना तथा संचार प्रौद्योगिकी से संबंधित प्रशिक्षण प्रदान करती है। एन.आई.सी यूनिट द्वारा प्रशिक्षण कैलेण्डर 2014–15 के दौरान निम्नलिखित पाठ्यक्रम तथा गतिविधियां संचालित की गई।

क्र.सं.	पाठ्यक्रम / अवधि	सत्र	प्रतिभागी	विषय
1.	भा.प्र. सेवा व्यावसयिक पाठ्यक्रम चरण–। (2013–15 बैच) (26 सप्ताह)	40x2 = 80	181	What-if-analysisusing Excel, Descriptive Statistics and Graphical Analysis using MS Excel, Survey Analysis, Introduction to MS Access, Dynamic Data Retrieval using MS Access, Multiple Table with Single Primary Key, DevInfo India Analysis.
2.	भा.प्र. सेवा व्यावसयिक पाठ्यक्रम चरण–।। (2012–14 बैच) (08 सप्ताह)	6 x 2 = 12	171	Population Pyramid Analysis with MS Excel, Descriptive Statistics and Graphical Analysis, Survey Analysis, Sensitivity Analysis, Financial Analysis.
3.	भा.प्र. सेवा के अधिकारियों के लिए 8वां मिड कैरिअर प्रशिक्षण कार्यक्रम (चरण–III)	20	100	Absolute and Relative Cell Addressing, User Defined Formula and In-built Function, What-if Analysis using MS Excel, Financial Management (Time Value of Money, PV,FV,PMT,IRR,NPV) using MS Excel, Project Appraisal (Financial and Investment Criteria, Constructing Project Cash Flows, Case Studies – Small and Large) using MS Excel.
4.	भा.प्र. सेवा के अधिकारियों के लिए 8वां मिड कैरिअर प्रशिक्षण कार्यक्रम (चरण–IV)	06	57	Absolute and Relative Cell Addressing, User Defined Formula and In-built function, What-If Analysis using MS Excel, Descriptive Statistics, Graphical Analysis, Survey Analysis and Statistical Analysis, Financial Statement and Accounting Concepts using Excel, Presentation Skills, Features of Power Point with Touch Screen devices, Enhanced Documentation like Columns, Smart Art, Mail Merge skills etc.

5.	89वां आधारिक पाठ्यक्रम (15 सप्ताह)	20x4=80	283	Typing Tutor (Basic and Advance), Word Processing Basics using MS Word, effective Document Management using MS Word, Special Publication Features for Quality work, Boiler Plate Features in MS Word to Minimise Time & Efforts, Generating Table of Contents and Indexing (Basic and Advance) in MS Word, Document Sharing and Security issues (Basic and Advance), Presentation Basics using Power Point, Visual Tools of Enhancement of Presentation using Power Point, Customization of Presentation using Power Point, Object Animation using Power Pint, Spreadsheet Basics, Absolute and Relative Cell Referencing and User Defined Formula Vs in-built functions, Income Tax Calculation using MS Excel, Regression Analysis using MS Excel, Data Analysis using MS Excel.
6.	भा.प्र. सेवा के अधिकारियों के लिए 115वां प्रवेशकालीन प्रशिक्षण कार्यक्रम (8 सप्ताह)	20	46	Introduction to Computer Software and Hardware, Internet and E-mail, Typing Tutor, Work Flow Automation, Word Processing Basics using MS Word, Effective Document Management using MS Word, Special Publication Features for Quality work, Boiler Plate Features in MS Word to Minimise Time & Efforts, Presentation Basics using Power Point, Visual Tools of Enhancement of Presentation using Power Point, Customization of Presentation using Power Point, Object Animation using Power Pint, Spreadsheet Basics, Absolute and Relative Cell Referencing and User Defined Formula Vs in-built functions.
7.	भा. प्र. सेवा के अधिकारियों के लिए 116वां प्रवेशकालीन प्रशिक्षण कार्यक्रम (8 सप्ताह)	20	44	Introduction to Computer Software and Hardware, Internet and E-mail, Typing Tutor, Work Flow Automation, Word Processing Basics using MS Word, Effective Document Management using MS Word, Special Publication Features for Quality work, Boiler Plate Features in MS Word to Minimise Time & Efforts, Presentation Basics using Power Point, Visual Tools of Enhancement of Presentation using Power Point, Customization of Presentation using Power Point, Object Animation using Power Pint, Spreadsheet Basics, Absolute and Relative Cell Referencing and User Defined Formula Vs in-built functions.

प्रशिक्षण

दिनांक 27 दिसंबर, 2014 को अकादमी के 40 अधिकारियों के लिए **''ई–ऑफिस एंड कंप्यूटर स्किल्स''** पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के विषय थेः– ई–ऑफिस, एडवांस्ड फीचर्स ऑफ एम.एस.वर्ड, एम.एस.पावर प्वाइंट तथा एम.एस. एक्सेल।

प्रशिक्षण–विधि

- व्याख्यान–सह–निदर्शन
- हैन्ड्स–ऑन
- कक्षा तथा गृह कार्य
- प्रतिभागियों द्वारा प्रस्तुतिकरण
- प्रकरण अध्ययन

पाठ्यसामग्री तैयार की

रिफरेन्स मैटेरियल ऑन एम.एस–एक्सेस 2010, तैयार किया गया।

सॉफ्टवेयर का निर्माण

अकादमी की आवश्यकता अनुसार निम्नलिखित सॉफ्टवेयर तैयार किए गए :

- अकादमी के प्रवेशकालीन प्रशिक्षण कार्यक्रम के प्रतिभागियों के लिए ऑन लाइन आब्जेक्टिव टाइप परीक्षा के लिए एक इंटरफेस का विकास किया गया।
- अकादमी के भंडार एवं आपूर्ति अनुभाग की माल सूची के लिए स्टोर एवं सप्लाई मैनेजमेंट सिस्टम विकसित की गई। इस सॉफ्टवेयर की रचना, निर्माण तथा इसका कार्यान्वयन सफलतापूर्वक किया गया।

अन्य गतिविधियां

- भा.प्र. सेवा चरण–। (2013–14) बैच के अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों तथा एसडीआरसी, भुवनेश्वर (ओडिशा) के संकाय सदस्यों के लिए 31.3 2014 से 4.4.2014 तक देव इन्फो यूजर इंटरफेस प्रोफिसिएंसी मॉड्यूल का आयोजन किया गया।
- अकादमी में अवर श्रेणी लिपिकों की भर्ती के लिए 40 अभ्यर्थियों की कंप्यूटर दक्षता परीक्षा ली गई।
- ला.ब.शा.रा.प्र. अकादमी स्टाफ के बच्चों के लिए वीटीसी कक्षाएं संचालित की गई।

प्रशिक्षण अनुसंधान तथा प्रकाशन प्रकोष्ठ

अकादमी में प्रतिवर्ष कई गणमान्य व्यक्तियों एवं प्रतिनिधि–मण्डलों का आगमन होता है। इस दौरान आपसी अनुभव आदान–प्रदान द्वारा ज्ञानार्जन किया जाता है जिससे अतिथि तथा अकादमी, दोनों ही लाभान्वित होते हैं। वर्ष के दौरान प्रशिक्षण, अनुसंधान तथा विकास प्रकोष्ठ द्वारा समन्वय किए गए कुछ भ्रमण कार्यक्रमों का विवरण इस प्रकार है–

गणमान्य व्यक्ति / प्रतिनिधि मंडल

- श्रीलंका के अधिकारियों सहित माननीय श्री बिजया धननायके, उप मंत्री, लोक प्रशासन एवं गृह मंत्रालयका भ्रमण (10–15 / 05 / 2014).
- राजस्थान के जिला प्रमुखों के अधिकारियों का भ्रमण (29 / 05 / 2014).
- आईआईपीए, नई दिल्ली से अफगानिस्तान सदस्यों के अधिकारियों का भ्रमण (04 / 06 / 2014).
- बिरला पब्लिक स्कूल, पिलानी, राजस्थान के अध्यापकों एवं छात्रों का भ्रमण (11 / 06 / 2014).
- राष्ट्रीय रक्षा प्रबंधन संस्थान, नई दिल्ली केआईडीईएस अधिकारियों का भ्रमण (17 / 06 / 2014).
- आईटीबीपी मसूरी के असिस्टेंट कमांडेंट्स एवं अधिकारियों का भ्रमण (19 / 06 / 2014).
- जी.डी. गोयनका पब्लिक स्कूल, स्वर्ण नगरी, ग्रेटर नोएडा, के विद्यार्थियों एवं अध्यापकों का भ्रमण (03 / 07 / 2014).

- डॉ0 वी. भुजंग राव, डी.जी. (एनएस एंड एम), डीआरडीओ, एचक्यूआरएस, नई दिल्ली तथा डॉ0 एस.बी. सिंह, निदेशक आईटीएम, मसूरी का भ्रमण (28/07/2014).
- परियोजना प्रबंध के नव नियुक्त 46 वैज्ञानिक 'बी' तथा 4 संकाय सदस्यों का भ्रमण (28/08/2014).
- सदभावना, जम्मू एवं कश्मीर के विद्यार्थियों एवं अध्यापकों का भ्रमण (11/09/2014).
- एस.एस.बी. अकादमी, श्रीनगर (गढ़वाल) के अधिकारियों का भ्रमण (16/09/2014).
- आईएमए, देहरादून के कैडेट, कोमोडोर तथा 2 अधिकारी परिवार सहित, का भ्रमण (09/10/2014).
- श्री श्रीहरि पी., देवरी, उपाध्यक्ष एवं न्यायाधीश, सीएटी, मुंबई ब्रांच, औरंगाबाद का सपत्नीक, भ्रमण (17/10/2014).
- केरल विधान सभा, त्रिवेन्द्रपुरम के विधानसभा सदस्यों एवं अधिकारियों का सपत्नीक भ्रमण (20/10/2014).
- तमिलनाडु कृषि विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों एवं स्टाफ सदस्यों का भ्रमण (21/10/2014).
- कृषि विज्ञान विश्वविद्यालय, धारवाड़, कर्नाटक के विद्यार्थियों एवं स्टाफ सदस्यों का भ्रमण (21/10/2014).
- आंध्र प्रदेश वन अकादमी, दुलापल्ली, हैदराबाद के 2 अधिकारियों के साथ अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों का भ्रमण (15/11/2014)
- लोक प्रशासन विभाग, राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर के विद्यार्थियों एवं अध्यापकों का भ्रमण (26/11/2014).
- आईटीएम लंढोर कैंट, मसूरी के अधिकारियों का भ्रमण (28/11/2014).
- स्कॉलर फील्ड्स पब्लिक स्कूल, पटियाला (पंजाब) के विद्यार्थियों एवं अध्यापकों का भ्रमण (09/12/2014).
- वियतनाम के प्रतिनिधिमंडल का भ्रमण (14/01/2015).
- विनायक गणेश वैज कॉलेज ऑफ आर्ट्स, साइंस एंड कॉमर्स, मिथागर, रोड, मुलुन्द (ईस्ट), मुंबई के विद्यार्थियों एवं अध्यापकों का भ्रमण (01/02/2015).
- श्री सूरज भान, सचिव, संसदीय समिति, नई दिल्ली का भ्रमण (21/02/2015).
- आई.एम.ए. देहरादून, के 3 अधिकारियों सहित कैडेट्स का भ्रमण (18/03/2015).
- राष्ट्रीय मिलिट्री स्कूल, बैंग्लोर के कैडेट्स तथा संकाय सदस्यों का भ्रमण (29/03/2015).

प्रकाशन

अकादमी स्टाफ के प्रशिक्षण सत्रों तथा भ्रमण कार्यक्रमों के आयोजन के साथ–साथ प्रशिक्षण, अनुसंधान तथा प्रकाशन प्रकोष्ठ तिमाही जॉर्नल ''द एडमिनिस्ट्रेटर'' का भी प्रकाशन करता है। ला.ब.शा.रा.प्र. अकादमी वर्ष 1961 से ''द एडमिनिस्ट्रेटर'' का प्रकाशन करती आ रही है। आधी शताब्दी से अधिक समय से यह जॉर्नल सिविल सेवकों तथा शिक्षाविदों (अकादमिशयनों) को अपने–अपने क्षेत्र के अनुभवों से प्राप्त ज्ञान को आदान–प्रदान करने का मंच उपलब्ध कराता है। अनन्य रूप से न सही किंतु मुख्य रूप से सिविल सेवकों का इसमें योगदान रहा है। इस जॉर्नल में बुद्धिजीवियों, अध्येताओं तथा ऐसे प्रख्यात व्यक्तियों के योगदान को विशेष महत्व दिया जाता है जिन्होंने लोक प्रशासन, लोकनीति आदि के क्षेत्रों में अपने ज्ञान का उपयोग किया है।

वर्ष 2014–15 में अकादमी ने इस पत्रिका के दो अंकों का प्रकाशन किया। इन अंकों में विभिन्न विषयों के लेख शामिल किए गए हैं जैसे :–

- कृषि, स्वास्थ, जलवायु परिवर्तन, शिक्षा तथा भूमि अधिग्रहण अधिनियम आदि के मुद्दों से संबंधित लोक नीति।
- शहरी नियोजन, सार्वजनिक निजी सहभागिता (पीपीपी), स्वच्छता तथा सार्वभौमिक स्वास्थ कवरेज आदि से संबंधित विषय।
- तथा भ्रष्टाचार, जन लोकपाल विधेयक, मनरेगा, आर्थिक संकट आदि जैसे कतिपय सामान्य मुद्दे।

संकाय विकास

अकादमी में अपने संकाय सदस्यों की कौशलता, ज्ञान तथा उनकी शैक्षणिक तकनीकों को उन्नत करने तथा उसे अद्यतन करने के लिए एक व्यवस्थित प्रक्रिया है। इसे प्राप्त करने के लिए ऑन कैंपस प्रशिक्षण तथा देश विदेश दोनों के प्रख्यात संस्थानों से संकाय सदस्यों की नियुक्ति कर कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। संकाय विकास योजना के अंतर्गत प्रशिक्षण, कार्यशालाओं, सेमीनारों में भाग लेने तथा भारत तथा विदेश दोनों में सहयोग की संभावनाओं का पता लगाने के लिए निम्नलिखित संकाय सदस्यों की तैनाती की गई।

संकाय का नाम	प्रशिक्षण/कार्यशाला/सेमीनार	अवधि	स्थान
डॉ0 सचिव कुमार,	डीटीएस	5–9 जनवरी, 2014	एटीआई, पश्चिम बंगाल
डॉ0 सचिव कुमार,	डीओटी	12–16 जनवरी, 2014	एटीआई, पश्चिम बंगाल
डॉ0 मोनोनिता कुंडु दास	डीटीस	5–9 जनवरी, 2014	एटीआई, पश्चिम बंगाल
डॉ0 मोनोनिता कुंडु दास	डीओटी	12–16 जनवरी, 2014	एटीआई, पश्चिम बंगाल
श्री तेजवीर सिंह	पर्सनल इफेक्टिवनेस–निगोसिएशन्स स्ट्रेटजीज	8–9 जनवरी, 2015	आईएसबी, हैदराबाद
डॉ0 प्रेम सिंह	पर्सनल इफेक्टिवनेस–निगोसिएशन्स स्ट्रेटजीज	8–9 जनवरी, 2015	आईएसबी, हैदराबाद
श्रीमति निधि शर्मा	पर्सनल इफेक्टिवनेस–निगोसिएशन्स स्ट्रेटजीज	8–9 जनवरी, 2015	आईएसबी, हैदराबाद
श्री मनस्वी कुमार	पब्लिक फाइनेंशियल मैनेजमेंट एंड अकाउंट एबेलिटी	9–13 जनवरी, 2015	आईसीआईएसए, नोएडा
श्री आलोक पांडेय	मैटेरियल्स मैनेजमेंट एंड परचेज पॉलिसी एंड प्रोसीजर	9–11 अक्टूबर, 2014	नेशनल काउंशिल फॉर ट्रेनिंग एंड सोशल रिसर्च, नई दिल्ली
श्री अशोक दलाल	मैटेरियल्स मैनेजमेंट एंड परचेज पॉलिसी एंड प्रोसीजर	9–11 अक्टूबर, 2014	नेशनल काउंशिल फॉर ट्रेनिंग एंड सोशल रिसर्च, नई दिल्ली
श्री विपिन कुमार	मैटेरियल्स मैनेजमेंट एंड परचेज पॉलिसी एंड प्रोसीजर	9–11 अक्टूबर, 2014	नेशनल काउंशिल फॉर ट्रेनिंग एंड सोशल रिसर्च, नई दिल्ली
श्री ज्ञान चंद्रा	पे फिक्सेशन	22–24 नवंबर, 2014	आईएसटीएम, नई दिल्ली।
श्री बिनोद कुमार बगासी	पे फिक्सेशन	22–24 नवंबर, 2014	आईएसटीएम, नई दिल्ली।
श्री सुमित कुमार	कंप्यूटर स्किल्स	24–26 नवंबर, 2014	आईएसटीएम, नई दिल्ली।

प्रशिक्षण अनुसंधान एवं प्रकाशन प्रकोष्ठ द्वारा आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम

- दिनांक 16 जून से 22 जून, 2014 तक मेज्जनिन लीडरशिप कौशलता पर मॉड्यूल।
- 6 दिसंबर, 2014 को कृषि संबंधी प्रशिक्षण पाठ्यक्रम को सुधारने के लिए प्रशिक्षण कार्यशाला।
- 6 से 7 दिसंबर, 2014 तक ''वार्ताओं'' पर प्रशिक्षकों के लिए प्रशिक्षण
- 8 से 10 दिसंबर, 2014 तक आधारिक पाठ्यक्रम के लिए लीडरशिप मॉड्यूल पर प्रशिक्षकों के लिए प्रशिक्षण।
- 13 दिसंबर, 2014 को एक दिवसीय विजनिंग कार्यशाला का आयोजन किया गया।
- 2014–15 के दौरान ला.ब.शा.रा.प्र.अ. तथा चाइना एक्जीक्यूटिव लीडरशिप अकेडमी पुडोंग (सीईएलएपी), चाइना गणराज्य के बीच समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए।

आपदा प्रबंधन केंद्र

आपदा प्रबंधन केंद्र (सीडीएम), ला.ब.शा.रा.प्र.अ. एक क्षमता वर्धन तथा अनुसंधान केंद्र है जो ला.ब.शा.रा.प्र.अ., मसूरी की छत्रछाया में कार्य करता है। प्रशिक्षण कार्यक्रम के आयोजन के अलावा यह केन्द्र आपदा प्रबंधन के क्षेत्र में भारतीय परिस्थितियों के अनुरूप विश्व के श्रेष्ठ कार्यों के अनुकूलन के लिए राष्ट्रीय कार्यनीति का निर्धारण करता है।

केन्द्र निदेशक का नाम : श्री सौरभ जैन, उपनिदेशक, ला.ब.शा.रा.प्र.अ.

प्रशिक्षण पाठ्यक्रम

(I) आपदा प्रबंधन पर मॉड्यूल

1.	आधारिक, चरण– I, II तथा इंडक्शन कार्यक्रम के लिए आपदा प्रबंधन पर मॉड्यूल आयोजित किए गए	वित्त वर्ष 2014–15	अखिल भारतीय तथा समूह 'क' केन्द्रीय सेवाओं/परिवीक्षा अवधि प्रशिक्षण के दौरान भा.प्र. सेवा के अधिकारियों/ राज्य सिविल सेवा से पदोन्नत भा.प्र. सेवा अधिकारियों के लिए

(II) विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी में शासन (16 से 20 जून, 2014)

क्रम सं.	विवरण	कार्य विवरण
1.	पाठ्यक्रम का नाम	विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी में शासन
2.	अवधि	1 सप्ताह (16 से 20 जून 2014)
3.	पाठ्यक्रम समन्वयक का नाम	श्री सौरभ जैन, निदेशक, आपदा प्रबंधन केंद्र एवं उपनिदेशक, ला.ब.शा.रा.प्र.अ.
4.	पाठ्यक्रम टीम के अन्य सदस्यों के नाम	डॉ0 इंद्रजीत पाल, एसोसिएट प्रोफेसर, सीडीएम, श्री एन.वी. जोसेफ, शोध अधिकारी, सीडीएम श्री अभिनव वालिया, शोध अधिकारी, सीडीएम
5.	प्रतिभागियों की संख्या	कुल प्रतिभागी – 23, (पुरुष–15, महिलाएं– 08)
6.	प्रतिनिधित्व करने वाले बैच	सरकारी प्रतिष्ठानों के वैज्ञानिक/प्रौद्योगिकीविद्
7.	कार्यक्रम का उद्घाटन	डॉ0 आनंद शर्मा, आईएमडी एवं डॉ0 इंद्रजीत पाल एसोसिएट प्रोफेसर, सीडीएम, ला.ब.शा.रा.प्र.अ.
8.	विदाई संबोधन	श्री राजीव कपूर, निदेशक, ला.ब.शा.रा.प्र.अ.

प्रकाशन

- "आपदा – प्रतिक्रिया तथा प्रबंधन" खंड–2, संस्करण– I, प्रकाशक–आपदा प्रबंधन केन्द्र, ला0ब0शा0रा0प्र0 अकादमी, मसूरी (आईएसएसएन: 2347–2553)

राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं में प्रकाशित शोध लेख

- वालिया.ए. (2014), "द इम्पोर्टेंस ऑफ जीआईएस इन डिजास्टर एंड इमरजेंसी मैनेजमेंट : ए केस स्टडी ऑफ उत्तरकाशी क्लाउड बर्स्ट फ्लैश फ्लड", साउथ एशिया डिजास्टर नेट, स्पेशल इशू नम्बर 112, जून, 2014
- वालिया.ए. (2015), "वे अहेड इन उत्तराखंड रिकवरी", साउथ एशिया डिजास्टर नेट, स्पेशल इशू नम्बर 126, फरवरी, 2015
- पाल.आई.,एस. जैन, तथा ए. वालिया (2014), "डिजास्टर रिस्क रिडक्शन एंड आईसीटी एप्लीकेशन्स–ए कॉन्सेप्चुअल फ्रेमवर्क फॉर टूरिज्म मैनेजमेंट इन उत्तराखंड, इंडिया", आधुनिक संचार प्रौद्योगिकी तथा अनुसंधान की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका खण्ड–2, संस्करण 4, अप्रैल, 2014 (आईएसएसएन:2321–0850).
- "अरबन फ्लडिंग चैलेंजेज इन मुंबई" पर प्रकरण अध्ययन (प्रक्रियाधीन)
- उड़ीसा में आपदाशासन तथा प्रतिक्रिया चक्रवात फैलिन पर प्रकरण अध्ययन (प्रक्रियाधीन)
- जम्मू कश्मीर में 2014 में आपदा अनुक्रिया तथा निकासन पर प्रकरण अध्ययन (प्रक्रियाधीन)

- जम्मू–कश्मीर तथा हिमाचल में हिमस्खलन की समस्या (प्रक्रियाधीन)
- उत्तराखंड फ्लैश फ्लड 2013 (प्रक्रियाधीन)
- "प्रिपेयरिंग फॉर एन इमर्जेंसी, द स्मार्ट थिंग्स टु डू" नामक छोटी पुस्तिका (प्रक्रियाधीन)

ग्रामीण अध्ययन केन्द्र

वर्ष 1989 में, ग्रामीण विकास मंत्रालय, भारत सरकार ने लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी, मसूरी को "भारत में भूमि सुधार का समसामयिक मूल्यांकन" विषय पर अध्ययन करने का कार्य सौंपा। इस कार्य का मुख्य घटक जिला प्रशिक्षण अवधि के दौरान अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों द्वारा उपलब्ध कराए गए आंकड़े तथा रिपोर्टों के आधार पर भूमि सुधार का समसामयिक मूल्यांकन करना था। ग्रामीण अध्ययन एकक (वीएसयू) तथा भूमि सुधार एकक (एलआरयू) का विलय करके ग्रामीण अध्ययन केन्द्र बनाया गया था। आरंभिक कार्य के अलावा, गरीबी उन्मूलन योजनाओं के समसामयिक मूल्यांकन का कार्य भी इस केन्द्र को सौंपा गया।

आजकल यह केन्द्र भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों को मोटे तौर पर भूमि प्रशासन तथा ग्रामीण विकास पर जमीनी वास्तिविकताओं से परिचित कराते हुए उन्हें जानकारी दे रहा है। यह केन्द्र शोध अध्ययन भी आयोजित करता है तथा शिक्षाविदों, प्रशासकों, कार्यकर्ताओं एवं संबंधित नागरिकों के बीच भूमि प्रशासन तथा ग्रामीण विकास पर नियमित रूप से विचारों का आदान–प्रदान करने के लिए प्रकाशनों के रूप में तथा मंच तैयार करके इसका प्रचार–प्रसार करता है। केन्द्र द्वारा आयोजित राष्ट्रीय स्तर के कार्यशालाओं में यह प्रक्रिया अपनायी जाती है।

केन्द्र निदेशक का नाम – डॉ0 प्रेम सिंह, उपनिदेशक वरिष्ठ

शोध (संपन्न)

- राष्ट्रीय भू अभिलेख आधुनिकीकरण कार्यक्रम (एनएलआरएमपी) का निष्पादन करने के लिए राज्यों की मौजूदा क्षमताओं का पता लगाना तथा समय–सीमा का निर्धारण–एक मूल्यांकन
- भू–अभिलेख प्रबंधन में श्रेष्ठ कार्यों का प्रलेखन–महाराष्ट्र, पश्चिम बंगाल
- भारत में भू–संसाधन प्रबंधन पर श्रेष्ठ कार्य अध्ययन : कर्नाटक, महाराष्ट्र, हरियाणा तथा पश्चिम बंगाल
- अनुबंध खेती – लघु तथा सीमांत कृषकों के हितों की रक्षा
- भूमि तथा आजिविका उपक्रम : कर्नाटक, पश्चिम बंगाल, उड़ीसा, आंध्र प्रदेश और बिहार से शिक्षा प्राप्त करना

शोध (जारी)

- भू–स्वामित्व में जेंडर मुद्दा : मौजूदा भूमि कानूनों की समीक्षा
- बिहार, केरल और पश्चिम बंगाल में वक्फ संपत्ति अभिलेखों का आधुनिकीकरण
- मध्य प्रदेश तथा पंजाब में एनएलआरएमपी का अध्ययन
- राष्ट्रीय भू–अभिलेख आधुनिकीरण का कार्यान्वयन सहित राज्यों के पुनर्लोकन पर अध्ययन
- पूर्वोत्तर राज्यों में भूमि प्रशासन – कवर की गई दूरियां तथा आगे की चुनौतियां
- भारत में आधुनिक भू–कर संबंधी सर्वेक्षण पर पुस्तिका

इसके अलावा, भू–अभिलेख विभाग ने ग्रामीण अध्ययन केन्द्र को राष्ट्रीय भू–अभिलेख आधुनिकीकरण कार्यक्रम (एनएलआरएमपी) एक मूल्यांकन, का निष्पादन करने के लिए ;पद्ध भू–अभिलेख प्रबंधन में श्रेष्ठ कार्यों के प्रलेखन तथा ;पपद्ध राज्यों की मौजूदा क्षमताओं का पता लगाने और समय – सीमा निर्धारित करने जैसे दो अध्ययन कार्य सौंपे थे। ग्रामीण अध्ययन केन्द्र ने भू–अभिलेख प्रबंधन में श्रेष्ठ कार्यों के प्रलेखन पर सात रिपोर्ट तैयार की है तथा तीन पर कार्य चल रहा है। ग्रामीण अध्ययन केन्द्र ने राष्ट्र भू–अभिलेख आधुनिकीकरण कार्यक्रम (एनएलआरएमपी) – एक मूल्यांकन, का निष्पादन करने के लिए "राज्यों की मौजूदा क्षमतओं का पता लगाने एवं समय–सीमा निर्धारित करने" पर दो रिपोर्ट भी तैयार की है तथा गुजरात, गोवा तथा आंध्र प्रदेश राज्यों में रिपोर्टों पर कार्य किया जा रहा है।

प्रशिक्षण पाठ्यक्रम

ग्रामीण अध्ययन केन्द्र आधारिक तथा भा.प्र. सेवा व्यावसायिक पाठ्यक्रमों के दौरान अकादमी के प्रशिक्षण कार्यक्रमों में कार्यरत रहता है। चालू वर्ष में ग्रा.अ.के. ने निम्नलिखित प्रशिक्षण कार्यकलाप आयोजित किए :

ग्रामीण अध्ययन भ्रमण कार्यक्रम

89वां आधारिक पाठ्यक्रम

ग्रामीण अध्ययन केन्द्र ने 1 से 8 नवंबर, 2014 तक ग्रामीण अध्ययन भ्रमण कार्यक्रम आयोजित किया। अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों को हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, उत्तर प्रदेश तथा उत्तराखंड राज्यों के 11 जिलों के 53 गांव में भेजा गया था।

विभिन्न विषयों पर पीएलए अभ्यासों के अलावा इस वर्ष अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों ने सभी गांव में स्वच्छ भारत अभियान चलाया। उन्होंने जन रैलियां आयोजित की, विद्यालयों में बैठकें की और ग्रामीणों तथा विद्यार्थियों को स्वच्छ भारत की शपथ दिलाई। अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों ने अपने ग्रामीण संबद्धताओं के दौरान नुक्कड़ नाटक तथा गीतों के माध्यम से साफ सफाई और स्वच्छता का संदेश भी दिया।

भा.प्र. सेवा व्यावसायिक पाठ्यक्रम चरण– I

इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में 2014 बैच के 183 भा.प्र. सेवा अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों ने भाग लिया। ग्रामीण अध्ययन केन्द्र 2 मॉड्यूलों अर्थात भू–प्रशासन मॉड्यूल तथा ग्रामीण विकास मॉड्यूल को तैयार करने में संबद्ध रहा। ये मॉड्यूल एसीएम द्वारा अनुमोदित रूपरेखा के अनुसार वितरित किए गए। केन्द्र ने पैमाइश तथा बंदोबस्त में व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया तथा पुराने पारंपरिक पद्धतियों तथा ईटीएस और जीपीएस का प्रयोग करते हुए आधुनिक प्रौद्योगिकियों से भूमि सर्वेक्षण का प्रत्यक्ष अभ्यास भी कराया। स्थानीय भू–राजस्व विभाग तथा भारतीय सर्वेक्षण विभाग, देहरादून ने इस प्रशिक्षण के लिए आवश्यक सहायता प्रदान की।

भा.प्र. सेवा व्यावसायिक पाठ्यक्रम चरण– II के लिए ग्रामीण अध्ययन असाइनमेंट

यह असाइनमेंट भा.प्र. सेवा के अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों के लिए जिला प्रशिक्षण असाइनमेंट का प्रमुख अंग होता है। केन्द्र ने 2012–14 बैच के भा. प्र. सेवा अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों से 75 सामाजार्थिक/भूमि सुधार रिपोर्टें प्राप्त की। उन रिपोर्टों का उपयोग ग्रामीण भारत की सामाजार्थिक रूपरेखा के संपादित संस्करणों में प्रकाशनार्थ किया जाएगा।

कार्यशालाएं/सेमिनार

दो कार्यशालाएं आयोजित की गई :

- रियासत भूमि तथा आजीविका की पहल और
- पूर्वोत्तर राज्यों में भूमि संबंधी प्रथागत कानूनों का कोडिफिकेशन (संहिताकरण)

पहले कार्यशाला की रिपोर्ट प्रकाशित की गई है।

प्रकाशन

केन्द्र द्वारा निम्नलिखित आठ प्रकाशन प्रकाशित किए गए:–

- भारत में भू–अभिलेख प्रबंधन : सुधार के लिए दलील
- स्वायत्त जिला परिषद तथा भूमि प्रशासन
- वक्फ अभिलेख प्रबंधन में राष्ट्रीय परामर्शदाता
- पश्चिम बंगाल में एनएलआरएमपी के निष्पादन के लिए मौजूदा क्षमताओं का पता लगाना
- उत्तर भारत का ग्रामीण परिदृश्य : हरियाणा, उत्तर प्रदेश तथा पंजाब में ग्रामीण अध्ययन एकक रिपोर्टों का एक विश्लेषण
- अनुबंध खेती : भारत में लघु तथा सीमांत कृषकों के हितों की रक्षा करना
- निर्णयात्मक भू–स्वामित्व प्रणाली : भूमि प्रशासन में सुधार की आवश्यकता
- भूमि तथा ग्रामीण अध्ययन जॉर्नल

राष्ट्रीय जेंडर केंद्र

राष्ट्रीय जेंडर प्रशिक्षण, योजना तथा अनुसंधान केन्द्र (राष्ट्रीय जेंडर केन्द्र) की स्थापना 1993 में की गई थी तथा 1998 में सोसाइटीज एक्ट 1860 के अंतर्गत सोसाइटी के रूप में पंजीकृत किया गया था। राष्ट्रीय जेंडर केन्द्र एक क्षमतावर्धक केन्द्र है जो ला.ब.शा.रा.प्र. अकादमी,मसूरी के हिस्से के रूप में कार्य करता है।

इस केन्द्र का मिशन ग्लोबल नेटवर्क पार्टनर के साथ कार्य करना तथा सरकार में नीतिगत मामलों, कार्यक्रम निर्धारण तथा क्रियान्वयन में जेंडर तथा बाल अधिकारों को मुख्य धारा से जोड़ना है ताकि यह सिद्ध किया जा सके कि जेंडर तथा बाल अधिकार मुद्दा सरकार के लिए सबसे महत्वपूर्ण है और यह भी सुनिश्चित किया जा सके कि पुरुष, महिला तथा बच्चों का समान विकास किया जा रहा है। यह केन्द्र अकादमी में अखिल भारतीय सेवाओं तथा केन्द्र सेवाओं के अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों को पाठ्यक्रमों तथा सुग्राह्य विषयों के जरिए जेंडर संबंधी प्रशिक्षण देता है।

अकादमी के नियमित पाठ्यक्रमों के अलावा केन्द्र शासन में जेंडर तथा बाल अधिकारों की योजनाओं को संस्थित करने के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रमों तथा सम्मेलनों से संबंधित विषय विशेष के आयोजन में कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग,एमडब्ल्यूडीसी, एनसीडब्ल्यू, एनसीपीसीआर, यूएनआईसीईएफ, यूएन–वूमेन, जैसी द्विपक्षीय एजेंसियों से संबद्ध रहता है।

केन्द्र निदेशक का नाम : सुश्री रोली सिंह, भा.प्र. सेवा

गतिविधियां

शोध

श्रेष्ठ कार्यों का प्रलेखन : –

देश के विभिन्न भागों से चयनित शासन में श्रेष्ठ कार्यों पर प्रकरण अध्ययन कराने के उद्देश्य से श्रेष्ठ कार्यों का प्रलेखन किया गया। इसका उद्देश्य इन्हें ला.ब.शा.रा.प्र. अकादमी द्वारा संचालित किए जाने वाले विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों के लिए शिक्षण सामग्री के रूप में प्रयोग करना था।

- भारत में पोलियो उन्मूलन – सुश्री अनुराधा गुप्ता एवं डॉ0 एन.सी. सक्सेना
- सिकल सेल एनीमिया नियंत्रण कार्यक्रम – श्री पी.के. तनेजा एवं सुश्री रंजना चोपड़ा
- निःशक्त बच्चों के लिए शिक्षा एवं प्रशिक्षण केंद्र – सुश्री वर्षा भागवत एवं सुश्री सरोजिनी जी. ठाकुर
- महाराष्ट्र में पोषण मिशन – सुश्री वन्दना कृष्णा
- तुएनसांग में सेवा प्रदायगी – श्री चिंग मैक एवं श्री तेजिंदर संधु
- धारवाड़ में राउंड द क्लॉक वॉटर सप्लाई – श्री दर्पण जैन
- आपदा प्रबंधन – आ.प्र. अनुभव – श्री एस.पी. तुकर एवं श्री तेजिंदर संधु
- महिला एवं बाल विकास में नीतिगत सुधार – उड़ीसा – श्री सास्वत मिश्रा एवं प्रोफेसर अमर नायक
- हरदा में गेहूं की खरीद – श्री जॉन किंग्सले एवं प्रोफेसर अमर नायक
- मध्य प्रदेश में एससीएनयू – श्री प्रवीर कृष्ण एवं श्री तेजिंदर संधु

बाल अधिकार पर मॉड्यूल तैयार करना :–

राष्ट्रीय जेंडर केन्द्र ने बाल अधिकार पर प्रशिक्षण मॉड्यूलतैयार किया ताकिएक पुस्तिका के रूप में ला.ब.शा.रा.प्र. अकादमी में ही नहीं बल्कि बाल अधिकार पर प्रशिक्षण हेतु देश के अन्य विभिन्न प्रशिक्षण संस्थानों में इसका प्रयोग किया जा सके। इतना ही नहीं नियमित प्रशिक्षण कार्यक्रमों के लिए 3 से 5 दिन का स्टेंडअलोन मॉनक मॉड्यूल कार्यशालाओं का आयोजन भी किया गया।

प्रशिक्षण पाठ्यक्रम

जेंडर एवं बाल अधिकार पर प्रशिक्षण कार्यक्रम (22 से 25 जुलाई, 2014):–

राष्ट्रीय जेंडर केंद्र, ला.ब.शा.रा.प्र. अकादमी ने श्रीनगर में दिनांक 22 से 25 जुलाई तक यूनिसेफ तथा प्रबंधन एवं लोक प्रशासन संस्थान, श्रीनगर के सहयोग से जेंडर तथा बाल अधिकार पर जम्मू तथा कश्मीर के अधिकारियों के लिए एक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया। इस कार्यक्रम का उद्देश्यराज्य में जेंडर संवेदी प्रशासन बनाने के एक प्रयास के तौर पर जेंडर तथा बाल अधिकार से संबंधित

मुद्दों पर चर्चा करने हेतु भा.प्र. सेवा, भारतीय पुलिस सेवा, कश्मीर प्रशासनिक सेवा तथा जम्मू एवं कश्मीर राज्य के अन्य सेवाओं के अधिकारियों को सार्वजनिक मंच पर लाना था।

कार्यशाला तथा सेमिनार

बाल अधिकार पर प्रशिक्षण मॉड्यूल विकसित करने हेतु राष्ट्रीय परामर्श कार्यशाला (7 तथा 8 अप्रैल, 2014)

महिला एवं बाल विकास मंत्रालय ने युवा प्रशासकों तथा मध्यावधि प्रशिक्षण कार्यक्रमों के अधिकारियों कीजानकारी एवं क्षमता वर्धन करने के लिए राष्ट्रीय जेंडर केंद्र, ला.ब.शा.रा.प्र. अकादमी को बाल अधिकारों पर मॉड्यूलतैयार करने का कार्य सौंपा है। इस कार्य को पूरा करने के लिए राष्ट्रीय जेंडर केंद्र ने 7 और 8 अप्रैल, 2014 को यूनिसेफ, नई दिल्ली के सहयोग से बाल अधिकारों पर प्रशिक्षण मॉड्यूल संबंधी दो दिवसीय राष्ट्रीय परामर्श कार्यशाला आयोजित की। इस सम्मेलन को आयोजित करने का उद्देश्य सिविल सेवकों के लिए अकादमी द्वारा संचालित किए जाने वाले विभिन्न पाठ्यक्रमों/कार्यक्रमों के लिए बाल अधिकार पर आधारित प्रशिक्षण मॉड्यूल विकसित करना तथा विभिन्न पाठ्यक्रमों के लिए प्रशिक्षण के सबसे उपयुक्त विषयों पर विचार करना था।

''शासन पर श्रेष्ठ कार्यों'' संबंधी कार्यशाला (28 से 30 अप्रैल, 2014)

राष्ट्रीय जेंडर केंद्र ने दिनांक 28–30 अप्रैल, 2014 तक ला.ब.शा.रा.प्र. अकादमी में शासन के विभिन्न क्षेत्रों से संबंधित श्रेष्ठ कार्यों के प्रलेखन के लिए तीन दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया जिसका उद्देश्य अधिकारियों के पहल कदमों को प्रदर्शित करने के लिए उन्हें एक मंच प्रदान करना और अकादमी के विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों में शिक्षण सहायता के रूप में उनका उपयोग करना था। इस प्रयास के पहले चरण के रूप में 17 पहलुओं का चयन किया गया तथा कार्यशाला में प्रस्तुतीकरण हेतु आमंत्रित किया गया। ''लर्निंग एक्सपियरेंस'' के इस यथार्थ कार्य में यूनिसेफ ने सहयोग दिया।

बाल अधिकारों पर प्रशिक्षण मॉड्यूल को अंतिम रूप देने के लिए समेकन कार्यशाला (7 एवं 8 जुलाई, 2014)

महिला एवं बाल विकास मंत्रालय ने युवा प्रशासकों तथा मध्यावधि प्रशिक्षण कार्यक्रमों के अधिकारियों की जानकारी एवं क्षमता वर्धन के लिए राष्ट्रीय जेंडर केंद्र, ला.ब.शा.रा.प्र. अकादमी को बाल अधिकारों पर मॉड्यूल तैयार करने का कार्य सौंपा है। इस कार्य को पूरा करने के लिए राष्ट्रीय जेंडर केंद्र ने अकादमी में संचालित प्रशिक्षणों के विभिन्न स्तरों/चरणों में शामिल किए जाने वाले बच्चों से संबंधित महत्वपूर्ण विषयों की पहचान करने हेतु राष्ट्रीय स्तर के विशेषज्ञों के साथ विचार मंथन किया। इस दिशा में अगले कदम के रूप में ला.ब.शा.रा.प्र. अकादमी में दिनांक 7 एवं 8 जुलाई, 2014 को बाल अधिकारों पर मॉड्यूलों को अंतिम रूप देने के लिए ''समेकन कार्यशाला'' का आयोजन किया गया। इस सम्मेलन का उद्देश्य सिविल सेवकों के लिए अकादमी द्वारा संचालित किए जाने वाले विभिन्न पाठ्यक्रमों/कार्यक्रमों हेतु बाल अधिकारों पर आधारित प्रशिक्षण मॉड्यूल को अंतिम रूप देना तथा विभिन्न पाठ्यक्रमों के लिए प्रशिक्षण के सबसे उपयुक्त विषयों पर विचार करना था।

''शासन पर श्रेष्ठ कार्यों'' के संबंध में कार्यशाला (12 तथा 13 अगस्त, 2014)

राष्ट्रीय जेंडर केंद्र ने दिनांक 12 से 13 अगस्त, 2014 तक ला.ब.शा.रा.प्र. अकादमी में शासन के विभिन्न क्षेत्रों से संबंधित श्रेष्ठ कार्यों के प्रलेखन के लिए दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया जिसका उद्देश्य अधिकारियों के पहल–कदमों को प्रदर्शित करने के लिए उन्हें एक मंच प्रदान करना था। इस कार्य के दूसरे कदम के रूप में 10 पहलुओं का चयन किया गया तथा कार्यशाला में प्रस्तुति के लिए आमंत्रित किया गया। लर्निंग एक्सपियरेंस के इस यथार्थ कार्य में यूनिसेफ ने सहयोग दिया।

''जेंडर रिस्पोंसिव बजट एवं महिलाओं के खिलाफ हिंसा'' पर कार्यशाला (17 –19 दिसंबर, 2014)

राष्ट्रीय जेंडर केंद्र, ला.ब.शा.रा.प्र. अकादमी ने दिनांक 17 से 19 दिसंबर, 2014 तक महिला एवं बाल विकास मंत्रालय, नई दिल्ली के सहयोग से ''जेंडर रिस्पोंसिव बजट एवं महिलाओं के खिलाफ हिंसा'' पर तीन दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया। इस तथ्यपरक प्रशिक्षण कार्यक्रम के आयोजन का उद्देश्य महिलाओं के खिलाफ हिंसा एवं जेंडर बजट के मुद्दे को उजागर करना था। इस कार्यक्रम का उद्देश्य पंजाब, कर्नाटक, उड़ीसा, मणिपुर, बिहार, दिल्ली, उत्तराखंड और राजस्थान राज्यों के गृह, वित्त, योजना और स्वास्थ्य जैसे प्रमुख विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों को एक साथ लाकर विचार–विमर्श एवं चर्चा के लिए एक गतिशील मंच उपलब्ध कराना था।

प्रकाशन

अकादमी के पाठ्यक्रमों (आधारिक पाठ्यक्रम एवं चरण– I) के लिए जेंडर मुद्दों पर प्रशिक्षण मॉड्यूल ।

अध्याय **5**

क्लब और सोसाइटियां

प्रशिक्षणार्थियों को उनकी रचनात्मक प्रतिभाओं को प्रदर्शित करने के लिए समृद्ध एवं विविध परिसरीय जीवन जीने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। इस उद्देश्य की प्राप्ति के लिए अधिकारी प्रशिक्षणार्थी विभिन्न क्लबों तथा सोसाइटियों के कार्य में व्यस्त रहते हैं। वर्ष के दौरान इन क्लबों तथा सोसाइटियों की गतिविधियों का ब्योरा निम्नानुसार है :–

साहसिक खेलकूद क्लब

मा.प्र. सेवा चरण– I (2013 बैच)

निदेशक नामिति का नाम : डॉ0 प्रेम सिंह बोग्जी, उपनिदेशक वरिष्ठ

पदाधिकारी : श्री आदित्य नेगी (सचिव), सुश्री चांदनी सिंह (सदस्य), श्री पराग हर्षद गवली (सदस्य), श्री चंद्रशेखर एल. नायक (सदस्य)

मा.प्र. सेवा चरण– II (2012 बैच)

निदेशक नामिति का नाम : डॉ0 प्रेम सिंह बोग्जी, उपनिदेशक वरिष्ठ

पदाधिकारी : श्री पियूष सिंघल (सचिव), श्री मानवेंदर प्रताप सिंह (सदस्य), श्री प्रिंस धवन (सदस्य)

88वां आधारिक पाठ्यक्रम

निदेशक नामिति का नाम : डॉ0 प्रेम सिंह बोग्जी, उपनिदेशक (वरिष्ठ)

पदाधिकारी : श्री पार्थरजनीश गोहिल, (सदस्य), सुश्री एचना, (सदस्य), श्री अंकित मित्तल, (सदस्य),श्री राहुल हेडगे बी.के., (सदस्य)

गतिविधियां

साहसिक खेलकूद क्लब के सभी प्रशिक्षण पाठ्यक्रम में विभिन्न गतिविधियां जैसे रीवर राफ्टिंग, स्थानीय ट्रेक से कैम्टीफॉल तक बंगी जंपिंग, बिनोग हिल, लाल टिब्बा, आईटीएम एवं जॉर्ज एवरेस्ट, तक बंगी जंपींग, मेन ट्रेक तथा रॉक कलाईंबिंग, आटीबीपी ट्रैकिंग का आयोजन किया।

अलम्नाई एसोसिएशन

मा.प्र. सेवा चरण– I (2013 बैच)

निदेशक नामिति का नाम : श्री सौरभ जैन, उपनिदेशक

पदाधिकारी : श्री सूरज कुमार, (समन्वयक), सुश्री दिव्या मित्तल, (सदस्य), श्री राहुल सिंह, (सदस्य), सुश्री रजनी सिंह, (सदस्य)

मा.प्र. सेवा चरण– II (2012 बैच)

निदेशक नामिति का नाम : श्री मनस्वी कुमार, उपनिदेशक

पदाधिकारी : श्री राजनवीर सिंह कपूर, (समन्वयक), श्री मानवेन्द्र प्रताप सिंह, (सदस्य), श्री पवन काड्यन, (सदस्य)

88वां आधारिक पाठ्यक्रम

निदेशक नामिति का नाम : श्री जयंत सिंह, उपनिदेशक, वरिष्ठ

पदाधिकारी : श्री कुंदन कुमार, (समन्वयक), सुश्री चिन्मयी गोपाल, (सदस्य), श्री साकेत मालवीय, (सदस्य), सुश्री रेनू यादव, (सदस्य), सुश्री प्रेरणा शर्मा, (सदस्य)

गतिविधियां

इन्होंने विभिन्न प्रतियोगिताओं एवं गतिविधियों का आयोजन करने में रूचि ली। अलम्नाई एसोसिएशन अकादमी की वेबसाइट www.lbsalumni.gov.in पर अलम्नाई कॉर्नर के अद्यतन में भी आगे रहा है।

कंप्यूटर सोसाइटी

भा.प्र. सेवा चरण– I (2013 बैच)

निदेशक नामिति का नाम : श्री संतोष चक्रवर्ती, प्रमुख, एनआईसी प्रशिक्षण यूनिट

पदाधिकारी : श्री फ्रैंक नॉबल ए., (सचिव), श्री राउत राजेन्द्र अभिजीत, (सदस्य), श्री रमेश रंजन, (सदस्य), श्री एम. भराणी कुमार, (सदस्य), श्री शशि रंजन, (सदस्य)

भा.प्र. सेवा चरण– II (2012 बैच)

निदेशक नामिति का नाम : श्री संतोष चक्रवर्ती, प्रमुख, एनआईसी प्रशिक्षण यूनिट

पदाधिकारी : श्री अंकित कुमार अग्रवाल, (सचिव), श्री घनश्याम दास, (सदस्य), श्री सिद्धार्थ सिहाग, (सदस्य), श्री शांतनु कुमार, अग्रहारी, (सदस्य), श्री तुषार दलपति भाई सुमेरा, (सदस्य)

66वां आधारिक पाठ्यक्रम

निदेशक नामिति का नाम : श्री संतोष चक्रवर्ती, प्रमुख, एनआईसी प्रशिक्षण यूनिट

पदाधिकारी : श्री लक्ष्मी प्रसाद, (सचिव), श्री दीपक पदमाकुमार, (सदस्य), श्री गुरुदत्त डेगड़े, (सदस्य), श्री पंकज फुकान, (सदस्य), श्री रघुनंदन मूर्ती (सदस्य)

इन्होंने विभिन्न प्रतियोगिताओं एवं गतिविधियों का आयोजन करने में अत्यधिक रूचि ली।

गतिविधियां

वर्ष 2014–15 के दौरान कंप्यूटर सोसाइटी, ला0ब0शा0रा0प्र0 अकादमी, मसूरी द्वारा निम्नलिखित गतिविधियों का अयोजन किया :–

- भा0प्र0 सेवा व्यावसायिक पाठ्यक्रम चरण– I (2013 बैच) के दौरान, अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों के लिए ऑन–लाइन कंप्यूटर गेमिंग कॉन्टेस्ट आयोजित किया गया।
- भा0प्र0 सेवा व्यावसायिक पाठ्यक्रम चरण– II (2012 बैच), के दौरान अधिकारी प्रशिणार्थियों के लिए निम्नलिखित गतिविधियों का आयोजन किया गया :
- एमएस एक्सल, एमएस वर्ड तथा एमएस पावर प्वाइंट आदि पर अतिरिक्त कक्षाएं ली गईं।
- अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों के लिए दिनांक 19.08.2014 को कंप्यूटर प्रश्नोत्तरी का आयोजन किया गया।
- कंप्यूटर सोसाइटी द्वारा अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों के सर्वर में सुधार किया गया।

ललित कला एसोसिएशन

भा.प्र. सेवा चरण– I (2013 बैच)

निदेशक नामिति का नाम : श्रीमती रंजना चोपड़ा, संयुक्त निदेशक

पदाधिकारी : श्री अलबी जॉन वर्गीज, (सदस्य), सुश्री गायत्री कृष्णन बी., (सदस्य), श्री अजय कुमार, (सदस्य), श्री रामकुमार एस., (सदस्य), श्री पाणीकर हरिशंकर, (सदस्य), श्री राज कमल यादव, (विशेष आमंत्रित)

भा.प्र. सेवा चरण– II (2012 बैच)

निदेशक नामिति का नाम : श्रीमती रंजना चोपड़ा, संयुक्त निदेशक

पदाधिकारी : श्री विष्णु वी., श्री औरंगाबादकर अमरुतेश कालीदास, श्री अविचल चतुर्वेदी, सुश्री निधि चौधरी

66वां आधारिक पाठ्यक्रम

निदेशक नामिति का नाम : सुश्री रंजना चोपड़ा, संयुक्त निदेशक

पदाधिकारी : श्री हिमांशु अग्रवाल, (सचिव), श्री आदित्य आर., (सदस्य), श्री माधव रचय्या सल्फुले, (सदस्य), सुश्री अदिती चौधरी, (सदस्य), सुश्री भारती दीक्षित, (सदस्य)

गतिविधियां

वर्ष के दौरान, ललित कला एसोसिएशन ने विभिन्न गतिविधियों जैसे अंतः सेवा समागम, ए.के. सिन्हा एकांकी, रंगोली, दीपक सजावट प्रतियोगिता, सांस्कृतिक संध्या, फोग्राफी प्रतियोगिता तथा व्यावसायिक तरीके से अकादमी गीत की रिकार्डिंग का आयोजन किया गया।

फिल्म सोसाइटी

भा.प्र. सेवा चरण– I (2013 बैच)

निदेशक नामिति का नाम : श्री सौरभ जैन उपनिदेशक

पदाधिकारी : श्री नाथमल डीडेल, (सचिव), श्री केशव आर., (सदस्य), श्री चंद्रशेखर एल. नायक, (सदस्य), श्री चंद्र शेखर किल्ली, (सदस्य), श्री श्याम बिहारी मीणा, (सदस्य), श्री मयूर रतिलाल गोवेकर, (विशेष सदस्य), सुश्री ग्रेस लालरिंदिकी पचौव, (विशेष सदस्य), श्री अरुण कुमार विश्वकर्मा, (विशेष सदस्य)

भा.प्र. सेवा चरण– II (2012 बैच)

निदेशक नामिति का नाम : श्री सौरभ जैन, उपनिदेशक

पदाधिकारी : श्री जी.एस. समीरन, (सचिव), सुश्री आरती एम., (सदस्य), श्री नूह पी.बी., (सदस्य)

89वां आधारिक पाठ्यक्रम

निदेशक नामिति का नाम : श्री सौरभ जैन, उपनिदेशक

पदाधिकारी : श्री दीपक जैकब, (सचिव), श्री कुलदीप चौधरी, (सदस्य), सुश्री निधि तिवारी, (सदस्य)

गतिविधियां

वर्ष 2014–15 के दौरान आधारिक पाठ्यक्रम, भा0प्र0 सेवा व्यावसायिक पाठ्यक्रम चरण–I, चरण–II, चरण–III, चरण–IV एवं चरण–V के अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों के लिए सामाजिक मुद्दों के विभिन्न विषयों पर कुल 86 फिल्में दिखाई गई। प्रदर्शित फिल्मों में दर्शकों की विविध रुचियों वाली फिल्में थी। फिल्म सोसाइटी ने लगभग 39 अंग्रेजी तथा हिंदी वीसीडी/डीवीडी भी खरीदी।

अभिरूचि क्लब

अभिरूचि कल्ब का संचालन 89वें आधारिक पाठ्यक्रम तथा भा.प्र. सेवा व्यावसायिक पाठ्यक्रम चरण–I (2013 बैच) के अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों के निर्वाचित समूह द्वारा किया गया।

भा.प्र. सेवा चरण– I (2013 बैच)

निदेशक नामिति का नाम : श्री दुष्यंत नरियाला, संयुक्त निदेशक

पदाधिकारी : सुश्री हरिता वी. कुमार, (सचिव), श्री कैलाश कार्तिक एन., (सदस्य), सुश्री सृजना जी.,(सदस्य), सुश्री हर्षिता माथुर, (सदस्य), श्री आशीष गुप्ता, (सदस्य)

भा.प्र. सेवा चरण–II (2012 बैच)

निदेशक नामिति का नाम : श्री दुष्यंत नरियाला, संयुक्त निदेशक

पदाधिकारी : नूह पी.बी., (सचिव)

89वां आधारिक पाठ्यक्रम

निदेशक नामिति का नाम : श्री दुष्यंत नरियाला,संयुक्त निदेशक

पदाधिकारी : सुश्री नेहा जैन,(सचिव), सुश्री कोमल मित्तल, (सदस्य), श्री अंकुर अवधिया, (सदस्य), सुश्री चित्रा एस., (सदस्य), सुश्री सिक्ता पटनायक, (सदस्य)

गतिविधियां

वर्ष के दौरान अभिरूचि कल्ब का संचालन 89वां आधारिक पाठ्यक्रम, भा.प्र. सेवा व्यावसायिक पाठ्यक्रम चरण–प (2013 बैच) तथा चरण–II (2012 बैच) के अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों के चयनित अधि.प्रशि. द्वारा किया गया। अभिरूचि कल्ब के पदाधिकारियों ने निदेशक नामिति के दिशानिर्देश में कल्ब की विभिन्न गतिविधियों का संचालन किया।

अभिरूचि कल्ब का उद्देश्य अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों में अभिरूचि का विकास करना था। वर्ष 2014के दौरान, अभिरूचि कल्ब ने निम्नलिखित गतिविधियों का आयोजन किया :

- मूर्तिकला प्रतियोगिता
- पेंटिंग प्रतियोगिता
- फोटोग्राफी प्रदर्शनी के साथ फोटोग्राफी प्रतियोगिता
- अंतः सेवा समागम
- अंताक्षरी

क्लब के निदेशक नामिती श्री दुष्यंत नरियाला, संयुक्त निदेशक तथा वैकल्पिक निदेशक नामिती सुश्री निधि शर्मा थे।

गृह पत्रिका सोसाइटी

इस सोसाइटी मेंएक सचिव तथा तीन सदस्य होते हैं। इसका सचिव ही सोसाइटी के निदेशक नामिति के परामर्श से सोसाइटी के समस्त कार्यकलापों का समन्वयक होता है।

भा.प्र. सेवा चरण–I (2013 बैच)

निदेशक नामिति का नाम :	श्रीमती निधि शर्मा, उपनिदेशक वरिष्ठ
पदाधिकारी :	श्री प्रियांक मिश्रा, (सचिव), श्री अमनबीर सिंह बैंस, (सदस्य), सुश्री स्नेहल आर., (सदस्य), सुश्री मयूरी वसू, (सदस्य), सुश्री इश्वंदा लालू, (सदस्य)

भा.प्र. सेवा चरण– II (2012 बैच)

निदेशक नामिति का नाम :	श्रीमती निधि शर्मा, उपनिदेशक वरिष्ठ
पदाधिकारी :	सुश्री हरलीन कौर, (सचिव), श्री औरंगाबादलर अम्रतेश कालीदास, (सदस्य), श्री राजनवीर सिंह कपूर, (सदस्य), श्री घनश्याम दास, (सदस्य)

89वां आधारिक पाठ्यक्रम

निदेशक नामिति का नाम :	श्रीमती निधि शर्मा, उपनिदेशक वरिष्ठ
पदाधिकारी :	सुश्री श्रुति जे.एस., (सचिव), सुश्री एम. दीपिका, (सदस्य), श्री सुमित कुमार गांधी, (सदस्य), सुश्री शशांक आला, (सदस्य), श्री कौंथम सुधीर, (सदस्य)

गतिविधियां

गृह पत्रिका सोसाइटी ने मासिक न्यूजलेटर 'द एकेडमी' का संकलन किया। 'द एकेडमी' में अकादमी तथा इससे संबद्ध केंद्रों के विभिन्न प्रशिक्षण गतिविधियों/कार्यशालाओं को स्थान दिया गया। इसमें अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों तथा अल्मनाई को अपनी सृजनात्मक तथा साहित्यिक कौशल को प्रदर्शित करने का मंच प्रदान किया गया। इसके अलावा, गृह पत्रिका सोसाइटी ने पाठ्यक्रमों के अंत में बैच पिक्चर डायरेक्टरी भी प्रकाशित की है।

प्रबंध मंडल

प्रबंध मंडल अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों की प्रसिद्ध एवं सक्रिय सोसाइटी है। संबंधित अवधि के दौरान, मुख्य पाठ्यक्रमों में सोसाइटी ने निम्नलिखित कार्यक्रम आयोजित किए।

भा.प्र. सेवा चरण– I (2013 बैच)

निदेशक नामिति का नाम :	श्री संजीव चोपड़ा, संयुक्त निदेशक (बाद में श्री आर.के. कांकाणी, प्रोफेसर, प्रबंधन)

पदाधिकारी : श्री शान मोहन सागिली, (सचिव), श्री मयूर दीक्षित, (सदस्य), श्री शशांक कोंडुरू, (सदस्य), सुश्री अंकिता चक्रवर्ती, (सदस्य), श्री मयंक अग्रवाल, (सदस्य)

भा.प्र. सेवा चरण– I I (2012 बैच)

निदेशक नामिति का नाम : श्री आर. के. कांकाणी, प्रोफेसर, प्रबंधन

पदाधिकारी : श्री के. थवासीलन, (सचिव), सुश्री नेहा प्रकाश, (सदस्य), श्री नीतेश पाटिल, (सदस्य), सुश्री स्नेहा अग्रवाल, (सदस्य), श्री धीरेन्द्र खड़गता, (सदस्य), श्री श्रीधर पी.एन., (सदस्य)

89वां आधारिक पाठ्यक्रम

निदेशक नामिति का नाम : श्री आर. के. कांकाणी, प्रोफेसर, प्रबंधन

पदाधिकारी : श्री धवल जैन, (सचिव),श्री वरूण रंजन, (सदस्य), श्री फहद अहमद खान सूरी, (सदस्य), सुश्री दिव्या चौधरी, (सदस्य), श्री धरमेंद्र सिंह, (सदस्य), सुश्री अनन्या कुलश्रेष्ठ, (सदस्य)

गतिविधियां

चरण– I के दौरान अंतः सेवा सम्मेलन ''संगम'' का आयोजन किया गया तथा इसके लिए प्रबंध मंडल ने इन कार्यक्रमों का आयोजन किया।

- आइस ब्रेकिंग
- मैनेजमेंट गेम्स
- कार्यक्रम के लिए पाठ्यक्रम प्राधिकारी को कुछ राशि का योगदान दिया।
- केवल एक कार्यक्रम ''क्लॉकवर्क लेमनः पार्ट डीयक्स''प्रश्नोत्तरी का आयोजन किया गया।
- प्रकरण अध्ययन प्रतियोगिता आयोजित की गई।

प्रकृति प्रेमी क्लब

प्रकृति प्रेमी क्लब अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों का बहुत सक्रिय एवं प्रख्यातक्लब है। इस अवधि के दौरान क्लब द्वारा निम्नलिखित गतिविधियां आयोजित की गई।

भा.प्र. सेवा चरण– I (2013 बैच)

निदेशक नामिति का नाम : श्री रत्नेश सिंह, सहायक निदेशक

पदाधिकारी : श्री सयीद सेश्रीश असगर, (सचिव), सुश्री उमामहेश्वरी आर., (सदस्य),सुश्री शैलजा शर्मा, (सदस्य),श्री खुर्शीद अली कादरी, (सदस्य)

भा.प्र. सेवा चरण– II (2012 बैच)

निदेशक नामिति का नाम : श्री रत्नेश सिंह, सहायक निदेशक

पदाधिकारी : सुश्री निधि निवेदिता, (सचिव), श्री गोपाल सुंदरराज एस., (सदस्य), औरंगाबादकर अमरूतेश कालीदास, (सदस्य)

89वां आधारिक पाठ्यक्रम

निदेशक नामिति का नाम : सुश्री रोली सिंह, उपनिदेशक वरिष्ठ

पदाधिकारी : श्री अभिषेक उपाध्याय, (सचिव), सुश्री नैंसी सहाय, (सदस्य), श्री अरविंद विजयन, (सदस्य), सुश्री ईशा दुहान, (सदस्य)

गतिविधियां

भा.प्र. सेवा व्यावसायिक पाठ्यक्रम चरण– I (2013 बैच)

- भारत दर्शन तथा शीतकालीन अध्ययन भ्रमण के फोटोग्राफ युक्त फोटोग्राफी प्रतियोगिता तथा प्रदर्शनी आयोजित की गई।
- कुछ सामाजिक गतिविधियों के लिए समाज सेवा सोसाइटी को धनराशि दान की गई।

- पाठ्यक्रम के दौरान अंतः सेवा समागम का आयोजन किया गया तथा एनएलसी ने समागम की व्यवस्था के लिए धनराशि प्रदान की।

89वां आधारिक पाठ्यक्रम

1. अभिरूचि क्लब के सहयोग से फोटोग्राफी प्रतियोगिता तथा प्रदर्शनी का आयोजन किया गया।
2. अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों को संबोधित करने के लिए वन्य जीव संस्थान तथा उत्तराखंड सरकार, देहरादून से अतिथि वक्ताओं को आमंत्रित किया गया।

अधिकारी क्लब

भा.प्र. सेवा चरण–I (2013 बैच)

निदेशक नामिति का नाम : श्री अभिषेक स्वामी, उपनिदेशक वरिष्ठ

पदाधिकारी : श्री मेघनाथ रेड्डी जे., (अध्यक्ष), श्री अवनी लवासा, (सचिव), सुश्री रूचिका कत्याल, (सदस्य), श्री निशांत कुमार यादव, (सदस्य), श्री अरूण महेश बाबू, (सदस्य), श्री हेमंत कुमार, (सदस्य), श्री टी प्रभुशंकर, (सदस्य), सुश्री देबश्वेता बनीक, (सदस्य)

भा.प्र. सेवा चरण–II (2012 बैच)

निदेशक नामिति का नाम : श्री अभिषेक स्वामी, उपनिदेशक वरिष्ठ

पदाधिकारी : श्री सीराम संभाशिव राव, (अध्यक्ष), श्री हिमांशु गुप्ता, (सचिव), श्री मंजीर जीलानी समून, (सदस्य), सुश्री वी.एस. अलगू वर्सीनी, (सदस्य), श्री चंद्रमोहन ठाकुर, (सदस्य), सुश्री नवजोत खोसा, (सदस्य), श्री मंगेश घिल्डियाल, (सदस्य), श्री नितेश पाटिल, (सदस्य)

89वां आधारिक पाठ्यक्रम

निदेशक नामिति का नाम : श्री अभिषेक स्वामी, उपनिदेशक वरिष्ठ

पदाधिकारी : श्री चंचल राणा, (अध्यक्ष), श्री रोहित नाथन, (सचिव), सुश्री मेधा रूपम, (सदस्य), श्री कार्तिकेन के.पी., (सदस्य), श्री गौरंग राठी, (सदस्य), सुश्री अंचल सूद, (सदस्य), श्री गौरव तूरा, (सदस्य), सुश्री प्रेरणा शाही, (सदस्य)

गतिविधियां

अधिकारी क्लब अपने सदस्य अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों, सेवाकालीन पाठ्यक्रमों, चरण–प्ट, चरण–ण्ण् पाठ्यक्रमों के प्रतिभागियों, संकाय तथा स्टाफ सदस्यों को बाह्य और आंतरिक खेलकूद की सुविधाएं प्रदान करता है। बाह्य खेलकूद में टेनिस, बास्केट बाल, वॉली बाल, क्रिकेट, फुटबाल, इत्यादि की सुविधाएं प्रदान की जाती है और आंतरिक खेलकूद में बिलियर्ड्स, कैरम, शतरंज, ब्रिज, स्नूकर, टेबल टेनिस, स्क्वैश तथा बैडमिंटन शामिल हैं। क्लब में सुसज्जित जिम्नाजियम भी मौजूद है। इस वर्ष के दौरान क्लब ने कई क्रियाकलाप आयोजित किए, जिनका पाठ्यक्रमवार विवरण निम्नवत् हैः

89वां आधारिक पाठ्यक्रम

i. पाठ्यक्रम के दौरान बैडमिंटन, टेनिस, टेबल टेनिस, शतरंज, स्क्वैश, स्नूकर, कैरम इत्याादि की खुली प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं।

ii. पाठ्यक्रम के दौरान व्याख्यान समूहवार वालीबाल, फुटबाल, बास्केट बाल तथा क्रिकेट के टूर्नामेन्ट का आयोजन किया गया।

89वें आधारिक पाठ्यक्रम के अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों तथा संकाय सदस्यों के लिए एथलीटिक मीट, क्रॉस कंट्री दौड़ एवं टेनिस, बैडमिंटन, बास्केट बॉल, फुटबाल तथा बिलियर्ड्स के लिए कोचिंग का भी आयोजन किया गया।

भा.प्र.सेवा, व्यावसायिक पाठ्यक्रम, चरण –I (2013 बैच)

1. भा.प्र.सेवा, चरण–I, के अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों के लिए निम्नलिखित खेलों की प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं–

i.	बैडमिंटन	–	पुरुष एकल, महिला एकल, पुरुष युगल, मिश्रित युगल
ii.	टेनिस	–	पुरुष एकल, पुरुष युगल, मिश्रित युगल
iii.	टेबल टेनिस	–	पुरुष एकल, पुरुष युगल, मिश्रित युगल, महिला एकल
iv.	कैरम	–	पुरुष एकल, पुरुष युगल, मिश्रित युगल
v.	शतरंज	–	पुरुष एकल
vi.	स्क्वैश	–	पुरुष एकल
vii.	बिलियर्ड्स	–	पुरुष एकल
viii.	स्नूकर	–	पुरुष एकल

2. उपर्युक्त प्रतियोगिताओं के अतिरिक्त अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों ने निम्नलिखित टीम स्पर्धाएं भी आयोजित की–

(i) वालीबाल

(ii) क्रिकेट

(iii) बैडमिंटन

3. अधिकारी क्लब ने चरण–I के अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों तथा अन्य पाठ्यक्रमों के प्रतिभागियों के बीच एलपीएल क्रिकेट लीग प्रतियोगिता भी आयोजित की।

भा.प्र.सेवा, व्यावसायिक पाठ्यक्रम, चरण –II, (2011–2013 बैच)

1. चरण–II के दौरान बैडमिंटन, टेनिस, टेबल टेनिस,वॉलीबॉल तथा स्क्वैश इत्यादि की खेलकूद स्पर्धाएं आयोजित की गई।
2. अधिकारी क्लब ने अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों तथा अकादमी संकाय सदस्यों की टीमों के बीच बैडमिन्टन तथा एलपीएल क्रिकेट मैच भी आयोजित किया।

राइफल एवं धनुर्विद्या क्लब

भा.प्र. सेवा चरण–I (2013 बैच)

निदेशक नामिति का नाम : डॉ0 प्रेम सिंह, उपनिदेशक वरिष्ठ

पदाधिकारी : श्री विनीत एस., (अध्यक्ष), श्री सांगय तेंजिंग, डॉ0 (सुश्री) रीधा

भा.प्र. सेवा चरण–II (2012 बैच)

निदेशक नामिति का नाम : डॉ0 प्रेम सिंह, उपनिदेशक वरिष्ठ

पदाधिकारी : श्री चंद्र विजय सिंह, (सचिव)

89वां आधारिक पाठ्यक्रम

निदेशक नामिति का नाम : श्री जयंत सिंह, उपनिदेशक वरिष्ठ

पदाधिकारी : श्री अम्बामूथन एम.पी., (सचिव), श्री मंजूनाथ टी.सी., (सदस्य), श्री राहुल आर्य, (सदस्य), सुश्री शुभम चौधरी, (सदस्य)

गतिविधियां

दिनांक 11/5/2014 को (23 प्रतिभागी), 13/5/2014 को (26 प्रतिभागी), 15/5/2014 को (29 प्रतिभागी), तथा 24/5/2014 को (15 प्रतिभागी), 5/8/2014 को (9 प्रतिभागी), 7/8/2014 को (6 प्रतिभागी), 21/10/2014 को (25 प्रतिभागी), और 30/11/2014 (7 प्रतिभागी), को 22 राईफल शूटिंग के अभ्यास सत्र का आयोजन किया गया।

अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों ने घनुर्विद्या सत्र भी आयोजित किया।

समकालीन क्रियाकलाप सोसाइटी

भा.प्र. सेवा चरण–I (2013 बैच)

निदेशक नामिति का नाम : श्री तेजवीर सिंह, संयुक्त निदेशक

पदाधिकारी : श्री मुल्लई मुहिलन एम.पी., (सचिव), श्री शिव शंकर लोथेटी, (सदस्य), श्री हरप्रीत सिंह सूदन, (सदस्य), श्री अमृत एस.पी.,(सदस्य),सुश्री स्मिता मोल एम.एस.,(सदस्य)

भा.प्र. सेवा चरण–II (2012 बैच)

निदेशक नामिति का नाम : श्री तेजवीर सिंह, संयुक्त निदेशक

पदाधिकारी : श्री हर्षिका सिंह,(सचिव), श्री रोहित सिंह,(सदस्य) श्री नीतिका पवार, (सदस्य), सुश्री ऋचा वर्मा, (सदस्य), श्री अनंत तायल,(सदस्य)

89वां आधारिक पाठ्यक्रम

निदेशक नामिति का नाम : श्री तेजवीर सिंह, संयुक्त निदेशक

पदाधिकारी : श्री लोकेश कुमार रामचंद्र जांगीड़, (सचिव), सुश्री सलोनी सहाय, (सदस्य), श्री जसप्रीत सिंह, ,(सदस्य), श्री फंदे निखिल टीकाराम,(सदस्य) सुश्री अनुपमा सिंह,(सदस्य)

गतिविधियां

वर्ष 2014–15 के दौरान–

I. दिनांक 16 अप्रैल, 2014 को भा.प्र. सेवा चरण– I (2013 बैच) के अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों द्वारा प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता आयोजित की गई।

II. दिनांक 12 अगस्त, 2014 को भा.प्र. सेवा चरण– II (2012 बैच) के अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों द्वारा प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता आयोजित की गई।

III. दिनांक 11 दिसंबर, 2014 को 89वें आधारिक पाठ्यक्रम के अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों द्वारा प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता आयोजित की गई।

समाज सेवा सोसाइटी

भा.प्र. सेवा चरण–I (2013 बैच)

निदेशक नामिति का नाम : श्रीमती जसप्रीत तलवार, उपनिदेशक, वरिष्ठ

पदाधिकारी : श्री नवल किशोर चौधरी (सचिव), श्री हिमांशु शुक्ला, श्री काना राम, श्री हर्ष दीक्षित,सुश्री नम्रता गांधी, श्री हर्षित पृथ्वीराज गोसावी, (विशेष सदस्य), सुश्री प्रियंका निरंजन (विशेष सदस्य), श्री मृत्युंजय कुमार बरनवाल(विशेष सदस्य)

भा.प्र. सेवा चरण–II (2012 बैच)

निदेशक नामिति का नाम : सुश्री जसप्रीत तलवार, उपनिदेशक, वरिष्ठ

पदाधिकारी : श्री रवि शंकर शुक्ला(सचिव), श्री निखिल पवन कल्याण (सदस्य), श्री हिमांशु गुप्ता(सदस्य), सुश्री नेहा अरोड़ा (सदस्य), श्री रोहित सिंह (सदस्य)

89वां आधारिक पाठ्यक्रम

निदेशक नामिति का नाम : सुश्री जसप्रीत तलवार, उपनिदेशक वरिष्ठ

पदाधिकारी : श्री लक्ष्मण बसवराज निम्बारगी(सचिव), सुश्री शिल्पा नाग सी.टी. (सदस्य), श्री आशीष कुमार(सदस्य), श्री इतांकर विपिन विथोबा, (सदस्य), सुश्री मिनाक्षी गुप्ता(सदस्य)

गतिविधियां

समाज सेवा सोसाइटी ने परंपरा का निर्वहन करते हुए क्षेत्रों को शामिल करते हुए भा.प्र. सेवा व्यावसायिक प्रशिक्षण चरण– I (2013–15), चरण– II(2012–14) तथा 89वें आधारिक पाठ्यक्रम के अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों के लिए निम्नलिखित मुख्य गतिविधियों तथा कार्यक्रमों का आयोजन किया।

1. समाज सेवा सोसाइटी कर्मचारियों के बच्चों के लिए स्वयं द्वारा बालवाड़ी स्कूल चलाती है जहां सभी बच्चों के लिए निःशुल्क पुस्तकें तथा स्टेशनरी एवं मिड डे मिल (मध्याह्न भोजन) प्रदान किया गया।
2. सोसाइटी स्टाफ तथा स्थानीय लोगों के लिए निःशुल्क होम्योपैथिक औषधालय का भी संचालन करती है।
3. समाज सेवा सोसाइटी ने दून अस्पताल, देहरादून के सहयोग से जून 2014 तथा दिसंबर, 2014 में रक्तदान शिविर का आयोजन किया जिसमें 148 अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों ने रक्त दान किया।
4. हर गुरूवार को साप्ताहिक स्वास्थ्य जांच कार्यक्रम का आयोजन किया जाता था तथा औसतन 45 मरीजों की जांच की गई तथा निःशुल्क औषधि दी गई।
5. सोसाइटी ने स्थानीय विद्यालय के छात्रों को वर्दी एवं गर्म कपड़े (पुलोवर–61 विद्यार्थियों को, पूर्ण वर्दी – 20 विद्यार्थी तथा पुलोवर एवं वर्दी – 118 विद्यार्थियों को) वितरित किए।
6. वर्ष 2013 बैच के अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों ने कक्षा III से V तक के छात्रों को कंप्यूटर बेसिक कौशल की जानकारी प्रदान की।
7. सोसाइटी ने मेस कर्मचारियों की चिकित्सा व्ययों की पूर्ति के लिए 20,200 रु. की सहायता प्रदान की तथा प्राथमिक छात्रों को उनके पारिवार की आर्थिक स्थिति के आधार पर 42,200 रु. शुल्क के रूप में सहयोग दिया। इसके अतिरिक्त जरूरतमंद छात्रों को उच्च शिक्षा के लिए 1,00,000 रु. प्रदान किए।
8. केंद्रीय विद्यालय, सीजेएम हैम्पटन कोर्ट, केंद्रीय तिब्बती स्कूलों के कक्षा पग से गपप तक के छात्रों में जागरूकता लाने के लिए कैरियर काउंसिलिंग सत्र आयोजित किए गए। केंद्रीय तिब्बती स्कूल, मसूरी में एक धूम्रपान निषेध सत्र का आयोजन किया गया।
9. धन जुटाने के लिए, सोसाइटी ने स्वैच्छिक दान के लिए प्रोत्साहित किया जिससे 2,62,338 रु. की राशि प्राप्त की।
10. सोसाइटी ने बालवाड़ी तथा अकादमी के मुख्य गेट के पास प्राथमिक विद्यालय में स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया। 100 से ज्यादा छात्रों की स्वास्थ्य जांच की गई तथा दवाइयां दी गई।

अधिकारी मेस

भा.प्र. सेवा चरण–I (2013 बैच)

निदेशक नामिति का नाम : श्री मनस्वी कुमार, उपनिदेशक

पदाधिकारी : श्री संदीप जी.आर.(अध्यक्ष), श्री टी. एल.रेड्डी नरसिमहुगरी(सचिव), श्री जितेन्द्र गुप्ता(कोषाध्यक्ष), सुश्री श्रेया पी.सिंह (सदस्य), श्री हिमांशु शुक्ला(सदस्य), श्री सेल्वामणी आर.(सदस्य),श्री ऋषि गर्ग(सदस्य), सुश्री कृतिका बत्रा (सदस्य)

भा.प्र. सेवा चरण– I I (2012 बैच)

निदेशक नामिति का नाम : श्री मनस्वी कुमार, उपनिदेशक

पदाधिकारी : श्री प्रिंस धवन(अध्यक्ष), श्री सुनील कुमार यादव(सचिव), श्री हिमांशु गुप्ता(कोषाध्यक्ष), श्री विजय कुमार कैलाश जोगडांडे (सदस्य), सुश्री पोमा टूडू(सदस्य), श्री पवन कुमार मालापती (सदस्य), श्री अन्नवी दिनेश कुमार (सदस्य)

89वां आधारिक पाठ्यक्रम

निदेशक नामिति का नाम : श्री मनस्वी कुमार, उपनिदेशक

पदाधिकारी : सुश्री लक्ष्मी प्रिया एम.एस.(अध्यक्ष), श्री जॉनी टॉम वर्गीज (सचिव), श्री मनीष बंसल (कोषाध्यक्ष), श्री राहुल कुमार राकेश (सदस्य), श्री श्रवण कुमार जटावत (सदस्य), श्री अरुण कुमार विश्वकर्मा (सदस्य),सुश्री पूजा चौधरी(सदस्य), श्री कुमेर–उल–जमान चौधरी (सदस्य),श्री अवी प्रसाद (सदस्य)

गतिविधियां

लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी, मसूरी परिसर में अधिकारी मेस एक पवित्र संस्थान है। यह एक स्थान है जहां व्यंजनों की विविधता के माध्यम से संस्कृति, परंपराएं, प्रथाएं तथा विश्वास मिल जाते हैं। यह संस्थान परिवीक्षाधीनों के बीच विश्व बन्धुत्व एवं भाईचारे की

भावना को सदैव बढ़ावा देता है। मेस को अनिवार्य रूप से शिष्टाचार, आचार तथा सेवाओं के संदर्भ में उच्च मानक प्राप्त करना होता है। प्रत्येक परिवीक्षाधीन इस संस्थान का अभिन्न हिस्सा होता है।

अधिकारी मेस का संचालन परिवीक्षाधीनों द्वारा किया जाता है। मेस समिति के सदस्य परिवीक्षाधीनों में से होते हैं। मेस समिति में एक अध्यक्ष, एक सचिव, एक कोषाध्यक्ष तथा पांच अन्य सदस्य होते हैं जो स्वयं संघ भाव के अधारभूत दर्शन को बढ़ावा देने के लिए निर्विवाद रूप से कार्य करते हैं।

मेस समिति अधिकारी मेस के निदेशक नामिति के समग्र दिशा निर्देश तथा देख–रेख में कार्य करती है। मेस की सहायता हर समय मेस प्रबंधक, लेखाकार, स्टोर कीपर तथा प्र्यवेक्षकों द्वारा की जाती है। इस संस्थान में अधिकारी मेस के कर्मचारी, कुक, सहायक, टेबल बीयरर, रूम बीयरर, स्वीपर तथा डिशवॉशर होते हैं।

अधिकारी मेस कर्मशिला, ज्ञानशिला तथा इंदिरा भवन परिसर में लगभग 500 लोगों की सेवा करता है। अधिकारी मेस प्रतिभागियों को इस राष्ट्र के कोने–कोने के विभिन्न व्यंजन (मेस में तैयार की हुई) परोसता है। अधिकारी मेस ए.एन.झा प्लाजा कैफे. कार्यकारी छात्रावासों के केफेटेरिया, अधिकारी प्रशिक्षणार्थी छात्रावासों तथा हैप्पी वैली के खेल परिसरों में अपनी सेवा प्रदान करता है। अधिकारी मेस बेकरी के द्वारा भी अपनी सेवाएं देता है।

मुख्य गतिविधियां :

- अक्षरशः स्वच्छ भारत अभियान का कार्यान्वयन।
- स्टाफ/कर्मचारियों की सभी गतिविधियों/प्रशिक्षण/कौशल विकास का प्रलेखन।
- बायोमेट्रिक उपस्थिति प्रणाली की शुरूआत।
- शिकायत निवारण हेतु ''ओपन हाउस'' का आयोजन।

अध्याय 6

वित्तीय विवरण

वित्तीय सहायता

ला.ब.शा.रा.प्र. अकादमी का बजट आबंटन "मांग सं0 – 73–कार्मिक, लोक शिकायत तथा पेंशन मंत्रालय" के अंतर्गत किया जाता है। बजट प्रावधान में स्थापना से संबंधित व्यय गैर–योजना (राजस्व), अवसंरचना से संबंधित योजना व्यय (राजस्व), तथा योजना (पूंजीगत) व्यय शामिल है। बजट आबंटन अकादमी के विभिन्न मुख्य गतिविधियों के लिए किया जाता है जिसमें आधारिक पाठ्यक्रम, रिफ्रेशर पाठ्यक्रम, मिड कैरियर प्रशिक्षण कार्यक्रम आदि जैसे प्रशिक्षण कार्यक्रम शामिल हैं। योजना पूंजी तथा योजना राजस्व के अंतर्गत बजट का आबंटन ला.ब.शा.रा.प्र. अकादमी में अवसंरचना कार्य तथा आवश्यक सुविधाओं के उन्नयन के लिए किया जाता है।

वर्ष 2012–13, 2013–14 तथा 2014–15 के वास्तविक व्यय और चालू वर्ष 2015–16 के बजट आबंटन का ब्योरा नीचे दिया गया है।

(आंकड़े हजार में)

क्रम सं.		वास्तविक व्यय			बजट आबंटन
		2012.13	2013.14	2014.15	2015.16
	गैर योजना राजस्व				
1	वेतन	102498	109972	125156	126260
2	मजदूरियां	9980	7999	9979	1100
3	समयोपरि भत्ता	185	106	110	340
4	चिकित्सा उपचार	2500	2800	5399	4500
5	घरेलू यात्रा व्यय	2730	2500	4115	3500
6	विदेश यात्रा व्यय	332	183	137	800
7	कार्यालय व्यय	55020	49911	57371	6000
8	किराया, दर तथा कर	1309	1320	1325	1320
9	प्रकाशन	39	100	31	328
10	अन्य प्रशासनिक व्यय	60	80	154	160
11	लघु कार्य	1000	-	135	100
12	व्यावसायिक सेवाएं	36800	59725	46802	63500
13	अनुदान सहायता	500	450	485	500
14	अन्य प्रभार	2700	4000	2344	3962
	विभागीय कैंटीन				
15	वेतन	1587	1595	2093	2200
16	समयोपरि भत्ता	22	1	0	50
17	चिकित्सा उपचार	47	135	58	150

	सूचना प्रौद्योगिकी				
18	अन्य प्रभार (सूचना प्रौद्योगिकी)	498	450	599	600
	मिड कैरियर प्रशिक्षण कार्यक्रम				
19	व्यावसायिक सेवाएं	168378	159457	159856	160000
	कुल (गैर योजना)	**376173**	**400534**	**417883**	**467910**
20	योजना (राजस्व)	20000	181186	103898	163600
21	योजना (पूंजी)	80007	294830	231805	293000

अध्याय 7

पुस्तकालय सुविधाएं

गांधी स्मृति पुस्तकालय की गतिविधियां तथा उपलब्धियां

अकादमी के पास सुसज्जित पुस्तकालय है। अकादमी पुस्तकालय नैसर्गिक सौंदर्य के बीच स्थित है जहां से भव्य हिमालय का मनोरम दृश्य दिखाई पड़ता है और प्रकृति से जुड़ाव का अनंत भाव उत्पन्न होता है। गांधी स्मृति पुस्तकालय महात्मा गांधी के नाम पर रखा गया है। यह पुस्तकालय कंप्यूटरीकृत है तथा पुस्तकालय की सभी पुस्तक सूची ऑनलाइन है।

पुस्तक/सीडी/डीवीडी आरएफआईडी टैग किए गए हैं तथा पुस्तकाल पटल (लाइब्रेरी काउन्टर) पर आरएफआईडी स्व–निर्गमन/स्व–वापसी कियोस्क संस्थापित किए गए हैं। अकादमी मुख्य परिसर के कर्मशिला भवन तथा इंदिरा भवनके प्रवेश स्थल पर आरएफआईडी बुक ड्रॉप कियोस्क लगाए गए है। पुस्तकालय उपयोगकर्ता पुस्तकालय आए बिना पुस्तक वापसी के लिए इस सुविधा का उपयोग कर सकते हैं। यह सेवा सातों दिन 24 घंटे उपलब्ध है।

पुस्तक संसाधन : गांधी स्मृति पुस्तकालय अध्ययन संसाधनों से भरा पड़ा है जिसमें 1.85 लाख आरएफआईडी टैग लगी पुस्तकें तथा बॉड वोल्यूम, जॉर्नल, 8000 सीडी/डीवीडी, विभिन्न राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय संगठनों/संस्थानों द्वारा प्रकाशित 270 सामायिकी तथा लोकप्रिय पत्रिकाएं और 4 ऑनलाइन संसाधन सब्सक्राइब करने की सुविधा शामिल है।

पुस्तकालय निम्नलिखित ई–रिसोर्सेज सबस्क्राइब कराता है।

ईबीएससीओ का बिजनेस सोर्स प्रेमियर डाटाबेस ग्रंथ सूचियों का संग्रह तथा 3000 से अधिक पत्र पत्रिकाओं के लेखों की पूरी पाठ्य सामग्री उपलब्ध कराता है।

जेएसटीओआर ऑनलाइन मानवशास्त्र, एशियाई एफ्रो–अमेरिकन अध्ययन, परिस्थिति विज्ञान, अर्थशास्त्र, शिक्षा, वित्त सामान्य विज्ञान, इतिहास, साहित्य, गणित, संगीत, दर्शन, राजनैतिक विज्ञान, समाजशास्त्र तथा सांख्यिकी में वैज्ञानिक पत्रिकाओं का डिजिटल संग्रह है।

ऑनलाइन सांख्यिकीय डेटाबेस भारतीय सांख्यिकीय डेटाबेस में भारत तथा उनके राज्यों के बारे में गौण स्तरीय सामाजार्थिक आंकड़ों का व्यापक संकलन है।

मनुपत्रा एक विधिक डेटाबेस है जिसमें भारत और अमरीका, ब्रिटेन, श्रीलंका, बंगलादेश तथा पाकिस्तान के कानूनों के संबंध में विधिक मामलों, विधिक शोध तथा लेख शामिल है।

इसके अलावा पुस्तकालय प्रत्येक माह सुलभ संदर्भ के लिए निम्नलिखित प्रकाशनों का विमोचन करता है।

पुस्तकालय के लिए नई पुस्तकों/सीडी/डीवीडी की सूची शामिल की गई।

नई पुस्तकों की समीक्षा का संकलन

वर्ष 2014–15 के दौरान पुस्तकालय ने 4000 से अधिक पुस्तक तथा लगभग 250 सीडी/डीवीडी जोड़े।

CHAPTER 8

राजभाषा

राजभाषा

भारत सरकार के कार्यालयों में भारत संघ की राजभाषा नीति का अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए, सरकार द्वारा निर्धारित मानकों के अनुसार हिंदी पदों का सृजन किया जाना अपेक्षित है। अतः राजभाषा नीति के कर्यान्वयन हेतु अकादमी में वर्ष 1986 में राजभाषा अनुभाग की स्थापना की गई। यह अनुभाग, निदेशक के समग्र मार्गदर्शन तथा पर्यवेक्षण में कार्य करता है। इस अनुभाग द्वारा विचाराधीन वर्ष के दौरान मुख्यतः निम्नलिखित कार्य संपन्न किए गए –

- भारत सरकार, राजभाषा विभाग द्वारा वर्ष 2014–15 के लिए निर्धारित कार्यक्रम के अनुरूप, 'क' 'ख' और 'ग' क्षेत्रों के साथ हिंदी पत्राचार सुनिश्चित किया जा रहा है। तदनुसार, अकादमी द्वारा 'क' एवं 'ख' क्षेत्रों के साथ लगभग 80 प्रतिशत और 'ग' क्षेत्र के साथ लगभग 81 प्रतिशत पत्राचार हिंदी में किया जा रहा है। राजभाषा अधिनियम की धारा 3 (3) के अंतर्गत द्विभाषी जारी किए जाने वाले सभी दस्तावेजों को द्विभाषी रूप में जारी किया गया। विचाराधीन वर्ष के दौरान, यह अकादमी, हिंदी पुस्तकों, सीडी, डीवीडी आदि की खरीद के लिए 48.06 प्रतिशत राशि व्यय कर राजभाषा विभाग द्वारा निर्धारित 50 प्रतिशत बजट के व्यय के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए प्रयासरत रहा है। अकादमी के निदेशक की अध्यक्षता में प्रति माह राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठकों का आयोजन कर अकादमी के विभिन्न अनुभागों में राजभाषा हिंदी में किए जा रहे कार्य की समीक्षा की जाती है तथा यथोचित मार्गदर्शन किया जाता है।
- लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी, मसूरी में दिनांक 01 सितंबर से 15 सितंबर, 2014 तक हिंदी पखवाड़े का आयोजन किया गया। इस उपलक्ष्य में, अकादमी स्टाफ एवं अकादमी से संबद्ध इकाइयों के स्टाफ तथा अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों के लिए राजभाषा नीति से संबंधित सामान्य ज्ञान, तीन वर्गों के लिए अलग–अलग हिंदी निबंध लेखन, श्रुत लेखन तथा हिंदी काव्य रचना प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं।

हिंदी पखवाड़े के दौरान आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेता प्रतिभागियों को हिंदी दिवस के अवसर पर दिनांक 15 सितंबर, 2014 को आयोजित पुरस्कार वितरण समारोह में पुरस्कृत किया गया। इस समारोह के मुख्य अतिथि अकादमी के निदेशक, श्री राजीव कपूर थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता श्री दुष्यंत नरियाला, संयुक्त निदेशक द्वारा किया गया तथा कार्यक्रम का संचालन, सहायक निदेशक (राजभाषा) श्री नंदन सिंह दुग्ताल ने किया। समारोह में अकादमी के वरिष्ठ अधिकारी एवं स्टाफ सम्मिलित हुए।

इस समारोह में, विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेता प्रतिभागियों के साथ ही, वार्षिक टिप्पण तथा मसौदा लेखन प्रोत्साहन योजना – 2013–14 के प्रतिभागियों को भी पुरस्कृत किया गया। इस तरह, इस समारोह में कुल 26 प्रतिभागियों को, निदेशक महोदय ने प्रशस्तिपत्र, नकद धनराशि तथा स्टेशनरी के वाउचर पुरस्कार स्वरूप प्रदान किए।

निदेशक महोदय ने अपने संबोधन में अकादमी में हिंदी के प्रयोग पर संतोष व्यक्त किया तथा इस अवसर पर अकादमी की पत्रिका के द्वितीय अंक 'सृजन' का विमोचन भी किया।

इस समारोह में अकादमी के संयुक्त निदेशक श्री दुष्यंत नरियाला ने अपने विचार व्यक्त किए तथा निर्धारित लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए राजभाषा हिंदी के प्रगामी प्रयोग को बढ़ाने की दिशा में किए जा रहे प्रयासों से अवगत कराया। अंत में, निदेशक महोदय ने सभी संकाय सदस्यों, अधिकारी एवं अकादमी स्टाफ का आभार प्रकट करते हुए, सभी से अकादमी में हिंदी के प्रयोग को और अधिक बढ़ाने का आह्वान किये।

- अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों को आवश्यकतानुसार समय–समय पर उपलब्ध कराई जाने वाली प्रशासनिक सामग्री यथा–पत्रों, परिपत्रों, सूचनाओं, निविदा सूचनाओं, वार्षिक रिपोर्ट, प्रश्नपत्रों, अनुशासनिक कार्यवाहियों इत्यादि के अनुवाद के अतिरिक्त, राजभाषा अनुभाग ने विभिन्न पाठ्यक्रमों, आधारिक पाठ्यक्रम के लिए पाठ्यक्रम पुस्तिका तथा मानक पत्रों के प्रारूप का अनुवाद संपन्न किया।

इस प्रकार, यह अकादमी अपने प्रशासनिक और प्रशिक्षण, दोनों क्षेत्रों में हिंदी के प्रचार–प्रसार के लिए निरंतर प्रयासरत है।

परिशिष्ट

परिशिष्ट– 1 : भौतिक अवसंरचना

क. कक्षा/व्याख्यान/सम्मेलन कक्ष		
i)	डॉ0 सम्पूर्णानंद ऑडिटोरियम	472 सीटें
ii)	सम्मेलन कक्ष/हॉल	35 सीटें
iii)	गोविन्द वल्लभ पंत हॉल	115 सीटें
iv)	नेहरू ऑडिटोरियम	135 सीटें
v)	विवेकानंद हॉल	188 सीटें
vi)	टैगोर हॉल	188 सीटें
vii)	अम्बेडकर हॉल	180 सीटें
viii)	होमी भाभा हॉल	107 सीटें
ix)	सेमिनार कक्ष –ए	60 सीटें
x)	सेमिनार कक्ष– बी	60 सीटें
xi)	सेमिनार कक्ष –1	30 (राउंड टेबल)
xii)	सेमिनार कक्ष –2	30 (राउंड टेबल)
xiii)	सेमिनार कक्ष –3	30 (राउंड टेबल)
xiv)	सेमिनार कक्ष –4	30 (राउंड टेबल)
xv)	सेमिनार कक्ष –5	30 (राउंड टेबल)
xvi)	सेमिनार कक्ष –6	70 सीटें
xvii)	सेमीनार कक्ष –7	70 सीटें
xviii)	सेमिनार कक्ष –8	20 (राउंड टेबल)
xix)	सेमिनार कक्ष –9	20 (राउंड टेबल)
xx)	सेमिनार कक्ष –10	20 (राउंड टेबल)
xxi)	सेमिनार कक्ष –11	20 (राउंड टेबल)
xxii)	सेमिनार कक्ष –12	20 (राउंड टेबल)
ख. छात्रावास	–	
i)	गंगा छात्रावास	78 कमरे
ii)	कावेरी छात्रावास	32 कमरे
iii)	नर्मदा छात्रावास	22 कमरे
iv)	कालिंदी अतिथि गृह	21 कमरे
v)	हैप्पी वैली ब्लॉक	26 कमरे
vi)	इंदिरा भवन छात्रावास (पुराना)	23 कमरे
vii)	सिल्वरवुड छात्रावास	54 कमरे
viii)	महानदी छात्रावास	38 कमरे
ix)	वैली व्यू होटल (इंदिरा भवन)	48 कमरे
x)	ब्रह्मपुत्र अतिथि गृह	12 कमरे
ग. आवासीय व्यवस्था		
i)	अधिकारियों के लिए	38 आवास
ii)	कर्मचारियों के लिए	319 आवास
घ. अन्य प्रशिक्षण उपकरण		
i)	ओएचपी	6
ii)	एलसीडी विडियो प्रोजेक्टर	25
iii)	अन्य	2 स्लाइड प्रोजेक्टर

परिशिष्ट– 2 : अकादमी मे निदेशक (31–3–2015 के अनुसार)

क्रम सं.	नाम	अवधि
1.	श्री ए.एन. झा, भा.सि.सेवा	01.09.1959 से 30.09.1962
2.	श्री एस.के. दत्ता, भा.सि.सेवा	13.08.1963 से 02.07.1965
3.	श्री एम.जी. पिम्पुटकर, भा.सि.सेवा	04.09.1965 से 29.04.1968
4.	श्री के.के. दास, भा.सि.सेवा	12.07.1968 से 24.02.1969
5.	श्री डी.डी. साठे, भा.सि.सेवा	19.03.1969 से 11.05.1973
6.	श्री राजेश्वर प्रसाद, भा.प्र. सेवा	11.05.1973 से 11.04.1977
7.	श्री बी.सी. माथुर, भा.प्र. सेवा	17.05.1977 से 23.07.1977
8.	श्री जी.सी.एल. जोनेजा, भा.प्र. सेवा	23.07.1977 से 30.06.1980
9.	श्री पी.एस. अप्पू, भा.प्र. सेवा	02.08.1980 से 01.03.1982
10.	श्री आई.सी. पुरी, भा.प्र. सेवा	16.06.1982 से 11.10.1982
11.	श्री आर.के. शास्त्री, भा.प्र. सेवा	09.11.1982 से 27.02.1984
12.	श्री के. रामानुजम, भा.प्र. सेवा	27.02.1984 से 24.02.1985
13.	श्री आर.एन. चोपड़ा, भा.प्र. सेवा	06.06.1985 से 29.04.1988
14.	श्री बी.एन. युगांधर, भा.प्र. सेवा	26.05.1988 से 25.01.1993
15.	श्री एन.सी. सक्सेना, भा.प्र. सेवा	25.05.1993 से 06.10.1996
16.	श्री बी.एस. बसवान, भा.प्र. सेवा	06.10.1996 से 08.11.2000
17.	श्री वजाहत हबीबुल्लाह, भा.प्र. सेवा	08.11.2000 से 13.01.2003
18.	श्री बिनोद कुमार, भा.प्र. सेवा	20.01.2003 से 15.10.2004
19.	श्री डी.एस. माथुर, भा.प्र. सेवा	29.10.2004 से 06.04.2006
20.	श्री रुद्र गंगाधरन, भा.प्र. सेवा	06.04.2006 से 20.09.2009
21.	श्री पदमवीर सिंह, भा.प्र. सेवा	02.09.2009 से 28.2.2014
22.	श्री राजीव कपूर, भा.प्र. सेवा	20.05.2014 से अब तक

अकादमी मे संयुक्त निदेशक (31–3–2015 के अनुसार)

निम्नलिखित अधिकारी अकादमी के संयुक्त निदेशक के रूप में तैनात किए गए :–

क्रम सं.	नाम	अवधि
1.	श्री जे.सी. अग्रवाल	19.06.1965 से 07.01.1967 तक
2.	श्री टी.एन. चतुर्वेदी	27.07.1967 से 09.02.1971 तक
3.	श्री एस.एस. बिसेन	01.04.1971 से 09.09.1972 तक
4.	श्री एम. गोपालकृष्णन	20.09.1972 से 05.12.1973 तक
5.	श्री एच.एस. दुबे	03.03.1974 से 16.12.1976 तक
6.	श्री एस.आर. एडिगे	12.05.1977 से 07.01.1980 तक
7.	श्री एस.सी. वैश	07.01.1980 से 07.07.1983 तक
8.	श्री एस. पार्थसारथी	18.05.1984 से 10.09.1987 तक
9.	श्री ललित माथुर	10.09.1987 से 01.06.1991 तक
10.	डॉ0 वी.के. अग्निहोत्री	31.08.1992 से 26.04.1998 तक
11.	श्री बिनोद कुमार	27.04.1998 से 28.06.2002 तक
12.	श्री रुद्रगंगाधरण	23.11.2004 से 06.04.2006 तक
13.	श्री पदमवीर सिंह	12.03.2007 से 02.02.2009 तक
14.	श्री पी.के. गेरा	24.05.2010 से 20.05.2012 तक
15.	श्री संजीव चोपड़ा	09.09.2010 से 05.12.2014 तक
16.	श्री दुष्यंत नरियाला	24.12.2013 से
17.	श्री तेजवीर सिंह	06.08.2014 से
18.	श्रीमती रंजना चोपड़ा	06.08.2014 से 15.12.2014 तक
19.	श्रीमती जसप्रीत तलवार	24.10.2014 से

परिशिष्ट– 3 : अकादमी के अधिकारी

अकादमी की शैक्षणिक परिषद (31–3–2015 के अनुसार)

क्रम सं.	अधिकारी का नाम	पदनाम
1.	श्री राजीव कपूर	निदेशक (20.5.2014 से अब तक)
2.	श्री दुष्यंत नरियाला	संयुक्त निदेशक
3.	श्री तेजवीर सिंह	संयुक्त निदेशक
4.	श्रीमती रोली सिंह	उपनिदेशक वरिष्ठ
5.	श्रीमती जसप्रीत तलवार	उपनिदेशक वरिष्ठ
6.	श्री जयंत सिंह	उपनिदेशक वरिष्ठ
7.	डॉ0 प्रेम सिंह	उपनिदेशक वरिष्ठ
8.	श्रीमती निधि शर्मा	उपनिदेशक वरिष्ठ
9.	श्री अभिषेक स्वामी	उपनिदेशक वरिष्ठ
10.	श्री सौरभ जैन	उपनिदेशक
11.	श्री मनस्वी कुमार	उपनिदेशक
12.	श्री एम.एच. खान	उपनिदेशक
13.	श्री आर. रविशंकर	उपनिदेशक
14.	श्रीमती तुलसी मद्दिनेनी	उपनिदेशक
15.	श्री मंतोष चक्रवर्ती	वरिष्ठ तकनीकी निदेशक, निक्टू
16.	डॉ0 ए.एस. रामचंद्रा	प्रोफेसर
17.	डॉ0 सुनीता रानी	प्रोफेसर
18.	डॉ0 मोनोनिता कुंडूदास	प्रोफेसर
19.	डॉ0 द्वारिका प्रसाद उनियाल	प्रोफेसर
20.	डॉ0 सचिव कुमार	रीडर

अन्य संकाय सदस्य (31–3–2015 के अनुसार)

क्रम सं.	संकाय सदस्य का नाम	पदनाम
21.	डॉ0 कुमुदिनी नौटियाल	रीडर हिंदी
22.	डॉ0 भावना पोरवाल	सहायक प्रोफेसर, हिंदी
23.	श्री आजाद सिंह	वैज्ञानिक 'बी' निक्टू
24.	श्री अमरजीत सिंह दत्त	वैज्ञानिक अधिकारी
25.	श्रीमती अलका कुलकर्णी	भाषा अनुदेशक
26.	श्री ए. नल्लास्वामी	भाषा अनुदेशक
27.	श्री अरशद नंदन	भाषा अनुदेशक
28.	श्री के.बी. सिंघा	भाषा अनुदेशक

29.	श्री दिनेश चंद्र तिवारी	हिंदी अनुदेशक
30.	श्री चंद्र मोहन सिंह	पीटीआई
31.	श्री मनोज के.	सहायक पीटीआई
32.	रिसालदार श्री पृथ्वी सिंह	राइडिंग अनुदेशक
33.	नायब सूबेदार रिसालदार श्री जसमेल सिंह	सहायक राइडिंग अनुदेशक
34.	सुश्री सौदामिनी भूयां	भाषा अनुदेशक (संविदा पर)
35.	श्री वी. मुत्तिनमठ	भाषा अनुदेशक (संविदा पर)

अन्य अधिकारी (31–3–2015 के अनुसार)

क्रम सं.	प्रशासनिक अधिकारी	पदनाम
36.	डॉ0 बी.एस. काला	मुख्य चिकित्सा अधिकारी (एनएफएसजी)
37.	डॉ0 अशोक के. नहरिया	मुख्य चिकित्सा अधिकारी (एसएजी)
38.	श्री नंदन सिंह दुग्ताल	सहायक निदेशक (राजभाषा)
39.	श्री सत्यबीर सिंह	प्रशासनिक अधिकारी
40.	श्री अशोक के. दलाल	प्रशासनिक अधिकारी (लेखा)
41.	श्रीमती पूनम सिन्हा	प्रोग्राफर (रेप्रो)
42.	श्री आलोक पांडे	वरिष्ठ प्रोग्रामर
43.	श्री मलकीत सिंह	सहायक पुस्तकालय एवं सूचना अधिकारी
44.	श्री एस.के. थपलियाल	सहायक प्रशासनिक अधिकारी
45.	श्री बालम सिंह	सहायक प्रशासनिक अधिकारी
46.	श्री पुरुषोत्तम कुमार	निजी सचिव
47.	श्री अजय कुमार	निजी सचिव

परिशिष्ट– 4 : 89वें आधारिक पाठ्यक्रम के प्रतिभागी

संवर्ग–वार विवरण

सेवा/राज्य	पुरुष	महिलाएं	योग
आईए एवं एएस	1	0	01
भा.प्र. सेवा	124	54	178
आईसी एवं सीईएस	4	2	06
आईडीइएस	1	0	01
भा.व. सेवा	14	2	16
भा.वि. सेवा	18	12	30
भारतीय डाक सेवा	0	1	01
भा.पु. सेवा	28	5	33
आईआरएएस	1	0	01
आईआरपीएस	1	0	01
भारतीय रेल सेवा	2	4	06
भारतीय रेल यातायात सेवा	2	1	03
रॉयल भूटान सिविल सेवा	2	1	03
आरबीएफएस	2	0	02
योग	**200**	**82**	**282**

परिशिष्ट– 5 : भारतीय प्रशासनिक सेवा के व्यवसायिक पाठ्यक्रम चरण–I (2013 –15 बैच) के प्रतिभागी

संवर्ग–वार विवरण

सेवा/राज्य	पुरुष	महिलाएं	प्रतिभागियों की संख्या
अगमुट	07	05	12
आंध्र प्रदेश	07	03	10
असम मेघालय	05	02	07
बिहार	08	02	10
भूटान	03	–	03
छत्तीसगढ़	06	01	07
गुजरात	06	01	07
हरियाणा	03	01	04
हिमाचल प्रदेश	03	02	05
जम्मू–कश्मीर	02	02	04
झारखंड	05	02	07
कर्नाटक	06	02	08
केरल	04	02	06
मध्य प्रदेश	11	02	13
महाराष्ट्र	07	01	08
मणिपुर–त्रिपुरा	04	02	06
नागालैण्ड	04	–	04
उड़ीसा	03	02	05
पंजाब	03	03	06
राजस्थान	08	–	08
सिक्किम	01	–	01
तमिलनाडु	06	03	09
उत्तराखण्ड	02	01	03
उत्तर प्रदेश	08	08	16
पश्चिम बंगाल	06	06	12
कुल प्रतिभागी	**128**	**53**	**181**

परिशिष्ट– 6 : भारतीय प्रशासनिक सेवा के व्यवसायिक प्रशिक्षण चरण–II (2012 –14 बैच) के प्रतिभागी

संवर्ग–वार विवरण

सेवा/राज्य	पुरुष	महिलाएं	प्रतिभागियों की संख्या
अगमुट	9	3	12
आंध्र प्रदेश	7	2	9
असम–मेघालय	6	–	6
बिहार	8	1	9
रॉयल भूटान सिविल सेवा	3	–	3
छत्तीसगढ़	6	1	7
गुजरात	5	–	5
हरियाणा	2	2	4
हिमाचल प्रदेश	2	1	3
जम्मू–कश्मीर	4	–	4
झारखंड	6	2	8
कर्नाटक	6	3	9
केरल	4	1	5
मध्य प्रदेश	12	3	15
महाराष्ट्र	6	1	7
मणिपुर त्रिपुरा	3	2	5
नागालैंड	3	–	3
उड़ीसा	5	1	6
पंजाब	4	2	6
राजस्थान	6	1	7
सिक्किम	1	–	1
तमिलनाडु	8	1	9
उत्तराखंड	3	–	3
उत्तर प्रदेश	12	4	16
पश्चिम बंगाल	7	1	8
कुल प्रतिभागी	**138**	**32**	**170**

परिशिष्ट– 7 : भारतीय प्रशासनिक सेवा के लिए मिड कैरियर प्रशिक्षण कार्यक्रम चरण–III (8वां दौर)

सेवा/राज्य	पुरुष	महिलाएं	प्रतिभागियों की संख्या
आंध्र प्रदेश	6	1	7
असम–मेघालय	5	1	6
बिहार	6	0	6
छत्तीसगढ़	2	1	3
गुजरात	3	1	4
हरियाणा	4	1	5
हिमाचल प्रदेश	2	1	3
जम्मू–कश्मीर	1	0	1
झारखंड	1	0	1
कर्नाटक	2	1	3
केरल	1	0	1
मध्य प्रदेश	4	0	4
महाराष्ट्र	7	0	7
मणिपुर–त्रिपुरा	5	0	5
ओडिशा	1	0	1
पंजाब	1	1	2
राजस्थान	6	0	6
सिक्किम	1	0	1
तमिलनाडु	6	0	6
संघराज्य क्षेत्र	14	1	15
उत्तर प्रदेश	5	3	8
उत्तराखंड	2	1	3
पश्चिम बंगाल	1	2	3
कुल प्रतिभागी	**86**	**15**	**101**

बैच–वार विवरण

बैच	प्रतिभागियों की संख्या
2000	3
2001	4
2002	7
2003	13
2004	39
2005	19
2006	16
योग	**101**

परिशिष्ट– 8 : भारतीय प्रशासनिक सेवा के लिए मिड कैरियर प्रशिक्षण कार्यक्रम चरण–IV (9वां दौर)

सेवा/राज्य	पुरुष	महिलाएं	प्रतिभागियों की संख्या
आंध्र प्रदेश	1	0	1
असम–मेघालय	1	0	1
बिहार	3	0	3
छत्तीसगढ़	0	1	1
गुजरात	2	0	2
हरियाणा	2	0	2
हिमाचल प्रदेश	2	0	2
जम्मू–कश्मीर	0	1	1
झारखंड	1	1	2
कर्नाटक	1	0	1
केरल	1	2	3
मध्य प्रदेश	4	0	4
महाराष्ट्र	1	2	3
मणिपुर–त्रिपुरा	1	0	1
उड़ीसा	1	0	1
पंजाब	2	0	2
राजस्थान	3	1	4
सिक्किम	1	0	1
तमिलनाडु	1	0	1
संघराज्य क्षेत्र	6	0	6
उत्तर प्रदेश	9	1	10
पश्चिम बंगाल	3	2	5
कुल प्रतिभागियों की संख्या	**46**	**11**	**57**

बैच–वार विवरण

बैच	प्रतिभागियों की संख्या
1994	2
1996	7
1997	14
1998	12
1999	22
कुल प्रतिभागियों की संख्या	57

परिशिष्ट– 9 : भारतीय प्रशासनिक सेवा के लिए मिड कैरियर प्रशिक्षण कार्यक्रम चरण–v (8वां दौर)

सेवा/राज्य	पुरुष	महिलाएं	प्रतिभागियों की संख्या
आंध्र प्रदेश	2	2	4
असम–मेघालय	6	0	6
बिहार	2	0	2
छत्तीसगढ़	1	0	1
गुजरात	7	1	8
हरियाणा	3	2	5
हिमाचल प्रदेश	2	1	3
झारखंड	1	0	1
कर्नाटक	6	1	7
केरल	5	0	5
मध्य प्रदेश	5	0	5
महाराष्ट्र	7	0	7
मणिपुर–त्रिपुरा	5	0	5
नागालैंड	1	0	1
उड़ीसा	5	0	5
पंजाब	1	0	1
राजस्थान	5	1	6
तमिलनाडु	8	2	10
संघराज्य क्षेत्र	5	0	5
उत्तर प्रदेश	7	0	7
उत्तराखंड	1	0	1
पश्चिम बंगाल	3	0	3
कुल प्रतिभागियों की संख्या	**88**	**10**	**98**

बैच–वार विवरण

बैच	प्रतिभागियों की संख्या
1984	6
1985	44
1986	42
1987	6
कुल प्रतिभागियों की संख्या	98

परिशिष्ट– 10 : राज्य सिविल सेवा से भारतीय प्रशासनिक सेवा में प्रोन्नत/चयनित अधिकारियों का 115वां प्रशिक्षण कार्यक्रम

संवर्ग–वार ब्योरा

सेवा/राज्य	पुरुष	महिलाएं	प्रतिभागियों की संख्या
अगमुट	4	–	4
बिहार	5	–	5
छत्तीसगढ़	2	–	2
हरियाणा	2	–	2
हिमाचलन प्रदेश	6	–	6
केरल	–	1	1
मध्य प्रदेश	2	0	2
महाराष्ट्र	4	–	4
मणिपुर	–	2	2
नागालैंड	2	–	2
पंजाब	2	1	3
राजस्थान	2	1	3
तमिलनाडु	2	1	3
त्रिपुरा	2	–	2
उत्तराखंड	1	–	1
उत्तर प्रदेश	4	–	4
कुल प्रतिभागी	**40**	**6**	**46**

बैच–वार विवरण

बैच	संख्या
1999	6
2000	1
2001	2
2002	6
2003	4
2004	4
2005	4
2006	3
2007	2
2008	1
बैच आबंटित नहीं	13
योग	**46**

परिशिष्ट– 11 : राज्य सिविल सेवा से भारतीय प्रशासनिक सेवा में प्रोन्नत/चयनित अधिकारियों का 116वां प्रशिक्षण कार्यक्रम

सेवा/राज्य	पुरुष	महिलाएं	प्रतिभागियों की संख्या
हिमाचल प्रदेश	4	–	4
मध्य प्रदेश	3	–	3
महाराष्ट्र	6	–	6
मेघालय	4	1	5
मिजोरम	4	–	4
पुडुचेरी	1	–	1
पंजाब	5	–	5
तमिलनाडु	1	2	3
त्रिपुरा	6	–	6
उत्तर प्रदेश	1	1	2
पश्चिम बंगाल	4	1	5
कुल प्रतिभागी	**39**	**5**	**44**

बैच–वार विवरण

बैच	संख्या
2000	1
2001	2
2002	8
2003	4
2004	3
2005	3
2006	4
2007	6
2008	0
2009	3
बैच आबंटित नहीं	10
योग	**44**

परिशिष्ट– 12 : राष्ट्रीय सुरक्षा पर 21वें संयुक्त सिविल–सैन्य कार्यक्रम के प्रतिभागी सेवा–वार ब्योरा

सेवा	पुरुष	महिलाएं	प्रतिभागियों की संख्या
भारतीय प्रशासनिक सेवा	2	1	3
भारतीय पुलिस सेवा	4	1	5
भारतीय वन सेवा	3	–	3
आईसी एवं सीईएस	2	–	2
आईआरएस (आईटी)	1	–	1
आईडीएएस	1	–	1
मंत्रिमंडल सचिवालय	1	–	1
सीबीआई	1	–	1
हैड क्वार्टर इंटिग्रेटेड डिफेंस स्टाफ	1	–	1
भारतीय सेना	4	–	4
भारतीय वायु सेना	3	–	3
भारतीय नौसेना	3	–	3
भारतीय तट रक्षक	2	–	2
भा.ति.सी.पु.	2	–	2
सीमा सुरक्षा बल	2	–	2
राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड	1	–	1
न्यायपालिका	5	1	6
जिला पंचायत अध्यक्ष	–	1	1
निजी क्षेत्र	1	–	1
कुल प्रतिभागी	**39**	**4**	**43**